@Qpatrika   @qaumipatrika hindi   instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 4 मई 2026

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 179 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिल्ली का विवेक विहार लाक्षागृह
जलकर मरे 9 लोगों की पहचान

- इनमें एक परिवार के पांच सदस्य शामिल
- इनमें डेढ़ साल का बच्चा शामिल; 15 लोग बचाए गए

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के विवेक विहार फेज-1 स्थित एक रिहायशी चारमंजिला इमारत में रविवार तड़के लगी आग में जान गंवाने वाले नौ लोगों की पहचान कर ली गई है। इस लाक्षागृह में एक ही परिवार के पांच सदस्य जिंदा जले हैं। पुलिस के अनुसार, दूसरी मंजिल पर पीछे वाले फ्लैट से एक परिवार के पांच लोगों के शव मिले। मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ वर्षीय पोता मास्टर आकाश जैन के रूप में हुई है। पहली मंजिल से शिखा जैन (45) का शव बरामद

किया गया। तीसरी मंजिल से एक अन्य परिवार के तीन सदस्यों के शव मिले, जिनकी पहचान नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैली जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) के रूप में हुई है। हादसे में झुलसे नवीन जैन (48)को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत के बारे में फिलहाल विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 3:48 बजे विवेक विहार थाना को एक पीसीआर कॉल के माध्यम से आग लगने की सूचना मिली। पुलिस और दमकल विभाग के अलावा अन्य टीमें तत्काल घटनास्थल (विवेक विहार फेज-1 स्थित मकान नंबर बी-13) पर पहुंचे।दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर ऊंची लपटें उठ रही थीं। दमकलकर्मियों और पुलिस ने संयुक्त राहत एवं बचाव अभियान चलाते हुए आग में फंसे करीब 10-15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।

विवेक विहार अग्निकांडः नौ लोगों की मौत पर केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने जताया शोक

नई दिल्ली। दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक चार मंजिला रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से नौ लोगों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कॉर्पोरेट मामलों के राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने गहरा दुख व्यक्त किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, 'दिल्ली के विवेक विहार में हुए भीषण अग्निकांड में जानमाल की हानि से मैं अत्यंत व्यथित हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। साथ ही, मैं इस हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।' वहीं, केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने जानकारी दी कि हादसे में मामूली रूप से घायल लोगों का इलाज जारी है।

बच सकती थीं नौ जानें, एसी फटने के बाद सभी भागे थे छत की तरफ
तीन की लाश तो सीढ़ी पर जली मिली

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के एक भीषण अग्निकांड ने चार मंजिला रिहायशी इमारत को चंद मिनटों में आग के गोले में तब्दील कर दिया। हादसे के वक्त ज्यादातर लोग गहरी नींद में थे, जिससे उन्हें संभलने और बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिल सका। देखते ही देखते पूरी इमारत धुएं और आग की लपटों से घिर गई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन आग की भयावहता के आगे प्रयास नाकाफी साबित हुए।

● लॉक थी सीढ़ियों, वहीं फंस गए

सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक काफी देर हो गई थी। इस बीच नौ जिंदगियां इस आग की भेंट चढ़ चुकी थीं। चश्मदीदों ने बताया कि तीन लोगों के शव सीढ़ियों पर जले हुए पाए गए। बताया जा रहा है कि आग में फंसे लोगों ने भाग कर सीढ़ियों के जरिए इमारत की छत पर दाखिल होने का प्रयास किया, लेकिन जैसे ही यह लोग छत पर बने दरवाजे तक पहुंचे, सीढ़ियां लॉक होने के कारण यह लोग वहीं फंस गए। आग उपर तक फैल गई और दरवाजा लॉक होने के कारण तीन लोग सीढ़ियों के दरवाजे पर ही मारे गए। अगर समय रहते दरवाजा खुल जाता तो शायद यह लोग जिंदा होते।

● पूरी बिल्डिंग में नहीं थी बिजली

स्थानीय लोगों ने बताया कि बिल्डिंग में आग की वजह से बिजली नहीं थी, पूरी बिल्डिंग में चारों तरफ अंधेरा था। लोगों के चीखने और बचाओ-बचाओ की

आवाजें सुनाई दे रहीं थी। धुंआ, इतना ज्यादा था कि फंसे लोगों की आंखों में जलन व दम घुट रहा था। चारों तरफ दहशत का माहौल था। लोगों को अपनी मौत साफ नजर आ रही थी। जान बचाने के लिए सब इधर उधर भागे लेकिन धुंऐ के कारण लोगों का दम घुट गया। जिसके बाद आग ने लोगों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया और नौ लोगों की जलकर मौत हो गई। वहीं एक दर्जन से ज्यादा लोग गंभीर रूप से झुलस गए।

प्रधानमंत्री ने विवेक विहार हादसे पर दुख जताते हुए मुआवजे की घोषणा की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के आग दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) की ओर से मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी और घायलों को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे।दिल्ली के विवेक विहार में रविवार तड़के हुई भीषण आग की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख जताया है। हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, दिल्ली के शाहदरा जिले में आग लगने की घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। शाहदरा के रिहायशी इलाके में स्थित एक इमारत में आज तड़के भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई जब दो से अधिक लोग मामूली रूप से झुलस गए हैं। उन्हें गुरु तेग बहादुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग की तैयारी पूरी
77 केंद्रों पर होगी 293 सीटों की मतगणना

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में संपन्न होने के बाद अब सभी की निगाहें मतगणना पर टीकी है। वहीं, मतगणणा को लेकर निर्वाचन आयोग ने राज्य भर के मतगणना केंद्रों की विस्तृत सूची जारी की है। आयोग के अनुसार, राज्य की 293 विधानसभा सीटों (फलता को छोड़कर) की मतगणना कुल 77 केंद्रों पर की जाएगी। इससे पहले 30 अप्रैल को आयोग ने मतगणना केंद्रों की संख्या 87 से घटाकर 77 करने का निर्णय लिया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय ने रविवार को बताया कि किस जिले के किस केंद्र पर किन-किन विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती होगी। आयोग ने जिला-वार सभी मतगणना केंद्रों के पते भी सार्वजनिक किए हैं।

कोलकाता की 11 विधानसभा सीटों के लिए पांच मतगणना केंद्र निर्धारित किए गए हैं। उत्तर कोलकाता की सात सीटों चौरंगी, एंटाली, बेलघाटा, जोड़ासांको, श्यामपुकुर, मानिकतला और काशीपुर-बेलगाछिया की मतगणना नेताजी इंडोर स्टेडियम परिसर स्थित खुदीराम अनुशीलन केंद्र के पास

होगी। इसके अलावा, भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र की मतगणना सखावत मेमोरियल स्कूल में होगी। कोलकाता बंदरगाह सीट के मत सेंट थॉमस बॉयज स्कूल (डायमंड हार्बर रोड) में गिने जाएंगे। वहीं रासबिहारी सीट की मतगणना बालीगंज गवर्नमेंट हाई स्कूल तथा बालीगंज विधानसभा क्षेत्र की गिनती बाबा साहेब आंबेडकर एजुकेशन यूनिवर्सिटी (बालीगंज सर्कुलर रोड) में होगी।

दक्षिण कोलकाता के कई क्षेत्रों की मतगणना भी अलग-अलग केंद्रों पर होगी। जादवपुर के एपीसी रॉय पॉलिटेक्निक कॉलेज में भांगर, सोनारपुर उत्तर और सोनारपुर दक्षिण की गिनती होगी। अलीपुर जजेस कोर्ट परिसर स्थित बिहारीलाल कॉलेज में बेहाला पूर्व, बेहाला पश्चिम और कसबा सीटों की मतगणना होगी। वहीं हेस्टिंग्स हाउस कॉम्प्लेक्स, अलीपुर में महेशतला, मेटियाब्रुज, बजबज, जादवपुर और टालीगंज विधानसभा क्षेत्रों के मतों की गिनती की जाएगी। जिला-वार व्यवस्था के अनुसार अलीपुरद्वार में एक, बांकोड़ा में तीन, बीरभूम में तीन, कूचबिहार में पांच, दक्षिण दिनाजपुर में दो, दार्जिलिंग में तीन, हुगली में पांच, हावड़ा में चार, जलपाईगुड़ी में दो, झाड़ग्राम में एक, कालिम्पोंग में एक, कोलकाता में पांच (उत्तर में एक और दक्षिण में चार), मालदा में दो, मुर्शिदाबाद में पांच, नदिया में चार, उत्तर 24 परगना में सात, पश्चिम बर्दवान में दो, पश्चिम मेदिनीपुर में तीन, पूर्व बर्दवान में चार, पूर्व मेदिनीपुर में चार, पुरुलिया में तीन, दक्षिण 24 परगना में छह तथा उत्तर दिनाजपुर में दो मतगणना केंद्र बनाए गए हैं। राज्य में सबसे अधिक 33 विधानसभा सीटें उत्तर 24 परगना जिले में हैं। इन सीटों की मतगणना आठ केंद्रों से की जाएगी। इनमें बारासात गवर्नमेंट कॉलेज एंड हाई स्कूल, बसीरहाट हाई स्कूल, बसीरहाट पॉलिटेक्निक कॉलेज, बिधाननगर कॉलेज, बनगांव का दीनबंधु महाविद्यालय, पानीहाटी का गुरु नानक कॉलेज परिसर और बैरकपुर का राष्ट्रगुरु सुरेंद्रनाथ कॉलेज शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले से जुड़े नए छापों में ईडी ने 5.39 करोड़ रुपए जब्त किए

एजेंसी

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की जांच तेज कर दी है और राज्य में कई स्थानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाते हुए लगभग 5.39 करोड़ रुपए की नकदी और कीमती सामान जब्त किया है। इसकी जानकारी अधिकारियों ने दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, ईडी के रायपुर जोनल ऑफिस ने 30 अप्रैल को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत रायपुर, दुर्ग/भिलाई और बिलासपुर जिलों में स्थित 13 परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। इस तलाशी अभियान में शराब व्यापारियों, चार्टर्ड अकाउंटेंटों, व्यवसायियों और कॉरपोरेट संस्थाओं को निशाना बनाया गया, जिन पर घोटाले से जुड़े अपराध की आय को संभालने या छिपाने में संलिप्त होने का संदेह था।

छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने 53 लाख रुपए नकद और लगभग 3.234 किलोग्राम सोने के आभूषण और ईंटें बरामद कीं, जिनकी कीमत लगभग 4.86 करोड़ रुपए है। इसके अलावा, कई आपत्तिजनक दस्तावेज

और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए हैं, जिनकी जांच चल रही है। ईडी आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) और भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो (एसीबी) रायपुर द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के आधार पर मामले की जांच कर रही है। अब तक की जांच से वरिष्ठ नौकरशाहों, शराब उत्पादकों, एफएल-10ए लाइसेंस धारकों और उनके सहयोगियों की मिलीभगत से एक सुनियोजित आपराधिक साजिश का संकेत मिला है।

सत्ता का दुरुपयोग कर हुई प्राथमिकी
आधिकारिक जानकारी मिलने पर देंगे जवाब : संदीप पाठक

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी छोड़ भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने रविवार को कहा कि पंजाब में सत्ता का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ प्राथमिक की दर्ज की गई है और आधिकारिक एवं अन्य माध्यम से जानकारी मिलने पर वे उपयुक्त उत्तर दे पाएंगे। सांसद संदीप पाठक ने आज अपने आवास के बाहर पंजाब में उनके खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकी के बारे में मीडिया से बातचीत की। कल पंजाब पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने उनके आवास पर पहुंची थी और वह अपना आवास छोड़ कर कहीं चले गए थे। आज उन्होंने अपने आवास पर दिल्ली पुलिस की मौजूदगी में अपनी बातचीत रखी। पाठक ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि कल से न्यूज़ चैनल उनके खिलाफ पंजाब में दो प्राथमिकी दर्ज होने की खबरें चला रहे हैं। इसके बारे में अभी तक उनके पास औपचारिक और अनौपचारिक दोनों रूप से कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। हो सकता है कि सत्ता का दुरुपयोग कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई हों। उनकी जानकारी मिलने पर वह इस बारे में स्पष्ट उत्तर दे पाएंगे। इसके

साथ ही पाठक ने अपने साफ-सुथरे राजनीतिक कैरियर का उल्लेख किया और कहा कि आम आदमी पार्टी में वे नीति और धर्म के अनुसार काम करते रहे और अब भारतीय जनता पार्टी में भी इसी तरह काम करेंगे। उनके लिए राजनीति में सफलता और असफलता बल्कि उनका राजनीतिक धर्म ज्यादा महत्व रखता है। पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी उन्होंने व्यक्तिगत नहीं बल्कि सैद्धांतिक और कार्यशैली कारणों से छोड़ी थी।

बलिया में गंगा स्नान के दौरान 4 लोग डूबे
मुख्यमंत्री योगी ने लिया घटना पर संज्ञान

एजेंसी

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में नहाते समय 4 लोग डूब गए, जबकि दो लोगों को नाविकों ने बचा लिया है। पुलिस चारों लापता लोगों को मछुवारों की मदद से खोजने का प्रयास कर रही है। इस घटना पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है और अधिकारियों को जल्द से जल्द लापता लोगों को ढूंढने के निर्देश दिए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, बलिया जिले के थाना कोतवाली क्षेत्र के श्रीरामपुर घाट पर हादसा हुआ है। रविवार को मुंडन संस्कार के लिए लोग पहुंचे हुए थे। गंगा नदी के नहाते समय 6 युवक और युवती अचानक पानी में डूब गए। इससे घाट पर अफरातफरी मच गई। आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी और गोताखोरों की टीम को भी

बुलाया गया। हालांकि, तब तक कुछ नाविकों ने नदी में डूबे एक युवक और एक युवती को बचा लिया। हालांकि, 4 लोगों को कोई पता नहीं चल पाया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कुछ युवक और युवतियां गंगा नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान एक का पैर फिसल गया और वो डूबने लगे। उसी को बचाने में तीन और भी डूब गए। मछुवारों और गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश की जा रही है। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि बलिया के श्रीरामपुर घाट में 6 लोगों के डूबने की घटना पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने संज्ञान लिया है। सीएम कार्यालय के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंच कर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को लापता लोगों को जल्द से जल्द ढूंढने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली में कई वरिष्ठ एवं केन्द्रीय मंत्रियों से की मुलाकात
राज्य के समग्र विकास पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सक्रियता राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली तक पहुंच गई है। रविवार को मुख्यमंत्री ने दिल्ली में कई केंद्रीय मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर राज्य के विकास, समन्वय और राजनीतिक रणनीति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान 'विकसित बिहार' के विजन को लेकर विस्तृत बातचीत हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा मंत्री के अनुभव और मार्गदर्शन से राज्य के विकास को नई दिशा मिल सकती है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भी मुलाकात हुई। इस बैठक में 'विकसित भारत, समृद्ध बिहार' के लक्ष्य को लेकर सकारात्मक और परिणामोन्मुखी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी से

शिष्टाचार मुलाकात की। बैठक में बिहार में रेल अवसंरचना को सुदृढ़ करने, कनेक्टिविटी बढ़ाने और विकास परियोजनाओं को गति देने जैसे मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई। उन्होंने भरोसा जताया कि केंद्र के सहयोग से राज्य में रेल नेटवर्क का तेजी से विस्तार होगा।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) से भी मुलाकात की। इस दौरान बिहार से जुड़े विभिन्न विकासात्मक विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ और राज्य के समग्र विकास के लिए बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। इसी क्रम में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय से भी मुख्यमंत्री की भी शिष्टाचार भेंट की। इसके अलावा भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं बिहार प्रभारी विनोद तावड़े से भी उन्होंने मुलाकात कर संगठनात्मक और राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि ये सभी मुलाकातें बिहार में संभावित कैबिनेट विस्तार से पहले राजनीतिक समीकरणों को साधने और केंद्र-राज्य समन्वय को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम हैं। इन बैठकों से यह संकेत मिल रहे हैं कि राज्य में जल्द ही मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं, साथ ही विकास परियोजनाओं को भी नई गति मिलने की संभावना है।

'विपक्ष भारतीय लोकतंत्र की बुनियाद पर हमला कर रहा'
किरने रिजिजू बोले- जनता देगी करारा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की राजनीति में इस समय भारी घमासान मचा हुआ है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्षी दलों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि विपक्ष देश की अहम संस्थाओं को निशाना बना रहा है और यह सीधे तौर पर भारतीय लोकतंत्र पर हमला है। रिजिजू का यह सख्त बयान ऐसे समय में आया है, जब पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने भारी गड़बड़ियों के चलते कई जगहों पर फिर से वोटिंग कराने का बड़ा फैसला लिया है।

बंगाल चुनाव को लेकर भाजपा और टीएमसी के बीच पहले से ही भारी तनातनी

चल रही है। किरेन रिजिजू ने साफ शब्दों में कहा है कि विपक्ष ने हर उस लोकतांत्रिक संस्था पर सवाल उठाए हैं, जिन पर देश का भरोसा टिका है। रिजिजू ने विपक्ष को चेतावनी दी है कि भारत की आम जनता यह सब देख रही है और वह समय आने पर उन्हें इसका करारा जवाब जरूर देगी। वहीं, बंगाल में चल रहे मतदान के दौरान हुई अप्रिय घटनाओं ने इस राजनीतिक विवाद को और ज्यादा गरमा दिया है। चुनाव आयोग के कड़े फैसलों और भाजपा नेताओं की लगातार शिकायतों के बाद वहां का माहौल पूरी तरह से आक्रामक हो गया है।

विपक्ष पर किरेन रिजिजू ने क्यों साधा निशाना?

रिजिजू ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा कि सभी विपक्षी दलों ने सरकारी एजेंसियों, ईवीएम, चुनाव आयोग और मीडिया पर लगातार हमला किया है। उनका कहना है कि अब विपक्षी दल देश की सर्वोच्च न्यायपालिका को भी अपना निशाना बना रहे हैं। रिजिजू ने कड़े शब्दों में कहा कि विपक्ष को यह एहसास ही नहीं है कि वे ऐसा करके सीधे भारतीय लोकतंत्र के मूल आधार पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत के लोग सही वक्त का इंतजार कर रहे हैं और वे जल्द ही विपक्ष को जिंदगी भर याद रहने वाला सबक सिखाएंगे।

क्रूज हादसा : चौथे दिन मिले चाचा–भतीजे के शव, अब मरने वालों की संख्या हुई 13

-मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल, अभी भी जारी सर्चिंग ऑपरेशन

धनबाद (एजेंसी)। जबलपुर,(ईएमएस)। जबलपुर के बरगी क्रूज हादसे में रविवार सुबह कामराज आर का शव निकाला गया।इससे पहले सुबह करीब 6 बजे उनके 8 साल के भतीजे मयूरन की डेडबॉडी मिली थी। वह त्रिची (तमिलनाडु) से आया था।हादसे में अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है।इससे पहले शनिवार शाम 6 बजे दो बच्चों के शव मिले थे।इनमें से एक की पहचान श्रीतमिल पिता कामराज (5) और विराज पिता कृष्ण सोनी (5) के रूप में हुई थी।हादसे के पहले दिन 4 शव, दूसरे दिन 5, तीसरे दिन 2 और चौथे दिन दो शव मिले। मृतकों में 4 बच्चे और 8 महिलाएं शामिल हैं।सीएसपी अंजुल अयंक मिश्रा ने बताया कि एहतियात के तौर पर आज दिनभर सर्चिंग अभियान चलाया जाएगा।बता दें 30 अप्रैल की शाम करीब 5 बजे मप्र टूरिज्म का पर्यटकों से भरा क्रूज बरगी डैम में डूब गया था। उसमें करीब 47 पर्यटक सवार थे, जबकि टिकट सिर्फ 29 लोगों की ही कटी थी।हादसा किनारे से करीब 300 मीटर दूर हुआ था।उस वक्त हवा की रफ्तार करीब 74 किमी/घंटा थी। बरगी क्रूज हादसे में जान गंवाने वाले तमिलनाडु के पर्यटकों के शव उनके गृह राज्य भेजे गए। जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट से कार्गो विमान के जरिए शवों को त्रिची रवाना किया गया। शुरुआत में तकनीकी कारणों से एक कार्गो विमान में दिक्कत आई, जिसके बाद शवों को दूसरे विमान से भेजा गया। मृतकों के परिजन भी साथ में गए। प्रशासन की ओर से अन्य शवों को भी उनके गृह राज्यों तक पहुंचाने की तैयारी की जा रही है।

हैदराबाद में खौफनाक घटना, कार के बोनट पर व्यक्ति को 2 किमी तक घसीटा

-पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की

हैदराबाद, (एजेंसी)। हैदराबाद के मीरपेट इलाके में सड़क में हुए विवाद के बाद एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है।दरअसल यू-टर्न को लेकर हुए झगड़े के बाद एक कार चालक ने एक व्यक्ति को लगभग 2 किलोमीटर तक कार के बोनट पर घसीट दिया।यह घटना 1 मई की रात की बताई जा रही है।पुलिस ने मीडिया को बताया, कि पीड़ित व्यक्ति अपने बेटे के साथ दोपहिया वाहन पर जा रहा था।बेटे ने यू-टर्न लेने के लिए इंडिकेटर दिया था, जिस पर पीछे से आ रहे कार चालक से बहस हो गई। विवाद बढ़ने पर कार चालक ने कथित तौर पर युवक के बाल पकड़ लिए, जिससे वह सड़क पर गिरकर घायल हो गया। अपने बेटे को बचाने के लिए पिता कार के बोनट पर चढ़ गया, लेकिन चालक ने गाड़ी रोकने के बजाय उसे लेकर आगे तेजी से बढ़ता चला गया।आरोपी कार चालक मीरपेट से बालापुर तक लगभग 2 किलोमीटर तक पीड़ित को बोनट पर घसीटता रहा और बाद में मौके से फरार हो गया।घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है।पीड़ित की शिकायत पर मीरपेट पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

गायक फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर पर फायरिंग, सुरक्षाकर्मी को लगी गोली

गुरुग्राम (एजेंसी)। सेक्टर 40 थाना क्षेत्र के कन्हई गांव में शनिवार रात बाइक सवार बदमाशों ने गायक राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर के घर के बाहर फायरिंग की।यहां चार राउंड फायरिंग की गई।इसमें एक गोली घर के बाहर सुरक्षा में तैनात सिपाही को लगी। सूचना मिलते ही पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा और फॉरेंसिक की टीमें मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।पुलिस के मुताबिक सौरभ यादव को पहले ही दीपक नांदल गैंग की तरफ से धमकी मिली थी। उसे काफी समय से विदेशी नंबर से वॉट्सएप कॉल आ रहे थे। सौरभ पहले राहुल फाजिलपुरिया के मैनेजर थे और उसके सबसे ज्यादा करीबी भी रहे हैं। रात करीब साढ़े 11 बजे बाइक सवार दो युवक आए जिन्होंने चार राउंड फायरिंग की।इस दौरान सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर घर के बाहर मौजूद थे, जिन्हें एक गोली पेट को छूकर निकल गई। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। घायल सिपाही कुलबीर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बता दें इससे पहले पिछले साल जुलाई में गायत राहुल फाजिलपुरिया पर भी जानलेवा हमला हुआ था।एसपीआर रोड पर दो बदमाशों ने उनकी गाड़ी पर फायरिंग की थी। इसके बाद गायक के फाइनेंसर की भी गोलियां माकर हत्या कर दी गई थी।बताया जाता है कि दीपक नांदल और राहुल फाजिलपुरिया के बीच पैसों के लेनदेन को लेकर काफी समय से विवाद चल रहा है।दीपक ने सभी मामलों में सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी कर घटना की जिम्मेदारी ली थी और पैसे वापस करने के लिए धमकी दी थी।

चंडीगढ़ में चली आंधी-तूफान, घरेलू उड़ानों पर पड़ा असर, उड़ानें देरी से हुई रवाना

चंडीगढ (एजेंसी)। रविवार सुबह अचानक मौसम ने करवट ली और तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश ने चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में जनजीवन अस्त व्यस्त कर दिया। इसका सीधा असर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एअरपोर्ट की उड़ानों पर पड़ा, जहां कई घरेलू उड़ानों को देर से रवाना होना पड़ा।जानकारी के मुताबिक सुबह 7-50 बजे हैदराबाद के लिए रवाना होने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-1862 को मौसम की खराब स्थिति के कारण करीब एक घंटे देरी यानी 9-02 बजे चंडीगढ़ एअरपोर्ट से उड़ान भर सकी। इस तरह सुबह 8-10 बजे बेंगलुरु के लिए इंडिगो की फ्लाइट 6ई 6634 भी प्रभावित हुई और यह विमान 9-18 बजे रवाना हुआ। वहीं सुबह 8-20 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान करने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट एआई-472 भी समय पर उड़ान नहीं भर सकी और यह 9-09 बजे मुंबई के लिए रवाना हुई। हालांकि, एअरपोर्ट पर आने वाली उड़ानों पर इस मौसम का ज्यादा प्रभाव नहीं देखा गया।इसका मुख्य कारण एअरफोर्स द्वारा लगाया गया नोटम बताया जा रहा है। इस नोटम के तहत रविवार को सुबह 7-40 बजे से पहले और दोपहर 1-30 बजे के बाद आगमन की अनुमति तय की गई थी, जिससे लैंडिंग संचालन नियंत्रित और सुरक्षित रहा। एअरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक खराब मौसम के बावजूद सुरक्षा मानकों को प्राथमिकता देते हुए उड़ानों का संचालन सावधानीपूर्वक किया गया।

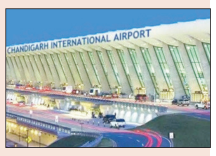

चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा, नीतीश की तर्ज पर चलेगा बिहार

डिप्टी सीएम बोले– मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं, जेडीयू का ट्रिपल सी पर फोकस

पटना (एजेंसी)। बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी ने कहा कि मुसलमानों को डरने की जरूरत नहीं है। चुनाव से पहले 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा दिया गया था। अगले पांच साल बिहार उसी तर्ज पर चलेगा, जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं नीतीश के मन मुताबिक ही बीजेपी ने सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाया है। सम्राट चौधरी का बैकग्राउंड भी बीजेपी वाला नहीं है। पटना से चंपारण तक अचानक प्रेसवार्ता कर ताबड़तोड़ सुरक्षा वाली गारंटी दी?

सियासी गलियारे में सवाल पूछे जा रहे हैं कि अचानक ऐसा क्या हुआ, जो प्रेस के जरिए गारंटी दी जाने लगी है? राजनीतिक संशयों के बीच उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा और विकास का भरोसा दिलाया। उन्होंने साफ किया कि सत्ता का शीर्ष चेहरा बदलने से सरकार का चरित्र नहीं बदलेगा। पटना जेडीयू प्रदेश कार्यालय में मीडिया से मुखातिब विजय चौधरी ने कहा कि भले ही कमान सम्राट चौधरी के हाथों में है, लेकिन सरकार का एजेंडा वही रहेगा जो नीतीश कुमार ने पिछले दो दशकों में स्थापित किया है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी के नाम का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों को गुमराह करना अब संभव नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विजय चौधरी ने जोर देकर कहा कि चुनाव से पहले दिया गया 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा सरकार के लिए प्रतिबद्धता है। अगले पांच साल बिहार का शासन उसी तर्ज पर चलेगा जैसा नीतीश कुमार चाहते हैं। सीएम सम्राट चौधरी ने भी विधानसभा में साफ कर दिया है कि उनकी सरकार क्राइम, करप्शन और कम्युनलिज्म (3सी) से कोई समझौता नहीं करेगी। सांप्रदायिकता के खिलाफ सरकार की नीति पूरी तरह स्पष्ट है। चौधरी ने आरजेडी का नाम लिए बिना 2005 से पहले की सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारें अल्पसंख्यकों को सिर्फ सुरक्षा का डर दिखाकर सत्ता हासिल करती थीं। सरकार का दायित्व केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों की माली हालत सुधारना भी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल बीजेपी का डर दिखाकर अल्पसंख्यकों का राजनीतिक शोषण करता रहा है। चौधरी यहीं नहीं रूके। उन्होंने नीतीश कुमार के शासनकाल में अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए उठाए गए कामों को भी गिनाया।

नीतीश कुमार के कार्यकाल में मदरसों की ढांचागत और शैक्षणिक स्थिति में अभूतपूर्व सुधार हुआ। छात्र क्रेडिट कार्ड और पोशाक योजना जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के मुस्लिम समाज को मिला। कमजोर तबके के उत्थान के लिए चलाई गई योजनाओं ने अल्पसंख्यकों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाया। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग रही। दरअसल 2023 की बिहार जाति आधारित गणना के मुताबिक राज्य में मुस्लिम आबादी 17.7फीसदी है। इनमें अनुमान के मुताबिक 12-14फीसदी मुस्लिम जेडीयू को और 70-75फीसदी आरजेडी को वोट डालते हैं। जो मुस्लिम जेडीयू को वोट देते हैं, वो सिर्फ और सिर्फ नीतीश पर भरोसा करते हैं। अब कुर्सी बदल गई तो उसे मेंटेन रखना एक चुनौती है। अब सीएम की कुर्सी नीतीश से खिसककर बीजेपी के सम्राट चौधरी के पास पहुंच गई है। आरजेडी कुछ गेम न कर दे, इसे लेकर पहले की तैयारी के तौर पर जेडीयू के प्रेस कॉन्फ्रेंस को देखा जा रहा है।

बंगाल की खाड़ी में चीन का जासूसी जहाज शी यान 6 दाखिल, भारत के रणनीतिक बैकयार्ड में ड्रैगन की सेंध का प्रयास

नई दिल्ली (एजेंसी)। जासूसी की अपनी पुरानी फितरत को दोहराते हुए चीन ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में अपनी सक्रियता बढ़ा दी है।बीजिंग का अत्याधुनिक रिसर्च वेसल और जासूसी जहाज 'शी यान 6' भारतीय समुद्री सीमा के करीब रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र में दाखिल हो चुका है।सैटेलाइट इमेजरी और विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए नक्शों से इस बात की पुष्टि हुई है कि मालदीव के माले में ईंधन और रसद भरने के बाद यह जहाज अब सीधे भारत के रणनीतिक बैकयार्ड की टोह लेने के मिशन पर निकल पड़ा है।यह जहाज मार्च 2025 में हिंद महासागर क्षेत्र में दाखिल हुआ था और तब से लगातार भारत की समुद्री गतिविधियों पर नजर रख रहा है। शी यान 6 का यह मिशन केवल वैज्ञानिक शोध तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत के ग्रेटर निकोबार प्रोजेक्ट के लिए एक बड़ा खतरा माना जा रहा है।विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का यह साइलेंट किलर जहाज चार प्रमुख तरीकों से भारत की सुरक्षा में सेंध लगा सकता है।सबसे बड़ा खतरा समुद्री सतह के नीचे का डेटा चोरी करना है, जो भविष्य में चीनी पनडुब्बियों के लिए गुप्त रास्ते बनाने में मदद कर सकता है। चीन की इस चालबाजी का दूसरा बड़ा कारण उसका मलक्का डिलेमा है। चीन का लगभग 80 प्रतिशत तेल व्यापार मलक्का जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है, जहाँ भारत का ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट एक गेटकीपर की भूमिका निभाता है। चीन चाहता है कि वह इस प्रोजेक्ट की भौगोलिक और सैन्य जानकारी समय से पहले जुटा ले, ताकि युद्ध जैसी स्थिति में भारतीय नाकेबंदी को चकमा दिया जा सके।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

–धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने शुरुआत में सजा की आधिकारिक सूचना मिलने तक कार्रवाई में देरी की बात कही थी, लेकिन विपक्षी दलों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बढ़ते दबाव के बाद यह अधिसूचना जारी की गई। कुलकर्णी, जो वर्तमान में कर्नाटक अर्बन वॉटर सप्लाई एंड ड्रेनेज बोर्ड के अध्यक्ष भी थे, ने इस सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दाखिल की है। फिलहाल वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद हैं। इस घटनाक्रम ने राज्य की राजनीति में हलचल मचा दी है, क्योंकि एक रसूखदार नेता को अपने ही राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी की हत्या के षड्यंत्र में पद गंवाना पड़ा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव: मतगणना से पहले फाल्टा में भारी बवाल

अभिषेक बनर्जी ने मुख्य चुनाव आयुक्त पर साधा निशाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों की आहट के बीच प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। 4 मई 2026 को होने वाली मतगणना से ठीक पहले दक्षिण 24 परगना जिले का फाल्टा विधानसभा क्षेत्र भारी तनाव और हिंसा के आरोपों का केंद्र बन गया है। फाल्टा में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान के करीबी सहयोगी इस्राफील चौकीदार के खिलाफ स्थानीय जनता का गुस्सा फूट पड़ा है। ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर टीएमसी नेताओं पर डराने-धमकाने और घर जलाने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह विवाद तब और गहरा गया जब भाजपा आईटी सेल की ओर से सोशल मीडिया पर दावा किया गया कि फाल्टा में मतदाताओं को धमकाने के आरोप में अतीबुर शेख, हबीब शेख और हबीब मोल्ला को गिरफ्तार किया गया है, लेकिन मुख्य आरोपी इस्राफील चौकीदार अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। भाजपा ने सवाल उठाया कि क्या बंगाल पुलिस कार्रवाई के लिए सत्ताधारी दल के निर्देशों का इंतजार कर रही है। स्थानीय महिलाओं का आरोप है कि उन्हें धमकी दी गई है कि यदि भाजपा चुनाव जीतती है, तो उनके घर जला दिए जाएंगे और खून-खराबा होगा।

विवाद उस समय व्यक्तिगत हमले में बदल गया जब निर्वाचन आयोग ने शिकायतों के आधार पर फाल्टा में फिर से चुनाव कराने का निर्णय लिया। इस फैसले के बाद टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर सीधा निशाना साधते हुए उन्हें कठपुतली तक कह डाला। अभिषेक बनर्जी ने विपक्षी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा कि उनके डायमंड हार्बर मॉडल को कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकता। उन्होंने विरोधियों को फाल्टा में आकर चुनाव लड़ने की खुली चुनौती दी।

निर्वाचन आयोग की इस कार्रवाई और अभिषेक बनर्जी के कड़े तेवरों ने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां विपक्षी दल इसे सत्ता की हताशा बता रहे हैं, वहीं टीएमसी इसे राज्य की छवि खराब करने की साजिश करार दे रही है। फिलहाल फाल्टा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और पूरे राज्य की नजरें 4 मई को आने वाले जनादेश पर टिकी हैं।

अखिलेश यादव ने बीजेपी को बताया 'झूठ की सोन पपड़ी' : फाल्टा में पुनर्मतदान के फैसले पर उठाए सवाल, टीएमसी की जीत का दावा

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला है। फाल्टा विधानसभा सीट पर पुनर्मतदान के फैसले को लेकर उन्होंने बीजेपी की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह पार्टी 卐झूठ की सोन पपड़ी卐 की तरह है, जो एक झूठ के ऊपर दूसरा झूठ चढ़ाती है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए बहाने ढूंढ रही है। उन्होंने कहा कि फाल्टा में दोबारा मतदान कराने का फैसला इसी दिशा में एक कदम है। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उनके अनुसार, पुनर्मतदान का फैसला मीडिया रिपोर्ट्स और टीवी प्रसारण के आधार पर लिया गया, जो कई गंभीर सवाल खड़े करता है। अखिलेश ने कहा कि यदि मतदान केंद्रों के अंदर तक मीडिया की पहुंच थी, तो यह नियमों के विपरीत है, खासकर तब जब सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। सपा प्रमुख ने यह भी कहा कि यदि बूथ कैप्चरिंग जैसी आशंका जताई गई है, तो चुनावी पर्यवेक्षकों की भूमिका की जांच होनी चाहिए और जरूरत पड़ने पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि किसी अधिकारी की लापरवाही के कारण पुनर्मतदान की नौबत आई है, तो उसके खर्च की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। इसके साथ ही अखिलेश यादव ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को स्पष्ट बढ़त मिल रही है और जनता ने पहले ही उसे आगे कर दिया है। उन्होंने बीजेपी पर 卐षड्यंत्र卐 रचने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता हर कोशिश को नाकाम कर देंगे। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि जब तक जीत का आधिकारिक प्रमाण हाथ में न आ जाए, तब तक पूरी तरह चौकन्ना रहना जरूरी है।

तिरुपति लड्डू विवाद: टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती (एजेंसी)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। प्रशासन की इस अनदेखी ने न केवल करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुँचाई, बल्कि खाद्य सुरक्षा के मानकों की भी धज्जियां उड़ा दीं।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा– कश्मीरी पंडितों के बगैर अधूरा है जेएंडके

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में शांति, भाईचारे और सुरक्षा को लेकर दो महत्वपूर्ण स्वर उभरे हैं। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों की घर वापसी की वकालत करते हुए घाटी के पुराने स्वरूप को बहाल करने पर जोर दिया है, वहीं दूसरी ओर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने नशे के कारोबार और आतंकवाद के गठजोड़ को खत्म करने के लिए निर्णायक युद्ध का शंखनाद किया है।एक पुस्तक विमोचन समारोह के दौरान फारूक अब्दुल्ला ने कश्मीरी पंडितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि कश्मीर सभी समुदायों का साझा घर है और पंडितों के बिना यह अधूरा है। उन्होंने 1990 के दशक में हुए पलायन को क्षेत्र के लिए सबसे बड़ा मानवीय और सांस्कृतिक नुकसान बताया।

अब्दुल्ला ने भावुक होते हुए कहा, मैं अल्लाह से दुआ करता हूं कि जो लोग यहां से चले गए, वे अपने घरों को वापस लौटें और एक बार फिर खुशहाली से रहें। कश्मीर की असली पहचान हिंदू, मुस्लिम और सिख समुदायों का आपसी मेलजोल ही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि घाटी में जल्द ही वह दौर वापस आएगा जब सभी समुदाय पुराने गौरव और भाईचारे के साथ एक साथ रहेंगे। घाटी के सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने की इस अपील के बीच, प्रशासन सुरक्षा और युवाओं के भविष्य को लेकर बेहद सतर्क है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने केंद्र शासित प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार को एक रणनीतिक साजिश करार दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशीली दवाओं का व्यापार सीधे तौर पर आतंकवाद से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य युवाओं को बर्बाद करना और नारको-टेरर के जरिए अशांति फैलाना है। प्रधानमंत्री के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत उपराज्यपाल ने एक विशेष 3पी रणनीति को लागू किया है। इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य ड्रग सप्लाई चेन को ध्वस्त करना, शिक्षा के माध्यम से जागरूकता फैलाना और नशे के शिकार युवाओं का प्रभावी पुनर्वास करना है। प्रशासन का मानना है कि सीमाओं पर सक्रिय सप्लाई चेन को तोड़ना न केवल युवाओं को बचाएगा, बल्कि आतंकवाद की फंडिंग पर भी करारी चोट करेगा। अब यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसमें पुलिस और जनता के बेहतर तालमेल से सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

कनाडा बनाम भारत: सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने छेड़ी वर्क-लाइफ बैलेंस की बहस

नई दिल्ली(एजेंसी)। सोशल मीडिया पर इन दिनों एक भारतीय मूल के व्यक्ति का वीडियो काफी चर्चा बटोर रहा है, जिसमें उसने कनाडा और भारत के आईटी सेक्टर के कार्य परिवेश के बीच के बड़े अंतर को उजागर किया है। इस वीडियो ने प्रोफेशनल जगत में वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर एक नई राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है। वीडियो में वह व्यक्ति कनाडा के एक ऑफिस का दृश्य दिखाते हुए बताता है कि वहां शाम 4-30 बजते ही कर्मचारी अपना काम समेटकर घर के लिए निकल जाते हैं। उसके अनुसार, विदेशों में समय पर ऑफिस छोड़ना एक सामान्य संस्कृति है, जहां लोग काम के बाद अपनी निजी जिंदगी और परिवार को प्राथमिकता देते हैं।

कनाडा की तुलना भारत से करते हुए उस व्यक्ति ने बताया कि भारत के आईटी ऑफिसों में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। यहां कर्मचारियों को अक्सर 10 से 12 घंटे की लंबी शिफ्ट करनी पड़ती है। कई मामलों में तो कर्मचारी तब तक अपनी सीट नहीं छोड़ पाते, जब तक उनके वरिष्ठ अधिकारी या बॉस उन्हें जाने का संकेत न दे दें। वीडियो के मुताबिक, कनाडा में काम के बाद लोग अपने शौक पूरे करने, जिम जाने या घूमने के लिए स्वतंत्र होते हैं, जबकि भारत में काम के भारी दबाव और हर समय उपलब्ध रहने की अपेक्षा के कारण लोगों के पास खुद के लिए समय ही नहीं बचता।

वीडियो का मुख्य संदेश यह है कि काम केवल आजीविका का साधन होना चाहिए, न कि पूरी जिंदगी का केंद्र। उस व्यक्ति ने सुझाव दिया है कि यदि भारत में भी काम के घंटों और ओवरटाइम को लेकर कड़े नियम लागू किए जाएं, तो यहां के कार्य परिवेश में बड़ा सुधार हो सकता है। इस वीडियो पर नेटिजन्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। जहां बड़ी संख्या में लोग विदेशी वर्क-कल्चर की तारीफ कर रहे हैं, वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन ऑफिस कल्चर में आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता है। यह वीडियो एक गंभीर सवाल खड़ा करता है कि क्या निरंतर बढ़ता पेशेवर दबाव हमारी व्यक्तिगत खुशियों को निगल रहा है?

अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को मारी जोरदार टक्कर, 100 मीटर तक घसीटा, दो की चली गई जान

रजबपुर (अमरोहा)। रजबपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के हुए सड़क हादसे में टेंपो सवार पिंटू (32) और नीरज (38) की मौत हो गई। तेज रफ्तार अनियंत्रित डंपर ने टेंपो को टक्कर मारने के बाद करीब 100 मीटर तक घसीटा। पेड़ से टकराने के बाद टेंपो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद अज्ञात चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह हादसा अमरोहा-अतरासी मार्ग पर गांव सूदनपुर के पास शुक्रवार सुबह करीब चार बजे हुआ। अमरोहा नगर के फंड्स कॉलोनी निवासी पिंटू टेंपो चालक थे और अमरोहा की मंडी में काम करते थे। उनके साथ मोहल्ला काला कुआं निवासी नीरज कुमार भी टेंपो पर कार्य करता था। दोनों शुक्रवार रात अंगूर लादकर हापुड़ मंडी गए थे और देर रात वापस लौट रहे थे। जैसे ही दोनों अतरासी से अमरोहा की ओर बढ़ते हुए सूदनपुर के पास पहुंचे, तभी सामने से आ रहे डंपर ने गलत दिशा में जाकर टेंपो को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर टेंपो को लगभग 100 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया और अंत में सड़क किनारे पेड़ से जा टकराया। हादसे में टेंपो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार पिंटू व नीरज गंभीर रूप से फंस गए। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद टेंपो में फंसे दोनों युवकों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। हादसे के बाद चालक डंपर को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और क्षतिग्रस्त वाहनों को कब्जे में ले लिया। सीओ अभिषेक यादव ने बताया कि अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। उसकी तलाश की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए, जिनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। इस हादसे से मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है।

सेक्टर 29 और सेक्टर 110 में जल आपूर्ति, सीवरेज और ड्रेनेज होगा बेहतर

गुरुग्राम। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) सेक्टर-29 और सेक्टर-110ए में सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज और स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज (एसडब्ल्यूडी) व्यवस्था के रखरखाव कार्य कराएगा। इसके लिए विभाग ने निविदाएं जारी की हैं। सेक्टर-29 में आंतरिक सड़कों के वार्षिक रखरखाव के तहत सड़क किनारों की सफाई के लिए जेसीबी मशीन और श्रमिकों की सेवाएं ली जाएंगी। इसके अलावा सेक्टर-29 में वर्ष 2025-26 के लिए जलापूर्ति, सीवरेज और एसडब्ल्यूडी व्यवस्था के वार्षिक रखरखाव का भी अनुमान तैयार किया गया है। इसके तहत विभिन्न आकार की जल लाइनों में रिसाव की मरम्मत की जाएगी। सेक्टर-110ए में सीवरेज योजना के वार्षिक रखरखाव के अंतर्गत मैनहोल की मरम्मत, ईंट कार्य, प्लास्टर स्लैब और संबंधित अन्य कार्य कराए जाएंगे। एचएसवीपी का कहना है कि नियमित रखरखाव कार्यों से जल आपूर्ति व्यवस्था मजबूत होगी और सीवरेज से जुड़ी समस्याओं में कमी आएगी। वहीं, स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज व्यवस्था में सुधार होने से बरसात के दौरान जलभराव की समस्या को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। एचएसवीपी के कार्यकारी अभियंता अनिल कुमार ने बताया कि सेक्टर-29 और सेक्टर-110ए कई कार्य कराए जाएंगे।

आईएमटी मानेसर में अवैध कचरा डंपिंग से बढ़ी परेशानी

मानेसर। आईएमटी मानेसर के सेक्टर एक में खाली जमीन पर लगातार निर्माण का मलबा डाला जा रहा है जिससे इलाके के लोगों को परेशानी हो रही है। पिछले दो महीनों से यहां मलबा व उद्योगों निकला वेस्ट डंप करने की गतिविधि लगातार जारी है। लोगों का कहना है कि रात के समय कुछ वाहन चालक चुपके से आते हैं और यहां मलबा फेंककर चले जाते हैं। इसके कारण आसपास गंदगी बढ़ती जा रही है और इलाके का वातावरण भी खराब हो रहा है। लोगों ने बताया कि इस समस्या के बारे में नगर निगम को कई बार शिकायत की गई है, लेकिन अब तक न तो कोई कार्रवाई हुई है और न ही यहां से कूड़ा उठाया गया है। लगातार कचरा जमा होने से इलाके में प्रदूषण बढ़ रहा है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ने का खतरा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द इस पर रोक लगाई जाए और साफ-सफाई करवाई जाए।

खेत में अवशेष जलाने पर दर्ज होगी एफआईआर, दो साल नहीं बेच पाएंगे फसल

गुरुग्राम। गेहूं की फसल के अवशेष जलाने पर सख्ती होगी। इसके लिए डीसी उत्तम सिंह ने कहा कि अवशेष जलाने वाले किसानों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं। शुक्रवार को लघु सचिवालय में आयोजित बैठक में उन्होंने कृषि विभाग को ऐसे मामलों में बिना देरी एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। साथ ही 'मेरी फसल मेरा ब्योरा' पोर्टल पर संबंधित किसानों की रेड एंट्री की जाए। उन्होंने कहा कि यदि कोई किसान अवशेष जलाते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ जुर्माना, एफआईआर और पोर्टल पर रेड एंट्री जैसी कार्रवाई अनिवार्य रूप से की जाएगी। डीसी ने बताया कि रेड एंट्री होने की स्थिति में संबंधित किसान आगामी दो वर्षों तक अपनी फसल मंडी में नहीं बेच सकेगा और कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ लेने से भी वंचित रहेगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि कृषि विभाग की फील्ड विजिट टीमें यदि समय पर कार्रवाई नहीं करती हैं, तो संबंधित अधिकारियों को भी शो कॉज नोटिस जारी किया जाए। बैठक में कृषि विभाग के उपनिदेशक डॉ अनिल तंवर, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी सिद्धार्थ एवं आकांक्षा तंवर मौजूद रहे।

करियर गाइडेंस फेयर में छात्रों को मिली भविष्य की राह

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से गुरुद्वारा रकाबगंज साहिब परिसर स्थित भाई लखी शाह वंजारा हॉल में करियर गाइडेंस फेयर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कमेटी के प्रधान हरमीत सिंह कालका, महासचिव जगदीप सिंह काहलों सहित अन्य लोगों की उपस्थिति में किया। इस मौके पर सिरसा ने कहा कि बदलते दौर में विद्यार्थियों के लिए सही मार्गदर्शन बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपने करियर की दिशा तय करने में मदद करते हैं। फेयर में करीब 70 संस्थानों के विशेषज्ञों ने स्टॉल लगाकर छात्रों को विभिन्न करियर विकल्पों, नई शिक्षा प्रणाली और भविष्य की संभावनाओं की जानकारी दी। यह आयोजन विशेष रूप से कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए किया गया था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी और अभिभावक शामिल हुए। आयोजन की सफलता पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े पदाधिकारियों को सराहा गया।

संभावित दुर्घटना और जाम वाले स्थानों की होगी पहचान, ट्रैफिक पुलिस और PWD ने की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने और सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों के बीच मंगलवार को एक समन्वय बैठक आयोजित की गई। यह बैठक टोडापुर स्थित ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय में हुई। बैठक में दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इसमें पीडब्ल्यूडी की टीम का नेतृत्व अतिरिक्त महानिदेशक जगजीवन राम मीणा ने किया, जबकि ट्रैफिक पुलिस की ओर से संयुक्त पुलिस आयुक्त संजय त्यागी और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली में दुर्घटना-प्रवण और जाम वाले स्थानों की पहचान कर वहां ट्रैफिक सुधार के लिए प्रभावी उपाय लागू करना था। अधिकारियों ने सड़क इंजीनियरिंग से जुड़े समाधान जैसे सड़क री-मार्किंग, रंबल स्ट्रिप्स और सेंट्रल वर्ज ग्रिल्स के रखरखाव पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में यह भी सुझाव दिया गया कि ट्रैफिक और पीडब्ल्यूडी अधिकारी मिलकर संयुक्त सर्वे करें, ताकि उन स्थानों की पहचान की जा सके जहां अक्सर जाम या दुर्घटनाएं होती हैं। इसके आधार पर व्यावहारिक समाधान तैयार किए जाएंगे ताकि वाहनों की आवाजाही सुचारू हो सके और यात्रियों को देरी का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, रणनीतिक स्थानों पर फ्लाईओवर के नीचे पुलिस बूथ बनाने पर भी विचार किया गया, जिससे ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी बढ़े और प्रतिक्रिया समय में सुधार हो सके। अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली में ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए दोनों विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। बैठक में यह भी तय हुआ कि सुझाए गए उपायों को तेजी से लागू किया जाएगा।

रोहिणी में पानी के बिल होंगे पूरी तरह डिजिटल

नई दिल्ली। रोहिणी क्षेत्र के निवासियों को पानी के बिल से जुड़ी समस्याओं से जल्द राहत मिलने वाली है। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने यहां पानी के बिलों के कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है, जिससे पूरी बिलिंग प्रणाली को डिजिटल बनाया जाएगा। इस योजना के तहत मीटर रीडिंग से लेकर बिल तैयार करने, वितरण, डेटा प्रबंधन और भुगतान तक सभी प्रक्रियाएं डिजिटल प्लेटफॉर्म पर की जाएंगी। इसका उद्देश्य बिलिंग व्यवस्था को अधिक सटीक और पारदर्शी बनाना है। अब तक उपभोक्ताओं को गलत बिल, देरी और भुगतान संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता था, जिसे नई प्रणाली से काफी हद तक दूर किया जा सकेगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद उपभोक्ता अपने बिल ऑनलाइन देख सकेंगे और डिजिटल माध्यम से आसानी से भुगतान कर पाएंगे। इससे समय की बचत होगी और कागजी कार्यवाही में कमी आएगी।

निवाड़ी के जंगल में बड़े पैमाने पर गोकशी, हिंदू संगठनों का फूटा गुस्सा

कौमी पत्रिका

मोदीनगर। निवाड़ी स्थित गांव सारा के जंगल में बृहस्पतिवार सुबह ईख के दो अलग-अलग खेतों और नाले के पास बड़ी संख्या में गोवंशों के अवशेष मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सात से अधिक गोवंशों के अवशेष देख हिंदू संगठनों और ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। गुस्साए लोगों ने गोकशों के एनकाउंटर की मांग को लेकर मोदीनगर-सारा मार्ग पर अवशेष रखकर जाम लगा दिया। करीब ढाई घंटे तक हंगामा चलता रहा। स्थिति को काबू में करने के लिए निवाड़ी, मोदीनगर, मुरादनगर, भोजपुर और मसूरी थानों की पुलिस को मौके पर बुलाना पड़ा। बृहस्पतिवार सुबह करीब 8 बजे गांव सारा के कुछ ग्रामीण जंगल की तरफ गए थे। वहां ईख के खेतों और नाले के आसपास गोवंशों के सिर, खाल, पैर और अन्य अवशेष बिखरे पड़े थे। गोकशी की सूचना आग की तरह फैली और कुछ ही देर में बजरंग दल के जिला संयोजक निशांत त्यागी, हिंदू जागरण मंच के पंकज कंसल और गोरक्षा दल के पदाधिकारी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके का दृश्य देख लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी शुरू कर दी। आरोप लगाया कि निवाड़ी क्षेत्र में आए दिन गोकशी हो रही है, लेकिन पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। आक्रोशित लोग गोवंशों के अवशेष एकत्र कर मोदीनगर-सारा मार्ग पर ले आए। इस दौरान पुलिस ने अवशेष हटाने का प्रयास किया तो दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की व नोकझोंक हो गई।6 प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर अवशेष रखकर जाम लगा दिया और धरने पर बैठ गए। उन्होंने पुलिस पर गोकशों से साठगांठ का गंभीर आरोप लगाते हुए संबंधित चौकी प्रभारी को तत्काल निलंबित करने और गोकशों का एनकाउंटर करने की मांग की। सूचना पर एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आंदोलनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। हालात बिगड़ते देख पांच थानों से अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। सुबह 9 बजे शुरू हुआ हंगामा करीब 11ः30 बजे तक चलता रहा। एसीपी ने प्रदर्शनकारियों को समझाते हुए कड़ी कानूनी कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद किसी तरह लोग शांत हुए। हिंदू संगठनों ने प्रशासन को तीन दिन का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि गोकशों का एनकाउंटर नहीं हुआ तो वे निवाड़ी थाने का घेराव करेंगे और आत्मदाह करेंगे। इसके बाद पुलिस ने जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर अवशेषों को दवबा दिया। इस दौरान आकाश अरो ?ा, गुलशन राजपूत, शिवा शर्मा, अनुभव शर्मा, राहुल कुमार, बबली शर्मा, पवन शर्मा, ललित शर्मा, संचित शर्मा, बंटी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे। एसीपी भास्कर वर्मा ने बताया कि निशांत त्यागी की तहरीर पर अज्ञात गोकशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना के खुलासे के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। अवशेषों को विधिवत दफना दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है और जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। बजरंग दल के निशांत त्यागी ने निवाड़ी थाने में दी तहरीर में बताया कि घटनास्थल से बड़ी संख्या में नशे के खाली इंजेक्शन, सिरिंज और गोकशी में इस्तेमाल होने वाले धारदार औजार बरामद हुए हैं। उन्होंने आशंका जताई कि पालतू गोवंशों को नशा देकर काटा गया है। त्यागी का आरोप है कि क्षेत्र में गोकशों का संगठित गिरोह सक्रिय है जो माहौल खराब करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पुलिस की निष्क्रियता से उनका दुस्साहस बढ़ रहा है।

सीएनजी ऑटो में आग लगने से मारे गए चालक की हुई पहचान

गुरुग्राम। सदर थाना क्षेत्र में हंस एन्क्लेव के सामने दिल्ली-जयपुर हाईवे पर 27 अप्रैल रात सीएनजी ऑटो में आग हादसे में जान गंवाने वाले चालक की पहचान यूपी के बदायूं के गोतारा गांव निवासी नन्हे लाल (30) के रूप में हुई है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिवार वालों के बयान दर्ज किए गए हैं। नन्हे लाला बादशाहपुर क्षेत्र में बनी झुग्गियों में रहते थे। उन्होंने ऑटो को खरीदा था। चार दिन से नन्हे लाल से संपर्क नहीं होने के कारण परिवार वाले शुक्रवार को गुरुग्राम पहुंचे और पुलिस से संपर्क किया। परिवार वालों ने बताया कि नन्हे लाल गुरुग्राम में ऑटो चलाते व चार दिन से मोबाइल स्विच ऑफ बता रहा है। इसके बाद नाहरपुर चौकी की पुलिस ने मोर्चरी में ले जाकर मृतक की पहचान कराई। मृतक की पत्नी व भाई ने उसकी पहचान नन्हे लाल के रूप में की। घटना के बाद नाहरपुर चौकी पुलिस ने मृत चालक की पहचान के लिए काफी प्रयास किए थे। इसके लिए सड़कों पर लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ ही ऑटो यूनियनों व चालकों से भी मृत चालक के बारे में जानकारी जुटाई थी।

नाहरपुर पुलिस चौकी प्रभारी और एसआई अनिल ने कहा कि मृत चालक की पहचान होने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। परिवार वालों के बयान दर्ज किए गए हैं। मृतक की पत्नी ने बताया कि रात करीब 11 बजे पति से बात हुई थी, तो वह काफी नशे की हालत में था। इसके बाद पति नन्हे लाल से कोई संपर्क नहीं हुआ तो परिवार वाले गुरुग्राम पहुंचे।

NAME CHANGE
I, Updesh Kumar Khurana S/o - Mam Chand, Add- 453/22, Gali No 13, Near Mata Mandir, Shivji Park, Gurgaon-122001, Have Changed My Name To Updesh Kumar.

NAME CHANGE
I, Kamaljeet Kaur Khurana W/o - Updesh Kumar, Add- 453/22, Gali No 13, Near Mata Mandir, Shivji Park, Gurgaon-122001 Have Changed My Name To Kamaljeet Kaur.

NAME CHANGE
I, Sweta Chauhan/Shweta Chauhan, W/o Pardeep Kumar, R/o House No -7, Village - Wazirpur, District - Gurgaon, Have Changed My Name To Shweta Singh.

NAME CHANGE
I, Aashish Alies Ashish S/O Sushil Kumar R/O H No.-2040,old Anaaj Mandi, Narela, North Weat Delhi - 110040 Have changed my name to Ashish Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Poonam W/O Ashish Mittal R/O H No.-2040,old Anaaj Mandi, Narela, North Weat Delhi -110040 Have changed my name to Poonam Mittal for all future purposes.

NAME CHANGE
It is for general information that I RAIS AHMED S/o SAED AHMED R/o E – 120 , Dakshin Puri ,Dr. Ambedkar Nagar , South Delhi, Delhi - 110062 declare that the name of mine and my father has been wrongly written as RAHIS and SAYED AHAMAD in my 10th and 12th class Education Documents and name of my Father has been wrongly written as S AHMED in my Driving License No. DL03 20050230732. The actual name of mine and my father are RAIS AHMED and SAED AHMED which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as PARAMJEET SINGH alias PARMJIT SINGH alias PARM JIT SINGH alias PARAMJIT SINGH S/o DALJIT SINGH R/o 358 , Gautam Nagar , Andrewsganj S . O , South Delhi, Delhi – 110049 have changed my name and shall hereafter be known as PARAMJIT SINGH .

NAME CHANGE
I hitherto known as RUKHSANA D/o ABDUL REHMAN R/o 2/376 , Block 2 , Dakshinpuri , Pushpa Bhawan S.O , South Delhi , Delhi - 110062 have changed my name and shall hereafter be known as RUKHSANA REHMAN .

NAME CHANGE
I hitherto Known as ALKA D/o MAHABEER SINGH W/o ROHIT PRATAP , Residing at C-36 , Gali No.-3 , North Chhajupur, Indra Niketan, Delhi - 110094 have changed my name and shall hereafter be known as ALKA PRATAP.

NAME CHANGE
I, JADHAV SAVITA VITTHAL, is legally mother of Army No. 2817597X, Rank – Sep, Name – JADHAV VINOD VITTHAL, presently residing at Vill – Rajuri, Post – Rajuri, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413203, have changed my name from JADHAV SAVITA VITTHAL to SAVITA VITTHAL JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 02/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, JADHAV VITTHAL SURYABHAN, is legally father of Army No. 2817597X, Rank – Sep, Name – JADHAV VINOD VITTHAL, presently residing at Vill – Rajuri, Post – Rajuri, Teh – Karmala, Dist – Solapur, State – Maharashtra, Pin – 413203, have changed my name from JADHAV VITTHAL SURYABHAN to VITTHAL SURYABHAN JADHAV for all future purposes. Vide affidavit dated 02/05/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I BALJIT KAUR W/O JOGINDER SINGH R/O W Z - 69 E/2 MEENAKSHI GARDEN TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to BALJEET KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I MANPREET D/O DAVINDER SINGH R/O WZ-170,MUKHARJI PARK TILAK NAGAR DELHI-110018 have changed my name to MANPREET KAUR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I hitherto known as Firoz khan alias Firoz Malik S/O: Bundu Fauji, R/O house No A-5, era garden, near sarasvati lok, noor nagar road, Meerut, Meerut, Uttar Pradesh - 250002, have changed my name and shall hereafter be known as FIROZ KHAN.

NAME CHANGE
I ,Jogendra kumar S/O Mohar Singh, R/O 139, aurangshahpur golabarh, rohta road, Meerut, meerut City, Uttar Pradesh, 250002, have changed the name of my minor son Kaku aged 15 year's and he shall hereafter be known as KARTIK.

NAME CHANGE
I, TAUFIQ AHMED/TOFIQ AHMED S/O ABDUL MASID Residing at HOUSE NO B-7 MAIN ROAD SHASTRI PARK SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to TAUFIQ AHMAD MANSOORI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, No. 14839074H Rank HAV Name MAHESH KUMAR Unit 672 (i) TK TPTR ASC C/O 56 APO presently residing at VILLAGE RAMGARH, POST-CHHARDARD TEH -KOTPUTLY DIST- JAIPUR (RAJASTHAN)-303105 have changed my son's name from MANEESH YADAV to MANISH YADAV for all future purposes. Vide affidavit dated 11.04.2026 Before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, AFROJ BEGUM W/O TAUFIQ AHMAD MANSOORI Residing at HOUSE NO B-7 MAIN ROAD SHASTRI PARK SEELAMPUR, North East Delhi 110053 have changed my name to AFROZ BEGUM for all future purpose.

खोया पाया
जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पति को आवंटित मेरे मकान/ संपत्ति के मूल कागजात खो गए हैं। मकान संख्या बी-2/33, जे जे कॉलोनी, मदनपुर खादर, दक्षिण-पूर्वी दिल्ली, नई दिल्ली 110076 है। मेरा नाम विमला, स्वर्गीय श्री रमेश की पत्नी है और मैं बी-2/33, जे जे कॉलोनी, मदनपुर खादर, नई दिल्ली 110076 की निवासी हूँ।

Name Correction
I MOHAMMED AZIZ S/O MOHMMAD YAHIYA Resident of House No 1010 GALI NO 32 JAFRABAD SEELAMPUR NORTH EAST Delhi 110053 do hereby solemnly affirm and declare as under.That my Passport mention My Father incorrect name is MOHD YAHYA ALVI My Father Correct name MOHMMAD YAHIYA.

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री सुरेन्द्र कुमार पंचाल एवं श्रीमती संतोष कुमारी, ग्राम सराय ख्वाजा, कॉलोनी जिसका नाम अशोका एन्क्लेव एक्सटेंशन नं. III, फरीदाबाद है, में स्थित आवासीय प्लॉट नं. 11, क्षेत्रफल 516.66 वर्ग गज पर निर्मित फ्रीहोल्ड आवासीय इकाई, अर्थात् फ्लैट नं. 11, ग्राउंड फ्लोर (फ्रंट साइड), जिसका कवर क्षेत्रफल 1400 वर्ग फुट है तथा जिसमें छत के अधिकार शामिल नहीं हैं, को श्री सुशांत मिश्रा से खरीदने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के प्रारंभिक मूल स्वामी M/s Greater Ashoka Land & Development Co. (P) Ltd. थे, जिन्होंने दिनांक 14.05.2003 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से यह संपत्ति श्री अश्वनी खोसला को बेची। इसके पश्चात श्री अश्वनी खोसला ने दिनांक 24.03.2011 की विक्रय विलेख के माध्यम से यह संपत्ति श्री चमन लाल खोसला को बेची। तत्पश्चात श्री चमन लाल खोसला ने दिनांक 05.01.2022 को पंजीकृत सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी (GPA), एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत (Will) के माध्यम से यह संपत्ति श्री सुशांत मिश्रा को हस्तांतरित की। अतएव, श्री सुशांत मिश्रा उपरोक्त संपत्ति के स्वामी बताए जाते हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, बंधक, देनदारी, भार अथवा दावे से मुक्त बताई जाती है। कृपया यह भी ध्यान दें कि उक्त संपत्ति को Bajaj Housing Finance Ltd., Gurgaon Branch, Haryana के द्वारा वित्तपोषित (financed) द्वारा किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।
[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, hitherto known as JITENDER MANDAL S/O RAM SEWAK R/O A389, SHAHID SUKHDEV NAGAR, T-HUTS, A-BLOCK, INDL. AREA, WAZIRPUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110052 have changed my name and shall hereafter be known as JITENDER.

NAME CHANGE
I, Manoj Kumar S/O Nempal Singh, R/O House No-1285, Gali No -02, Ramlila Tilla, VTC: Muzaffarnagar, PO: Muzaffar Nagar City, Sub District: Muzaffarnagar, District: Muzaffarnagar, Uttar Pradesh, 251002, have changed the name of my minor son Shagun Kumar aged 6 years and he shall hereafter be known as HRIDYANSH SINGH.

NAME CHANGE
I, SYED AHMED S/O SUBRATI residing at H.No.1374,Gali NO.15,Rajiv Gandhi Nagar,New Mustafabad Delhi-110094, have changed my name to SAEID AHMED

NAME CHANGE
I, IKRAMUDDIN S/O SAEID AHMED, residing at H.No.173/1,Gali NO-2,Old Mustafabad Delhi-110094, have changed my name to MOHD IKRAMUDDIN

PUBLIC NOTICE
THE PUBLIC AT LARGE TAKE NOTICE THAT MY CLIENTS SMT. KRISHNA DEVI AND SH. OMVEER SINGH, R/O PLANT ROAD GALI NO.3, RAMESHWAR MARRIGE HOME, ADARSH COLONY BIHARIPURA, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201009, HEREBY DISINHERIT HER SON PRAVEEN KUMAR AND DAUGHTER-IN-LAW POOJA SINGH W/O SH. PRAVEEN KUMAR FROM ALL THEIR PROPERTIES MOVABLE AND IMMOVABLE BECAUSE OF THEIR BAD CHARACTER AND UNCONTROLLABLE BEHAVIOR. THE SAID PERSONS WOULD THEREFORE BE NO LONGER SON & DAUGHTER-IN-LAW OF MY CLIENTS, THE SAID SON & DAUGHTER-IN-LAW WILL NOT INHERIT ANY PROPERTY OF MY CLIENTS WHILE ALIVE OR AFTER THE DEATH OF MY CLIENTS, MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY QUARREL, CRIMINAL CIVIL CASE, OR OTHER ACTS OF HIS FAMILY MEMBERS AND RELATIVES OR FOR ANY DEBTS INCURRED BY THEM
NITIN HOODA ADVOCATE
CHAMBER NO. 628, 6th FLOOR LAWYER'S CHAMBER BLOCK, DWARKA DISTRICT COURT. SEC-10, NEW DELHI-75

अदालती सूचना
न्यायालय, श्रीमान् सब जज छः गया।
हकियत वाद सं0- 2/2025
ईश्वरी मिस्त्री वगैरह ....वादीगण
बनाम
मदन लाल उर्फ मदन मिस्त्री
वगैरह ....प्रतिवादीगण
नोटिस बनाम
प्रतिवादी सं0 1. मदन लाल उर्फ मदन मिस्त्री, पिता स्व0 बाबु लाल मिस्त्री, निवासी ग्राम-कजुर टोला राजवारा खुर्द, थाना अतरी, जिला गया, 2. श्रवण कुमार पिता स्व0 बाबु लाल मिस्त्री, निवासी ग्राम कजुर टोला राजवारा खुर्द, थाना अतरी, जिला गया, वर्तमान ई0बी0/1 तीसरा तल्ला विजय विहार फेज-01 रोहनीसेक, नई दिल्ली पिन- 110085। वजरिये नोटिस आपलोगों को सुचित किया जाता है कि आपलोगों के विरुद्ध उपरोक्त हकियत वाद मेरे न्यायालय में लाया गया है। आपलोगों के विरूद्ध न्यायालय द्वारा नजारत एवं निबंधित डाक द्वारा सम्मन नोटिस की कारवाई की जा चूकी है। किन्तु आपलोग आज तक उपस्थित नहीं हुचे हैं। अत: दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन के माध्यम से अंतिम सूचना भेजी जा रही है ताकि अगली निर्धारित तिथि को इस हकयत वाद में दिनांक 19-06-26. को 7.30 बजे दिन में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा आपसबों के विरूद्ध हकियत वाद की सुनवाई एकपक्षीय कर ली जायेगी। इसे ताकिद जानें।
आज दिनांक 27-4-26 को को न्यायालय के मुहर एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया जाता है
सब जज छः गया।

NAME CHANGE
I hitherto known as KHUSHBU PREMKISHOR SONI W/o AMIT KUMAR R/o F – 157 S/F Back Side Plot No. – 34 –B – KH NO. – 111/10/1 , Gali No. – 82 , Mahavir Enclave Part - 3 , Uttam Nagar , PO : D.K Mohan Garden , Dist : West Delhi , Delhi – 110059 have changed my name and shall hereafter be known as KHUSHBU SONI

PUBLIC NOTICE
GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT MY CLIENT, SOKET ALI, AGED-62 YRS. S/O LAL MOHMAD AND HIS WIFE NAINA, AGED-50 YRS BOTH R/O A-115 JJ COLONY, DWARKA SEC-1, NEW DELHI-110075, HAVE SEVERED THEIR RELATIONS WITH HIS SON KASIM ALI, AGED-34 YRS, ABOVE MENTIONED ADDRESS DUE TO THEIR SON BAD HABITS, INDECENT BEHAVIOR AND OUT OF CONTROL. MY ABOVE CLIENT HAS ALSO DISOWNED AND DEBARRED HIS SAID SON FROM ALL HIS MOVABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES, ANYBODY DEALING WITH ABOVE SAID SON WILL DO SO AT HIS/HER/THERE OWN RISK, COST AND RESPONSIBILITIES AND MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACT, DEED OR DEALING DONE BY SAID KASIM ALI SON OF SOKET ALI.
SUNIL KUMAR SINGH, ADVOCATE
CH.NO.IT99, WESTERN WING, LAWYERS CHAMBERS. TIS HAZARI COURTS, DELHI

PUBLIC NOTICE
Be it known to all that my client Sh. Vivek Kumar S/o Late Sh. Gajraj Singh R/o F-80, B, Jaitpur Extension, Badarpur, New Delhi-110044 Also At: E-54, Roop Nagar, Jaitpur, New Delhi-110044 has disowned his son namely Yash Kumar @ Yash Gaur, aged 24 years his all movable and immovable property and has disconnected his relations with him due to their ill behaviour towards my client.
RANJIT SINGH Advocate
Chamber No.640, Saket Courts, New Delhi-110017

NAME CHANGE
I Yashpal S/o Rampal Yadav R/o house NO 141 gali no 2 near peer baba kadipur, Kadipur (Part)(105), Basai, Farrukhnagar Gurgaon, Haryana 122006 have changed my name to Yashpal Yadav for all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAJKUMAR S/o MAAN SINGH residing at House No.- 100A ,Old Tejab Mill ,Bhola Nath Nagar, Shahdara,North East Delhi,Delhi 110032 have changed the name of my minor Daughter LAVALI aged 9 years and she shall hereafter be known as LOVELY.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री अनिल पुत्र श्री राज सिंह, निवासी मकान संख्या 472, ग्राम दुहाई, मुरादनगर, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश 201206, एक आवासीय प्लाट संख्या -28, क्षेत्रफल 70 वर्ग गज, खसरा संख्या 105, स्थित पूजा एंक्लेव, ग्राम दुहाई, परगना जलालाबाद, तहसील व जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1425-1430 द्वारा मालिक व काबिज है। जिसके बावत मेरे मुवक्किल ने अपने सगे भाई श्री विजय कुमार को मुख्यारनाम नियुक्त किया है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किल उक्त कथित सम्पत्ति को अपने मुख्यारनाम के द्वारा श्रीमती परी सिंघल पत्नी राहुल सिंघल को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।
रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम, गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE
I, SADIA KHAN/SADIYA KHAN W/O MOHD AAQIL KHAN Residing at D-69 BAND GALI NEAR SAEEDIYA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to SHADIYA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, AAQIL KHAN/AAKIL KHAN S/O SAJID ALI KHAN Residing at D-69 BAND GALI NEAR SAEEDIYA MASJID, CHAUHAN BANGAR SEELAMPUR, North East Delhi, 110053 have changed my name to MOHD AAQIL KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE
It is for general information that I SUNIL KUMAR S/o DEVI SINGH R/o Plot No.– 491 , Sector 3, Kingwood Enclave , Wave City , PO : Adhyatmic Nagar B.O , Dist : Ghaziabad , Uttar Pradesh – 201015 declare that the name of my minor son has been wrongly written as SHAURYA in my minor son namely SHAURYA CHAUDHARY aged 14 years in his School Record and Birth Certificate No. 090271425961. The actual name of my minor son is SHAURYA CHAUDHARY Which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, JC-710661A, Rank-NB SUB Name-BIKASH UPADHYAY Unit ARMY HOSPITAL R&R DELHI CANTT R/o 86 SAWANSA, BAKSHA, JAUNPUR, UTTAR PRADESH-222108, have changed my father's name from MAHENDER KUMAR UPADHYAY to MAHENDRA KUMAR UPADHYAY for all future purposes vide Affidavit dated 02/05/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I BIBHA KUMARI GUPTA W/O SANJAY KUMAR residing at B-38B, Kalyan Kunj, Sector-49, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh- 201301, declare that name of mine and my husband have been wrongly written as BIBHA GUPTA and SANJAY KUMAR GUPTA in my minor daughter's namely AARADHYA GUPTA aged 09 years in her Birth Certificate No. WB_BR_2016/20122/1/12608. The actual name of mine and my husband are BIBHA KUMARI GUPTA and SANJAY KUMAR respectively which may be amended accordingly.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-15488135F, Rank-DFR, Name-GOVIND PATHAK residing at VPO-BERI, BER, DARBHANGA, BIHAR-848213, in my service records, my father's (RAM NARAYAN PATHAK), date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1963 instead of correct date of birth as 01/11/1961, vide affidavit dated 02/05/2026, before Notary Public, New Delhi.

DATE OF BIRTH CHANGE
I, NO-15488135F, Rank-DFR, Name-GOVIND PATHAK residing at VPO-BERI, BER, DARBHANGA, BIHAR-848213, have changed my mother's name from FOOLIDAY DEVI to FUL DEVI for all future purposes, and in my service records, my mother's date of birth is wrongly mentioned as 01/07/1965 instead of correct date of birth as 01/01/1966, vide affidavit dated 02/05/2026, before Notary Public, New Delhi.

NAME CHANGE
I, JYOTHI wife of NO-14661512W, Rank-HAV, Name-JANARDHANA RAO CHITTIRI residing at 2-9, MAIN STREET, ANANDAPURAM, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH-532168, have changed my name from JYOTHI to JYOTHI CHITTIRI for all future purposes, vide Affidavit dated 02/05/2026 before Executive Magistrate, Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I, VIMAL EMMANUEL TYAGI S/o SAMUEL CHANDER PRASAD TYAGI, R/o H NO-575, NEAR JEET RASHAN SHOP, PANA UDYAN, NARELA DELHI-110040, declare that name of mine and my father has been wrongly written as VIMAL E TYAGI and S C PRASAD TYAGI in my Education Document . The actual name of mine and my father is VIMAL EMMANUEL TYAGI and SAMUEL CHANDER PRASAD TYAGI, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा **82 Cr.PC. / 84 BNSS** देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **अमन पांचाल, पुत्रः** विरेन्द्र पांचाल **पताः** म. नंबर 51, कैमराला चक्रसेनपुर, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, यूपी - 203207, ने **CC No: 5121/24, U/s: 138 NI Act, थानाः रुपनगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उन पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **CC No: 5121/24, U/s: 138 NI Act, थानाः रुपनगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **अमन पांचाल,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री अर्जुन किरार
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी (एनआई एक्ट)-05
केंद्रीय, कमरा सं. 2, ग्राउंड फ्लोर,
एनेक्सी 1 भवन, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5792/N/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **बब्लू कुमार** पुत्र श्री राजबीर निवासी मकान नंबर 1260, सेक्टर-3, वसुंधरा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 97/2018 धारा 279/427भा.द.स और 185 एमवी अधिनियम, थाना मौरिस नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **बब्लू कुमार, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 97/2018 धारा 279/427भा.द.स और 185 एमवी अधिनियम, थाना मौरिस नगर, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **सुबह 10:00 बजे** दिनांक **06.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-02
कमरा संख्या 26
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/5668/N/2026

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा के स्कूलों में बुनियादी ढांचे की जांच करेगी सीएम फ्लाइंग

एजेंसी

चंडीगढ़। प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्रवाई करने वाली सीएम फ्लाइंग अब स्कूलों तथा शिक्षा विभाग पर भी नजर रखेगी। स्कूलों में योजनाओं के क्रियान्वयन और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर की हकीकत जानने के लिए सीएम फ्लाइंग स्कवॉड स्कूलों का औचक निरीक्षण करेगी। सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड खामियों की वीडियोग्राफी और फोटो के साथ पूरा डाटा तैयार करेगी। इस डाटा को मुख्यमंत्री नायब सैनी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं, ड्रॉप आउट और शून्य दाखिले सहित कई अन्य मुद्दों पर स्कूल शिक्षा विभाग के निदेशक ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के साथ बैठक की। शिक्षा निदेशक ने स्पष्ट किया कि स्कूलों में संसाधनों, सुविधाओं से लेकर दाखिले लेकर हर स्तर पर जवाबदेही तय होगी। यही नहीं, लापरवाही करने वालों पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी। शिक्षा निदेशक ने वीडियो क्रांफ्रेसिंग के जरिये जिला शिक्षा अधिकारियों को हिदायत दी कि मई माह में सीएम फ्लाइंग स्क्वॉड स्कूलों का औचक निरीक्षण करेगी। सीएम फ्लाइंग टीम में राज्य स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। यदि बुनियादी सुविधाओं में कमी मिली तो संबंधित स्कूल मुखिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। लिहाजा, जमीनी स्तर पर किसी भी तरह की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

करनाल जिले के कोहंड गांव का होगा ड्रोन सर्वे

चंडीगढ़। हरियाणा में पहली बार भूमि उपयोग (ईएलयू यानी एग्जिस्टिंग लैंड यूज) प्लान तैयार किया जाएगा। इसके लिए करनाल जिले के गांव कोहंड में ज़मीन का ड्रोन सर्वे कराया जाएगा। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने इसके लिए एजेंसियों से आवेदन मांगे हैं। इसके तहत करीब 1122.60 हेक्टेयर क्षेत्र का विस्तृत सर्वे कर वर्तमान भूमि उपयोग (ईएलयू यानी एग्जिस्टिंग लैंड यूज) प्लान तैयार किया जाएगा। एजेंसी को ड्रोन के जरिए पूरे क्षेत्र का एरियल सर्वे करना होगा और जीआईएस व ऑटो-कैड प्लेटफॉर्म पर विस्तृत लैंड यूज़ प्लान तैयार करना होगा। इसमें सड़क़ों, रेलवे लाइन, बिजली लाइनों, भवनों, पानी के स्रोतों, सरकारी जमीन व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर की सटीक मैपिंग शामिल होगी। सर्वे में पक्की-कच्ची सड़क़ें, नहरें, नाले, तालाब, पेड़-पौधे, बाउंड्री वॉल, बिजली के पोल, पाइपलाइन जैसी सभी भौतिक संरचनाओं को चिह्नित किया जाएगा। चयनित एजेंसी को वर्क ऑर्डर मिलने के दो दिन के भीतर काम शुरू करना होगा और पूरा सर्वे एक महीने के अंदर खत्म करना अनिवार्य होगा। अगर एजेंसी तय समय में काम पूरा नहीं करती, तो उस पर 5 से 15 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। 60 दिन से अधिक देरी होने पर कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर एजेंसी को ब्लैकलिस्ट भी किया जा सकता है।

हरियाणा के आठ विभागों में ढाई हजार पटवारियों को मिलेगी तैनाती

चंडीगढ़। हरियाणा में ढाई हजार नए पटवारियों की तैनाती होगी। इससे आम जनता को भारी लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार ने नए चुने गए पटवारियों को नौकरी के लिए आठ विभागों का विकल्प दिया है। सभी नवचयनित पटवारी अपनी प्राथमिकता सरकार को भेजेंगे। हरियाणा के रोहतक, झज्जर, सोनीपत इन जिलों में सबसे ज्यादा पटवारियों की कमी है। इस कारण से राजस्व-बहुल और शहरीकरण वाले इन क्षेत्रों में इंतकाल और पैमाइश के हजारों मामले लंबित हैं। नवनियुक्त पटवारियों से राजस्व विभाग के अलावा कंसोलेटेडेशन ऑफ होल्डिंग्स डिपार्टमेंट, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग, वन विभाग, नगर निगम गुरुग्राम, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, शहरी स्थानीय निकाय विभाग व लोक निर्माण विभाग में तैनाती का विकल्प पूछा गया है। नए पटवारियों की अगले हफ्ते नियुक्ति के ऑर्डर कर दिए जाएंगे। भू अभिलेख निदेशक डॉ. यशपाल ने बताया कि सबसे पहले खाली पदों को भरा जाएगा। इसके अलावा 1500 पटवारियों के लिए राजस्व विभाग में नियुक्ति दी जाएगी। बताया कि इन पटवारियों की सर्वाधिक स्वामित्व वाले क्षेत्र, लाल डोरा से संबंधित कार्यों के लिए तैनाती की जाएगी। करीब ढाई महीने में नए पटवार सर्कल भी बन जाएंगे।

सोनीपत में हड़ताल से सफाई कार्य ठप, चुनाव बहिष्कार चेतावनी

सोनीपत। नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर सोनीपत, गोहाना और खरखौदा में सफाई कर्मचारियों व फायर ब्रिगेड कर्मियों की संयुक्त हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल के कारण कूड़ा उठान पूरी तरह बंद हो गया और शहरों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए जिससे आमजन को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारियों ने नगर निगम और नगर परिषद कार्यालयों के बाहर धरना देकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले न्यूनतम वेतन लागू करने पर सहमति दी थी, लेकिन अभी तक इसे लागू नहीं किया गया। कर्मचारियों की मुख्य मांग न्यूनतम वेतन तीस हजार रुपए तय करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने, ठेकेदारी प्रथा समाप्त करने और पुरानी पेंशन योजना लागू करने की है। कर्मचारियों का कहना है कि दिसंबर 2025 को हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद नियम लागू नहीं किए गए उनका आरोप है कि कानूनी आदेशों की अनदेखी कर कर्मचारियों के अधिकार दबाए जा रहे हैं।

आर्थिक विकास के साथ-साथ आध्यात्मिक मूल्यों को भी सशक्त कर रही सरकारः मुख्यमंत्री

एजेंसी

रेवाड़ी । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा संतों और वीरों की भूमि है, जिसकी संस्कृति में सेवा, त्याग और धर्म का विशेष स्थान है। हरियाणा सरकार अपनी संस्कृति के अनुरूप प्रदेश में आर्थिक विकास के साथ-साथ सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों को भी सशक्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह बात रेवाड़ी के गोकलपुरा शिव मंदिर आश्रम में आयोजित एक कार्यक्रम में शिरकत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक व आध्यात्मिक मूल्यों के विकास के लिए सरकार द्वारा प्रदेशवासियों को तीर्थस्थलों की यात्रा करवाने सहित अन्य कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गोकलपुरा का प्राचीन शिव मंदिर आश्रम हमारी सनातन संस्कृति, आस्था और परंपराओं का जीवंत केंद्र है। महाभारत काल में निर्मित हुआ यहां का प्राचीन शिव मंदिर हमारे गौरवशाली

अतीत का साक्षी है। उन्होंने आश्रम में करवाए जा रहे तीन दिवसीय महारूद्री यज्ञ और विशाल भंडारे के आयोजन की सराहना करते हुए इसे समाज को जोड़ने वाला तथा सेवा व समर्पण का प्रतीक बताया। उन्होंने स्वामी धीरज गिरी महाराज द्वारा चलाए जा रहे पशु अस्पताल व गौसेवा के कार्यों, गरीब व बेसहारा कन्याओं के विवाह तथा गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों को भी मानवता की सच्ची सेवा बताते हुए उनकी सराहना की।

नायब सिंह सैनी ने बताया कि 2014 में जब हरियाणा में भाजपा सरकार बनी थी, तब गौसेवा व गौ-संरक्षण के लिए दो करोड़ रुपये का बजट था। जिसे बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में गौवंश के संरक्षण के लिए गौशालाओं व नंदीशालाओं को निरंतर आर्थिक मदद दी जा रही है। उन्होंने स्वामी धीरज गिरी महाराज से आग्रह किया कि वे आश्रम द्वारा संचालित गौशाला का पंजीकरण करवाएं, ताकि गौशाला को सरकारी मदद दी जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में भंडारा सेवा, समर्पण और समानता का जीवंत प्रतीक है। भंडारे की परंपरा हमें 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना से भी जोड़ती है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद से श्री नरेंद्र मोदी सनातन धर्म का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने लंबे संघर्ष, त्याग और बलिदान के बाद 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कर करोड़ों देशवासियों का संकल्प पूरा किया।

अपने दूसरे दीक्षांत समारोह के लिए तैयार हो रही सुपवा

एजेंसी

चंडीगढ़। दादा लख्मी चंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स (डीएलसीसुपवा) के दूसरे दीक्षांत समारोह की तैयारियां अंतिम दौर में पहुंच गई हैं। यूनिवर्सिटी के कुलगुरु डॉ. अमित आर्य व रोहतक के एडिशनल एसपी आयुष यादव ने तैयारियों व सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया और तैयारियों को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। समारोह के दौरान अलग-अलग सत्र में ग्रेजुएट व पोस्ट ग्रेजुएट हुए 760 छात्रों को डिग्री दी जाएगी। डीएलसीसुपवा में 4 मई को दूसरा दीक्षांत समारोह आयोजित होने जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति व प्रदेश के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष करेंगे। वहीं, प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे और शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा विशिष्ट अतिथि रहेंगे। राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष रविवार को ही यूनिवर्सिटी में पहुंच जाएंगे और यहां पर आयोजित होने वाली प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे। रविवार रात को यूनिवर्सिटी में ठहरेंगे और सोमवार सुबह दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेंगे। आयोजन में किसी तरह की कोई कमी न रह जाए, इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रबंधन जरूरी प्रोटोकॉल के हिसाब से तैयारियों को पूरा करने में लगा हुआ है। कुलगुरु डॉ अमित आर्य ने तैयारियों का पूरा जायजा लिया और तैयारियों में लगे स्टाफ सदस्यों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। उनके साथ रोहतक के एडिशनल एसपी आयुष यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर सभी तरह की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कुलगुरु के साथ पूरे यूनिवर्सिटी परिसर व आयोजन स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान वीआईपी एंट्री व एग्जिट, उनके ठहरने, पार्किंग व सुरक्षा संबंधित अन्य मुद्दों पर उन्होंने यूनिवर्सिटी प्रबंधन के साथ विस्तार से चर्चा की।

निजी स्कूलों ने आरटीई में खाली सीटों के अनुसार नहीं दिया दाखिला

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के निजी स्कूलों द्वारा आरटीई के तहत 60 हजार खाली सीटों का ऐलान किए जाने के बावजूद अभी तक 21 हजार विद्यार्थियों को ही मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूलों में दाखिला मिल सका है। प्राथमिक शिक्षा निदेशालय ने प्राइवेट स्कूल संचालकों को निर्देश दिया है कि वे पात्र आवेदकों को 10 दिनों के भीतर प्रवेश दें। रिपोर्ट के अनुसार, स्कूलों द्वारा 60,400 से अधिक सीटें उपलब्ध कराई गई थी, जिनके लिए 31 हजार से ज्यादा आवेदन प्राप्त हुए थे। सत्यापन के बाद, हरियाणा के निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों में 21 हजार 752 बच्चों को प्रवेश आवंटित किए गए हैं। इनमें से कुल 10 हजार 880 सीटें नर्सरी में, 1,280 से अधिक सीटें एलकेजी में, 1,900 से अधिक सीटें यूकेजी में और 7,680 सीटें कक्षा 1 में आवंटित की गई हैं। निदेशालय ने स्कूलों को आरटीई के माध्यम से आवंटित छात्रों के प्रवेश को गंभीरता से लेने का निर्देश दिया है। स्कूलों को प्रवेश प्रक्रिया में देरी नहीं करनी चाहिए और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग और वंचित वर्ग श्रेणी के पात्र छात्रों का प्रवेश पूरा करना चाहिए। यह सुनिश्चित करते हुए कि आरटीई के तहत आवंटित किसी भी पात्र बच्चे को वैध कारणों के बिना प्रवेश से वंचित न किया जाए। दाखिला प्रक्रिया 9 मई तक पूरी की जानी है। विद्यालय स्तरीय समितियों को निर्देश दिया गया है कि वे डाक्यूमेंट वेरिफिकेशन पहले से तय आधारों पर करें, जिनमें यह शर्त भी शामिल है कि आवेदक हरियाणा का निवासी हो और उसके पास वैध निवास प्रमाण पत्र हो। इसके अलावा 0-1 किमी या 1-3 किमी के दायरे में आना चाहिए, जैसा कि पड़ोस के मानदंडों के तहत आवंटन में निर्धारित है।

जिला को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी विभाग मिलकर करें कामः सुशील कुमार

एजेंसी

कैथल। जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। एडीसी सुशील कुमार ने स्पष्ट कहा कि इस अभियान में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी ने पुलिस व संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित स्थानों पर नियमित जांच अभियान चलाया जाए। उन्होंने नशे के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में गश्त बढ़ाने और पुराने व परित्यक्त भवनों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि

कहीं नशे से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी मिले तो बिना डर प्रशासन को सूचित करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी। एडीसी ने नगर परिषद व नगर पालिकाओं को पुराने भवनों की सूची तैयार कर उन पर नजर रखने को कहा। वहीं, जिला ड्रग कंट्रोलर को मेडिकल स्टोर्स की सख्त जांच करने, बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयों की बिक्री रोकने और सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की नियमित जांच सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान पुलिस की उपस्थिति भी अनिवार्य करने को कहा गया। बैठक में डीएसपी सुशील प्रकाश ने पुलिस विभाग द्वारा की जा रही कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत की।

एडीसी ने जिला न्यायवादी को नशे से जुड़े मामलों की प्रभावी पैरवी करने के निर्देश दिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके और पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। इस दौरान जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम संजय कुमार, डीएसपी सुशील प्रकाश, सीएमओ डॉ. रेणु चावला सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ट्रेन विस्तार से यात्रियों को बड़ी राहत, सरकार वादों पर खरी उतर रही है : गौरव गौतम

एजेंसी

पलवल। 'चुनाव के समय जनता से किया गया वादा अब ज़मीन पर उतरता दिख रहा है। सरकार अपने संकल्पों को पूरी ईमानदारी के साथ पूरा कर रही है,' यह बात हरियाणा के खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कही।

उन्होंने कहा कि पलवल से 2 ट्रेनों को 64016/64019 को मथुरा और 64082/64051 को कोसी कला तक लोकल ट्रेनों के विस्तार से क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिली है, विशेषकर शाम के समय यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों को अब काफी सुविधा होगी। हरियाणा के खेल एवं कानून मंत्री गौरव गौतम ने केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात कर बताया कि इन ट्रेनों के संचालन से पलवल, कोसी कला सहित आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली और गाजियाबाद जाने में सीधा लाभ मिलेगा, जिससे उनका समय बचेगा और आवागमन पहले से अधिक सुगम होगा।

अब लंबी दूरी की ट्रेनों का भी

पलवल में होगा ठहराव

उन्होंने आगे कहा कि दैनिक यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए लंबी दूरी की ट्रेनों के ठहराव की मांग पर भी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है और इसे भी जल्द पूरा करने का प्रयास किया जाएगा।

सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ-साथ किए गए वादों को भी पूरा करने में लगी

मंत्री गौतम ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल घोषणाएं करना नहीं, बल्कि उन्हें धरातल पर उतारना है। इसी दिशा में प्रदेश में परिवहन, सड़क, खेल और अन्य जनसुविधाओं के क्षेत्र में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं, जिससे आमजन को सीधा लाभ मिल रहा है।

उन्होंने विश्वास दिलाया कि सरकार भविष्य में भी जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने के लिए प्रतिबद्ध है और विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि इन ट्रेनों के संचालन से पलवल, होडल, कोसी कला और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली व गाजियाबाद तक आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी, जिससे दैनिक यात्रियों का समय और परेशानी दोनों कम होंगे।

रतिया के पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा की 'घर वापसी, थामा भाजपा का दामन

एजेंसी

फतेहाबाद। जिले की राजनीति में दल-बदल का दौर जारी है। इसी कड़ी में रतिया विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने एक बार फिर भारतीय जनता पार्टी में वापसी कर ली है। हिसार के उकलाना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान नापा ने विधिवत रूप से भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ोली व फतेहाबाद जिलाध्यक्ष प्रवीन जोडा की उपस्थिति में लक्ष्मण नापा ने पार्टी का पटका पहनकर अपनी पुरानी पारी की शुरुआत की। लक्ष्मण नापा के साथ ओड सभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष डा. रणजीत ओड व सुरेन्द्र कुमार बिश्नोई ने भी भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर बड़ोली ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि लक्ष्मण नापा के आने से न केवल रतिया बल्कि आसपास के क्षेत्रों में भी पार्टी को मजबूती मिलेगी। पूर्व विधायक लक्ष्मण नापा ने कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित हैं और इन्हीं नीतियों के चलते वह दोबारा से भाजपा में आए हैं। सूत्रों के अनुसार, नापा के समर्थक लगातार उन पर वापस भाजपा में जाने का दबाव बना रहे थे। नापा ने अपनी वापसी को 'घर वापसी करार दिया और कहा कि वे वैचारिक रूप से हमेशा भाजपा के साथ रहे हैं। अक्टूबर 2024 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने रतिया सीट से लक्ष्मण नापा का टिकट काट दिया था। पार्टी ने उनकी जगह पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल को मैदान में उतारा। टिकट कटने से नाराज होकर नापा ने बगावती रुख अपनाया और चुनाव से ठीक पहले भाजपा को अलविदा कह दिया था।भाजपा छोड़ने के बाद लक्ष्मण ने पूर्व मु यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा की उपस्थिति में कांग्रेस का हाथ थामा था। कयास लगाए जा रहे थे कि कांग्रेस उन्हें चुनावी मैदान में उतारेगी या उन्हें कोई बड़ी जि मेदारी देगी, लेकिन समय के साथ समीकरण बदले और वे कांग्रेस में खुद को असहज महसूस करने लगे।

हरियाणा के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात, राज्य के विकास और भविष्य की शिक्षा पहलों पर हुई चर्चा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान हरियाणा की प्रथम महिला श्रीमती मित्रा घोष और राज्यपाल के निजी सचिव श्री शंख चटर्जी भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने हरियाणा के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री के निरंतर समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य की प्रगति, चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं और अन्य प्रमुख विकास कार्यों से अवगत कराया। राज्यपाल ने भविष्य उन्मुख विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली की अवधारणा पर भी चर्चा की जिसमें आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस अवसर पर श्री शंख चटर्जी ने राज्यपाल और

प्रथम महिला के साथ प्रधानमंत्री को अपनी दो लिखित पुस्तकें भेंट कीं। ये पुस्तकें 'अद्वैत वेदांतः एक अनोखा दर्शन' और 'सामाजिक दृष्टिकोण में धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' जिनका हाल ही में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंदर सिंह कल्याण की उपस्थिति में विमोचन किया गया था।

मुख्यमंत्री ने रेवाड़ी में खत्म करवाया धरना, 200 बेड के अस्पताल और आयुर्वेदिक कॉलेज का आश्वासन

एजेंसी

रेवाड़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक बार फिर यह साबित किया कि उनकी कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। रेवाड़ी दौरे के दौरान उन्होंने एनएच-71 के निकट गांव रामगढ़ भगवानपुर में 17 जून 2025 से चल रहे धरने को मौके पर पहुंचकर समाप्त करवाया। मुख्यमंत्री ने धरनारत लोगों से सीधे संवाद करते हुए आश्वासन दिया कि गांव के पास उपयुक्त भूमि उपलब्ध होने पर 200 बिस्तरों का आधुनिक अस्पताल और आयुर्वेदिक कॉलेज स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही गांव में एक आधुनिक खेल स्टेडियम और जलघर के निर्माण का भी आश्वासन दिया। उल्लेखनीय है कि संघर्ष समिति के सदस्य पूर्व में चंडीगढ़ स्थित मुख्यमंत्री आवास संत कबीर कुटीर में मुख्यमंत्री से मिले थे। उस समय मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया था कि वे रेवाड़ी दौरे के दौरान स्वयं आकर उनकी समस्याओं का समाधान करेंगे। मुख्यमंत्री ने आज अपना वादा पूरा करते हुए लोगों का विश्वास मजबूत किया। इस मौके पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने भी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अहीरवाल के लिए जितने हितैषी मंत्री नायब सिंह सैनी हैं उतना कोई नहीं। मुख्यमंत्री की कलम से आप लोगों की भलाई के कार्य ही होंगे।

महिला जनप्रतिनिधियों को एचपीवी टीकाकरण के प्रति किया जागरूक

एजेंसी

फर्रुखनगर। स्वास्थ्य विभाग गुरुग्राम द्वारा खंड फर्रुखनगर की महिला सरपंचों व महिला पंचों के लिए एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) टीकाकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय फर्रुखनगर में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. जे.पी. राजलीवाल ने बताया कि देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री द्वारा 28 फरवरी 2026 को किया गया है। इसका उद्देश्य किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाना है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की किशोरियां टीकाकरण के लिए पात्र हैं। डॉ. राजलीवाल ने जानकारी दी कि ह्यूमन पैपिलोमा वायरस महिलाओं के प्रजनन तंत्र को प्रभावित करता है और यही सर्वाइकल कैंसर का मुख्य कारण है। भारत में यह दूसरा सबसे आम कैंसर है, जिससे बचाव के लिए टीकाकरण सबसे प्रभावी उपाय है। उन्होंने बताया कि यह

टीका विश्व के 160 से अधिक देशों में उपयोग किया जा रहा है और पूरी तरह सुरक्षित व प्रभावी है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले इसकी कीमत अधिक होने के कारण यह केवल निजी अस्पतालों में उपलब्ध था, लेकिन अब गुरुग्राम जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, उपमंडलीय नागरिक अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर यह टीका निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान कैपड एनजीओ के प्रतिनिधि रवि सिसोदिया ने भी सर्वाइकल कैंसर और उसके बचाव में टीकाकरण की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फर्रुखनगर की प्रवर चिकित्सा अधिकारी डॉ. कृष्णा मलिक ने सभी जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों व अभिभावकों से अपील की कि वे बिना किसी डर या भ्रम के पात्र किशोरियों को टीका लगवाएं और अफवाहों पर ध्यान न दें।

ठेका कर्मियों को रेगुलर करने की मांग को लेकर बिजली कर्मचारियों की बैठक, 20 मई को बिजली मंत्री के आवास पर करेंगे विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

तावडू। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के बेनर तले 20 मई को ठेका कर्मियों को रेगुलर करने की मांग को लेकर बिजली मंत्री अनिल विज के अंबाला कैंप आफिस पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। इसकी तैयारियों को लेकर सोहना सब डिवीजन पर कर्मचारियों की कन्वेंशन का आयोजन किया गया। इस बैठक में तावडू सब यूनिट के कर्मचारियों ने भी भाग लिया। कन्वेंशन की अध्यक्षता यूनिट प्रधान विजय पाल ने की। यूनिट सचिव अजीत द्वारा संचालित इस बैठक में ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के राज्य चेयरमैन देवेंद्र हुड्डा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शब्बीर अहमद गनी, उपाध्यक्ष सुदाम पाल,सरोज दहिया, जितेंद्र तेवतिया, सचिव राजन वर्मा, संजय सैनी,सीसी सदस्य करतार सिंह, सर्कल सचिव अमरजीत जाखड़, कृष्ण कुमार कलीराम, रामचरण पुष्कर, रिटायर कर्मचारी संघ से ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के पूर्व चेयरमैन देवी सिंह पवार, पूर्व उपाध्यक्ष सुरेंद्र मलिक, एसकेएस ब्लॉक प्रधान प्रेमपाल, यूनिट कमेटी के नेता सतबीर यादव वरिष्ठ उपप्रधान, वीरेन्द्र नरवाल उपप्रधान, देशराज, कैशियर,संगठन सचिव मनोज , जवाहर सिंह आदि मौजूद रहे। बैठक में 20 मई के प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर शामिल होने का फैसला लिया गया। ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के राज्य चेयरमैन देवेंद्र सिंह हुड्डा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि बिजली निगमों में करीब 16 हजार से ज्यादा ठेका कर्मचारी काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय हाईकोर्ट के फैसले के बावजूद ठेका कर्मचारियों को पक्का नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एचकेआरएन की नोटिफिकेशन के बिंदु 8.1 के अनुसार एचकेआरएन में पोर्ट होते समय उस पद की शैक्षणिक योग्यता में अगर कोई कमी है और अगर कर्मचारी के पास तीन साल का अनुभव है तो, शैक्षणिक योग्यता में छूट दी जा सकती है। लेकिन इसके बावजूद कुछ कर्मचारियों को जानबूझकर परेशान किया जा रहा है।

नए स्क्रैप नियमों से ऑटो उद्योग को 2026 में 25,000 करोड़ के नुकसान की आशंका

कंपनियों को पिछले दशकों के वाहनों की ईपीआर देनदारी के लिए करना होगा बड़ा बजटीय प्रावधान

नई दिल्ली।

भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ का बड़ा वित्तीय झटका लग सकता है। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक नए प्रावधान ने उद्योग की चिंता बढ़ा दी है, जिसके तहत वाहन निर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा। उद्योग अधिकारियों के अनुसार यह समस्या जनवरी 2025 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचित नियमावली के नियम 4 (6) से उपजी है। यह नियम कहता है कि यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो उसे परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए सभी वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा। यह प्रावधान शुरू में सीधा-सादा लग सकता था, लेकिन ऑडिटरों द्वारा इसकी गंभीरता की ओर इशारा करने पर वाहन विनिर्माता सकते में आ गए। एक प्रमुख उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह नियम लेखा मानक इंड एएस एएस 37 - प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति को सीधे सक्रिय करता है। इसका सीधा अर्थ है कि वाहन निर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की अनुमानित लागत हेतु बड़ा वित्तीय प्रावधान करना होगा। एक अन्य उद्योग अधिकारी ने स्पष्ट किया कि भले ही कंपनियों का बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, यह नियम उन्हें ऐसे प्रावधान करने पर मजबूर करेगा, जिससे बड़ी धनराशि फंस जाएगी और उनका लाभ बुरी तरह प्रभावित होगा। यह स्थिति उद्योग के वित्तीय स्वास्थ्य के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है। इस गंभीर चिंता को लेकर उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष अपनी बात रखी है। उद्योग के विशेषज्ञों का मानना है कि एक बार जब कंपनियों के बहीखातों में ये बड़े प्रावधान दर्ज हो जाएंगे, तो वित्त वर्ष 2025-26 में पूरे भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग का लाभ काफी कम हो जाएगा, जिससे क्षेत्र के विकास और निवेश पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

रेडिसन भारत में बढ़ाएगा होटल चेन, 2026 तक 160 का लक्ष्य

2030 तक 500 होटलों का लक्ष्य, मेट्रो शहरों में देखी जा रही हल्की सुस्ती

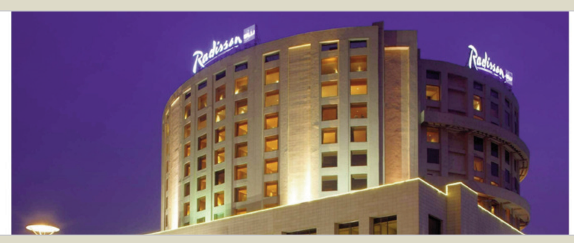

नई दिल्ली ।

वैश्विक आतिथ्य श्रृंखला रेडिसन होटल ग्रुप भारत में अपने परिचालन का तेजी से विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने दिसंबर 2026 तक देश में अपने परिचालन वाले होटलों की संख्या 157-160 तक और कमरों की संख्या 19,000-19,500 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। समूह 2030 तक भारत में 500 होटलों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। वर्तमान में रेडिसन भारत में 142 होटलों (17,000 कमरों) का संचालन करता है, जबकि 84 अन्य निर्माणाधीन हैं। कंपनी के दक्षिण एशिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य परिचालन अधिकारी के मुताबिक इस साल 18 और होटल खुलने से 2,000-2,500 अतिरिक्त कमरे जुड़ेंगे। मांग के माहौल पर उन्होंने पश्चिम एशिया संकट के मिश्रित प्रभावों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रमुख शहरी बाजारों में कुछ सुस्ती देखी गई, लेकिन टियर-2 और टियर-3 शहरों पर इसका ज्यादा असर नहीं पड़ा। मार्च में कुछ चुनिंदा महानगरों में प्रति उपलब्ध कमरे के राजस्व में 27-28 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सुधार का आकलन करने के लिए अप्रैल के रुझान महत्वपूर्ण होंगे।

विधानसभा चुनाव और कच्चा तेल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे

पांच राज्यों के चुनावी नतीजों पर रहेगी निवेशकों की पैनी नजर, तिमाही नतीजे भी बाजार को देंगे दिशा

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों की दिशा मुख्य रूप से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान व्यक्त किया है कि ये दोनों कारक मिलकर निवेशकों की धारणा और बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में मुख्य रूप से दो बड़े घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी - पहला, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम और दूसरा, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। सोमवार, 4 मई से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि सबसे तात्कालिक कारक इन चुनावों के परिणाम होंगे। निवेशक विशेष रूप से यह देखने में उत्सुक हैं कि क्या केंद्र में सत्ताधारी दल पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनौती दे पाता है और उन राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में सार्थक पैठ बना पाता है जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस समय सीमित उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल सबसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक कारक बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें रुपये पर दबाव डालती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन तथा राजकोषीय गतिशीलता पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह जारी होंगे, जिनमें एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (4 मई), सेवा और कंपोजिट पीएमआई (6 मई) और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े (8 मई) शामिल हैं। अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो जैसी प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे, जो निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

सीआईएल-सैम को जयपुर मेट्रो से 918 करोड़ का ऑर्डर मिला

नई दिल्ली ।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी सीगल इंडिया लिमिटेड के संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (जेएमआरसी) से 918.04 करोड़ रुपये का एक महत्वपूर्ण ऑर्डर मिला है। यह अनुबंध जयपुर मेट्रो के फेज-2 विस्तार के डिजाइन और निर्माण कार्यों से संबंधित है। सीगल इंडिया ने रविवार को बताया कि उसके संयुक्त उद्यम सीआईएल-सैम इंडिया को यह ठेका दिया गया है। इसमें जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत 10.8 किलोमीटर के ऊंचे वायडक्ट और दस एलिवेटेड मेट्रो स्टेशनों का डिजाइन व निर्माण शामिल है। सीआईएल-एसएएम इंडिया में सीगल इंडिया की 74 फीसदी और सैम इंडिया बिल्टवेल प्राइवेट लिमिटेड की 26 फीसदी हिस्सेदारी है। परियोजना की कुल बोली लागत 918.04 करोड़ रुपए (18 फीसदी जीएसटी सहित) है, जिसे 34 महीने की समय सीमा में पूरा किया जाना है।

केंद्र की हरी झंडी, 37,500 करोड़ से कोयला गैसीकरण को मिलेगा बंपर प्रोत्साहन

स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, आयात निर्भरता घटाने और आत्मनिर्भरता बढ़ाने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली।

द्रीय मंत्रिमंडल जल्द ही कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए एक बड़ी प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दे सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस योजना का वित्तीय परिव्यय 37,500 करोड़ रुपये होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और देश की आयात निर्भरता को कम करना है। सूत्रों के अनुसार, कोयला मंत्रालय ने इस योजना का कैबिनेट नोट पहले ही तैयार कर लिया है। प्रस्तावित योजना का मकसद देश भर में सतह कोयला और लिग्नाइट गैसीकरण परियोजनाओं में तेजी लाना है। इसका लक्ष्य एलएनजी, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, अमोनिया, कोकिंग कोल, मेथनॉल और डीएमई जैसी महत्वपूर्ण वस्तुओं पर आयात निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही यह ईंधन और रसायनों के उत्पादन के लिए घरेलू कोयला और लिग्नाइट संसाधनों के उपयोग को बढ़ाएगा, जिससे 2030 तक 10 करोड़ टन कोयला गैसीकरण क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह एक एकीकृत योजना है जिसमें कोई श्रेणी नहीं है, और एक एकल परियोजना के लिए अधिकतम 3,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। गौरतलब है कि पिछली प्रोत्साहन योजना में निजी क्षेत्र को अधिकतम 1,000 करोड़ रुपये और पीएसयू को 1,350 करोड़ रुपये प्रति परियोजना दिए जाते थे।

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में तेजी का रुख, सरसों-पाम ऑयल उछले, मूंगफली फिसली

सस्ती सरसों की मांग बढ़ी, औद्योगिक मांग से पाम तेल मजबूत, सरकार को स्टॉक बनाने की सलाह

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। सस्ते भाव और बढ़ी मांग के चलते यह तेजी आई। हालांकि, ऊंचे भाव के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन तेल स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सोयाबीन तेल से सस्ता होने के कारण सरसों तेल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, खासकर कम आय वर्ग में। समीक्षाधीन सप्ताह में आवक कम रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम सुधर गए। हालांकि, विशेषज्ञों ने बढ़ती खपत पर चिंता जताते हुए सरकार को सरसों का बफर स्टॉक बनाने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में कमी से बचा जा सके। सटोरियों की सक्रियता पर भी नजर रखने को कहा गया है। सोयाबीन तिलहन में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सुधार आया, लेकिन आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल स्थिर रहा। दूसरी ओर, ऊंचे दामों के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। सरकार को मूंगफली और सोयाबीन का भी स्टॉक बनाने की सलाह दी गई है। सरकार द्वारा आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि और गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चा पामतेल और पामोलीन के दाम भी बढ़े। उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 160 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.20 लाख करोड़ बढ़ा

भारती एयरटेल, टीसीएस और बजाज फाइनेंस को फायदा, जबकि कई बैंकों को हुआ नुकसान

मुंबई ।

छुट्टियों के चलते कम कारोबारी सत्रों वाला पिछला सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए मिली-जुली तस्वीर लेकर आया। जहां एक ओर बीएसई सेंसेक्स ने मामूली बढ़त दर्ज की, वहीं देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के बाजार मूल्यांकन में भारी उछाल दर्ज किया गया। इन चार कंपनियों ने संयुक्त रूप से 2.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का बाजार पूंजीकरण जोड़ा, जिसमें दिग्गज रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी लाभार्थी बनकर उभरी। हालांकि, बैंकिंग और कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों की छह कंपनियों को सामूहिक रूप से 1.24 लाख करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का भारी उछाल दर्ज किया गया। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन अकेले 1,39,655.8 करोड़ रुपये बढ़कर 19,36,303.30 करोड़ रुपये पर पहुँच गया, जिससे यह देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही।

भारती एयरटेल ने भी शानदार प्रदर्शन किया, जिसका मूल्यांकन 43,503.51 करोड़ रुपये बढ़कर 11,49,222.13 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और बजाज फाइनेंस भी लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल रहे, जिससे इन चार कंपनियों के संयुक्त मूल्यांकन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। हालांकि, सभी कंपनियों के लिए यह सप्ताह फायदेमंद नहीं रहा। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआइ), आईसीआईसीआई बैंक, लार्सन एंड टुब्रो, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मूल्यांकन में कुल मिलाकर 1.24 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई। आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक 45,364.62 करोड़

रुपये का नुकसान हुआ, जिससे इसका बाजार पूंजीकरण घटकर 9,04,980.78 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एसबीआइ का मूल्यांकन 30,922.57 करोड़ रुपये गिरकर 9,85,829.96 करोड़ रुपये पर आ गया। वर्तमान में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है, जिसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल और भारतीय स्टेट बैंक का स्थान आता है।

डी-मार्ट का मुनाफा 19 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड का मुनाफा सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 प्रतिशत बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह आंकड़ा 14,871.86 करोड़ रुपये था। कंपनी ने अपने तिमाही नतीजों में बताया था` कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में कर पश्चात लाभ (पीटीए) मार्जिन 3.7 प्रतिशत रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में यह 3.7 प्रतिशत था।÷मार्च तिमाही में एवेन्यू सुपरमार्ट्स का कुल खर्च 18.5 प्रतिशत बढ़कर 16,797.86 करोड़ रुपये रहा।

मारुति सुजुकी की रिकॉर्ड बिक्री बाजार हिस्सेदारी 42 फीसदी पहुंची

अप्रैल में 1.91 लाख से अधिक वाहनों की बिक्री

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत दमदार तरीके से की है। कंपनी ने अप्रैल में रिकॉर्ड 1,91,122 इकाइयों की घरेलू बिक्री दर्ज करते हुए अपनी बाजार हिस्सेदारी को पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर लिया है। उद्योग के अनुमानों के मुताबिक, अप्रैल महीने में कंपनी ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि दर्ज की है। यह वृद्धि कंपनी की यात्री कारों के साथ-साथ एसयूवी सेगमेंट के महत्वपूर्ण योगदान से संभव हुई है। मारुति सुजुकी के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि इस प्रदर्शन के साथ कंपनी ने नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है। अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि एसयूवी सेगमेंट ने 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में

141.6 प्रतिशत अधिक है। कंपनी एसयूवी बाजार में भी शीर्ष स्थान के करीब पहुंच गई है। इससे पहले कंपनी की सर्वाधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाई थी।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें नए चार्ज नियम

टियर-2, डॉर्मेंट खातों और विभिन्न निवेश स्कीम्स पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है।

इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डॉर्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के मेंटेनेंस चार्जेस में अंतर था, लेकिन पीएफआरडीए ने अब इन्हें एक समान कर दिया है। इसका अर्थ है कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा। इसका मतलब है कि यदि आपने इक्विटी, कॉर्पोरेट बॉन्ड और सरकारी सिक्योरिटी जैसी विभिन्न स्कीम्स में पैसा लगाया है, तो हर स्कीम पर अलग से मेंटेनेंस चार्ज लग सकता है। इससे उन निवेशकों की कुल लागत बढ़ सकती है जिन्होंने अपने निवेश को कई स्कीम्स में बांट रखा है।

एलपीजी की महंगाई का झटका, दिल्ली के खाने का स्वाद होगा महंगा

- दिल्ली के फूड वेंडर्स बेहाल, रेस्टोरेंट्स रेट बढ़ाने की तैयारी में! छंटनी का भी खतरा

नई दिल्ली ।

दिल्ली के लजीज पकवानों का स्वाद अब महंगा होने वाला है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई रिकॉर्ड 50 प्रतिशत की वृद्धि ने शहर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते कारोबारियों ने मेन्यू कार्ड के दाम बढ़ाने की चेतावनी दी है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। राजधानी के खाद्य व्यापार पर इस वक्त एक तरह का आर्थिक शॉक लगा है, जिसने तंदूर की आंच से ज्यादा व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें गरम कर दी हैं। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक ही बार में 993 रुपये का इजाफा हुआ है, यह बीते तीन महीनों में तीसरी बढ़ोतरी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता इसका मुख्य कारण है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि उद्योग पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहा था, ऊपर से इस भारी इजाफे ने कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी कमी और कालाबाजारी की खबरें हैं। जो सिलेंडर पहले 1,300-1,600 रुपये में मिलते थे, अब खुले बाजार में 3,000-4,000 रुपये में बिक रहे हैं। एक मध्यम आकार का रेस्टोरेंट प्रतिदिन 2 से 5 सिलेंडर का उपयोग करता है, जिससे दैनिक परिचालन लागत हजारों रुपये बढ़ गई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो छोटे ढाबे और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर होंगे, साथ ही बड़े पैमाने पर छंटनी का खतरा भी है।

एक सप्ताह में 24 कैरेट सोना 2,960 और 22 कैरेट 2,850 तक लुढ़का

नई दिल्ली ।

देश के सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने की कीमतों में जोरदार गिरावट दर्ज की गई है, जिसने शादी-ब्याह के सीजन में खरीदारी करने वालों को बड़ी राहत पहुंचाई है। पिछले एक हफ्ते में 24 कैरेट सोना 2,960 रुपए प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है, जबकि 22 कैरेट सोने के दाम में 2,850 रुपए और 18 कैरेट सोने की कीमत में 2,180 रुपए की कमी दर्ज की गई है। इस गिरावट के चलते अब सोना खरीदना पहले से अधिक किफायती हो गया है। रे विवार 3 मई को राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,51,230 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, वहीं 22 कैरेट 1,38,500 और 18 कैरेट 1,13,500 रुपए प्रति 10 ग्राम बिक रहा है। मुंबई, कोलकाता और रायपुर जैसे प्रमुख शहरों में 24 कैरेट सोना 1,50,930 प्रति 10 ग्राम उपलब्ध है, जबकि 22 कैरेट 1,38,350 पर मिल रहा है। हालांकि, चेन्नई में 24 कैरेट सोने का भाव सर्वाधिक 1,52,730 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट सोना 1,51,030 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। बाजार में यह गिरावट हाल की अस्थिरता के बाद आई है। इससे पहले 30 अप्रैल को दिल्ली में 24 कैरेट सोने

की कीमत में करीब 2,000 रुपए की तेजी दर्ज की गई थी, जिसके बाद सोना 1,54,800 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया था। शुक्रवार को मजदूर दिवस और बुद्ध पूर्णिमा के कारण सर्राफा बाजार बंद रहने से कीमतों में स्थिरता बनी रही।

मिनाब 168 : महाशक्ति के पतन का कारण बनती मासूमों की शहादत

तनवीर जाफ़री

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था।

अमेरिका व इस्राईल द्वारा गत 28 फरवरी से ईरान पर किये गये संयुक्त हमलों में हालाँकि ईरान में मरने वालों की संख्या सूत्रों द्वारा अलग अलग बताई जा रही है। परन्तु अनुमानतः इन हमलों में अब तक लगभग 6,000 से भी अधिक ईरानी नागरिकों लोगों के मारे जाने की संभावना है। जबकि लगभग 26,500 से भी अधिक लोगों के घायल होने के आंकड़े सामने आये हैं। परन्तु ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई,अनेक उच्चस्तरीय नेता,अधिकारी व वैज्ञानिकों की हत्या से भी अधिक चर्चा ईरान में हुये जिस एक हमले को लेकर हो रही है वह है दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक प्राइमरी स्कूल पर 28 फरवरी को अमेरिकी वायु सेना द्वारा किया गया वह हमला जिसने हमले के समय स्कूल में पढ़ रहे 168 मासूम बच्चों को शहीद कर दिया। ईरान ने मुख्य रूप से इसी एक हमले को रेखांकित करते हुये विश्वशांति की बात करने वाले अमेरिका को पूरी दुनिया में बेनकाब करने की मुहिम चलाई। इतना ही नहीं बल्कि इसी हमले ने मानवीय संवेदना रखने वाले कई अमेरिकी सांसदों व उच्चाधिकारियों को भी आवाज उठाने को मजबूर किया।

याद कीजिये गत 10 अप्रैल 2026 को जब एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की मध्यस्थता में अमेरिका से बात चीत करने के मकसद से इस्लामाबाद पहुंचा था और अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वार्ता का नेतृत्व कर रहे थे उस समय ईरानी प्रतिनिधिमंडल जिस # मिनाब 168 अंकित विमान में बैठकर इस्लामाबाद आया था उस विमान ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा था। ईरानी स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ, ईरानी विदेश मंत्री अरागची व ईरानी प्रतिनिधिमंडल ने इसी # मिनाब 168 नामक विमान से ही तेहरान से पाकिस्तान की यात्रा की थी। इस विमान में आगे की 168 सीटों पर अमेरिकी हमले में शहीद हुये बच्चों की तस्वीरें रखी गईं। हर सीट पर उनके खून से सने हुये क्षतिग्रस्त स्कूल बैग व शहीद बच्चों के जूते व साथ ही उन्हें श्रद्धांजलि देने हेतु फूल भी रखे गये थे। यह पहला मौका था जबकि ईरान जैसे किसी साहसी देश ने स्वयं को महाशक्ति बताने वाले अमेरिका के वास्तविक क्रूर चेहरे को इस निराले अंदाज से बेनकाब किया था। # मिनाब 168 विमान केवल पाकिस्तान ही नहीं आया बल्कि अरागची 26-27 अप्रैल को इसी विमान पर सवार होकर इस्लामाबाद और ओमान के दौरे के बाद रूस भी पहुंचे। जहां उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से महत्वपूर्ण मुलाकात की।

अमेरिका में भी मिनाब के शहीद मासूमों का खून सर चढ़कर बोलता दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर राष्ट्रपति ट्रंप को राजनीतिक और सड़क स्तर पर भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। डेमोक्रेट्स द्वारा साफ तौर पर इसे गैर जिम्मेदाराना अमेरिकी हमला मानकर ट्रंप प्रशासन से इस हमले की जिम्मेदारी स्वीकार करने की मांग रहे हैं। क्योंकि जांच में अमेरिकी टोमाहॉक मिसाइल इस्तेमाल होने की पुष्टि हो चुकी है। यह मिसाइल केवल अमेरिका के पास ही है। अमेरिकी डेमोक्रेट सांसदों ने पेंटागन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुये रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जवाब भी तलब किया है। इन अमेरिकी सीनेटर्स ने इसे हताहत होने वाला दशकों का सबसे बुरा नागरिक मामला बताया है साथ ही ट्रंप प्रशासन पर अपनी जवाबदेही स्वीकार न करने का भी आरोप लगाया गया है। कई सीनेटर्स तो इसे अमेरिकी सेना की भयानक गलती भी बता रहे हैं। इसी मिनाब घटना को लेकर अमेरिका में कई जगह सड़कों पर भी प्रदर्शन हुये हैं। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर से लेकर सैन फ्रांसिस्को, शिकागो और मिल्वौकी तक में कई जगह में हजारों प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे और उन्होंने हैंड्स ऑफ ईरान के नारे लगाए। यहाँ की कैपिटल हिल पर प्रतीकत्मक रूप से बच्चों के स्कूल बैग रखकर विरोध प्रदर्शन हुआ। इसमें कई डेमोक्रेट सांसद भी शामिल हुये थे। हद तो यह है कि व्हाइट हाउस के बाहर इसी अप्रैल में हुए व्यापक प्रदर्शनों में ट्रंप को युद्ध अपराधी बताकर उसे हटाने की भी जोरदार मांग हुई।

बहरहाल, इस्राईल हो या उसका संरक्षक अमेरिका,इन दोनों ही देशों ने विश्व अनेक देशों में युद्धापराध अंजाम देने के अनेक क्रूरतम इतिहास लिखे हैं। सही मायने में तो युद्धापराध अंजाम देने के यह आदी हो चुके हैं। याद कीजिये 1960-70 के मध्य लंबे समय तक चले वियतनाम युद्ध को। यही अमेरिका है जिसने बड़ी बेरहमी से यहाँ लाखों लोगों की हत्यायें की थीं। इनमें एक दिल दहलाने वाली घटना दक्षिण वियतनाम के माई लाई गांव में हुई थी जहाँ न केवल 500 से अधिक निहत्थे नागरिकों जिनमें महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग शामिल थे की हत्या की गई थी बल्कि उनका सामूहिक बलात्कार किया गया उनके शवों का जलाया गया व अपमान किया गया था। पूरे के पूरे कई गांव जला दिए गये थे। इसी तरह 2003 के ईराक युद्ध के दौरान अबूगरेब जेल में कैदियों की प्रताड़ना के अलावा इराक में कई नागरिक नरसंहार की घटनाएं हुईं। इसी तरह अफगानिस्तान में भी नागरिक हत्या,बलात्कार जैसे कई कारनामे उजागर हुए थे। अमेरिका की तर्ज पर इस्राईल भी लेबनॉन,पश्चिमी किनारे व गजा के इलाकों में मानव नरसंहार के कई इतिहास लिख चुका है। यह तो इतने क्रूर हैं कि भूखे बच्चों को पहले खाने पानी की लालच देकर भीड़ इकट्ठी करते हैं उसके बाद उन मजबूरों को खाना पानी देने के बजाये उनपर बंबारी कर हत्याएं कर देते हैं। इस्राईली प्रधानमंत्री तो इस समय अंतर्राष्ट्रीय अदालत का वांछित मुजरिम भी है।

परन्तु इस बार इनका पाला पड़ा था ईरान में मिनाब के मासूमों से। इनकी चीख पुकार व बद्दुआएं पूरे विश्व में इस कद्र गूँज रही हैं कि मानवीय ह्रदय रखने वाले अमेरिकी भी इस घटना से सदमे में हैं तथा वे यह महसूस कर रहे हैं कि यह घटना कहीं वैश्विक अमेरिकी चौधर के पतन का कारण न बन जाये। तभी ट्रंप प्रशासन इस घटना से पल्ला झाड़ने की असफल कोशिश करता भी दिखाई देता है। परन्तु वास्तविकता तो यह है कि मिनाब स्कूल हमले की वजह से और ईरान युद्ध नीति के चलते ही अमेरिका में ट्रंप की लोकप्रियता नकारात्मक 20-23% तक गिर गई है। इसी तरह के विरोध के चलते ट्रंप ने अपने कई अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया जबकि कई ने इस्तीफा देकर अपनी इज्जत बचने में ही अपनी भलाई समझी। कहना गलत नहीं होगा कि मासूमों की शहादत को याद दिलाने वाला प्रतीक मिनाब 168 पूरे विश्व में नरसंहार की इबारत लिखने वाली महाशक्ति को बेनकाब कर छोड़ेगा तथा इसके पतन का कारण भी बनेगा।

संपादकीय

ट्रंप का 'तूफान' क्या है?

राष्ट्रपति ट्रंप अब भी युद्धोन्मादी हैं। ईरान को ह्यकब्रिस्तान-साह्ल बनाने के बावजूद उनका दिल नहीं पसीजा है। उन्होंने अब भी किसी ह्यतूफानह्ल के आने की धमकी दी है और दावा किया है कि उस तूफान को कोई रोक नहीं सकेगा। क्या ट्रंप अब ईरान पर परमाणु हमला भी कर सकते हैं? अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने ईरान में परमाणु स्थितियों पर चिंता जताई है और ईरान के परमाणु कार्यक्रम के दुरुपयोग की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि हम किसी परमाणु दुर्घटना की संभावना को नहीं मानते, क्योंकि रूस के राष्ट्रपति पुतिन करीब 90 मिनट की बातचीत में राष्ट्रपति ट्रंप को सचेत कर चुके हैं कि अब हमले के अंजाम बहुत बुरे और गंभीर होंगे। चीन भी ऐसे बयान दे चुका है और इसी माह ट्रंप का चीन जाना प्रस्तावित है। बीती 28 फरवरी से जो विनाशकारी हमले ईरान पर किए गए हैं, बीच-बीच में युद्धविराम के 'नाटक' भी खेले गए हैं, तेल-गैस-खाद आदि की आवाजाही इस कदर बाधित हुई है कि दुनिया में 'महामंदी' के संकट फैलने लगे हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी महामंदी के आसार की चेतावनी दी है, क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास-दर 2 फीसदी से भी कम होने के संकेत मिल रहे हैं। यदि दुनिया में ऊर्जा-संकट, सप्लाई चेन का अवरुद्ध होना, खाद्य-संकट यूं ही जारी रहे, तो भुखमरी के हालात भी पुख्ता हो सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय कारोबार भी बैठ सकता है। खुद अमरीका के पेंटागन की रपट है कि अभी तक ईरान युद्ध पर 25 अरब डॉलर खर्च किए जा चुके हैं। यह राशि अधिक भी हो सकती है। पेंटागन ने 1.5 ट्रिलियन डॉलर के अतिरिक्त बजट की मांग संसद से की है, लेकिन अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप से पूछ रही है कि जब 2025 के हमले में ईरान के परमाणु एवं यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को तबाह कर दिया गया था, तो फिर यह युद्ध क्यों किया गया? राष्ट्रपति उसी परमाणु कार्यक्रम की नए सिरे से बात क्यों कर रहे हैं? क्या ईरान का यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम आज भी जारी है? अब सैनिक और युद्धपोत मध्य-पूर्व के क्षेत्रों में क्यों मौजूद हैं?

क्या अमरीकी संसद राष्ट्रपति ट्रंप को बाध्य कर सकती है कि वह सैनिकों की वापसी का आदेश दें? युद्ध पर 25 अरब डॉलर नासा के खर्च के बराबर है, जिसे ट्रंप की सामंतवादी सोच ने यूं ही फूक दिया। कैबिनेट में उपराष्ट्रपति वेंस शुरू से ही युद्ध-विरोधी थे, लेकिन अब उनका युद्ध मंत्री हेगसेथ के साथ विवाद बढ़ गया है। उपराष्ट्रपति का गंभीर आरोप है कि युद्ध मंत्री राष्ट्रपति ट्रंप को गलत ब्रीफ कर रहे हैं, लिहाजा ईरान से अभी तक अमरीका जीत नहीं पाया है। उपराष्ट्रपति का आग्रह है कि अब युद्ध को स्थायी विराम दिया जाना चाहिए। इस तरह युद्ध के मुद्दे पर ट्रंप कैबिनेट विभाजित है और राष्ट्रपति 'तूफान' की धमकियां दे रहे हैं! पेंटागन भी राष्ट्रपति को गलत सूचनाएं दे रहा है। हकीकत यह है कि अमरीकी मिसाइलों, ड्रोन, थाड, पैट्रियट आदि वायु रक्षा प्रणालियों और अन्य हथियारों के भंडार काफी कम हो चुके हैं। रणनीतिक तौर पर यह अमरीका के लिए खतरनाक स्थिति है। हथियारों के पर्याप्त भंडारण के लिए अपेक्षित उत्पादन में 3-5 साल का वक्त भी लग सकता है।

चिंतन-मनन

संत की उदारता

संत बेनजोई के पास कई बालक शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। वह अपने सभी शिष्यों की शिक्षा पूर्ण करने के बाद ही उन्हें वहां से जाने की अनुमति देते थे। वह उद्दंड व शरारती शिष्यों को भी आज्ञाकारी और संस्कारी बनाकर ही दम लेते थे। एक बार उनके आश्रम में बहुत ही शरारती और बदतमीज लड़का आया। एक दिन वह चोरी करते हुए पकड़ा गया। बेनजोई ने उसे चोरी की बुराइयों से अवगत कराया और क्षमा कर दिया, लेकिन वह लड़का इतना बिगड़ैल था कि उस पर बेनजोई की शिक्षा का कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उसने दोबारा चोरी की और एक शिष्य को बेवजह पीट दिया। यह शिकायत बेनजोई तक पहुंची तो उन्होंने उसे फिर बुलाकर प्रेम से समझाया और एक बार फिर क्षमा कर दिया। यह देखकर आश्रम के अन्य शिष्य आगबबूला हो गए। शाम की प्रार्थना के समय सभी शिष्य एकजुट होकर बोले, गुरुजी, यह बार-बार चोरी करता रहेगा, हमें पीटता रहेगा और आप उसे क्षमा करते रहेंगे। यह कैसा न्याय है? यदि आप इसे आश्रम से नहीं निकाल सकते तो हम सभी यह आश्रम छोड़कर चले जाते हैं।

इस पर बेनजोई विनम्रता से बोले, मैंने माना कि तुम सब अच्छे हो, संस्कारी हो। कभी किसी कुसंग में न रहने के कारण दुष्कर्मों से दूर हो। यह अबोध किशोर अपने दुर्व्यसनी पिता और भाइयों द्वारा ठुकराया हुआ है। इसे मैं सुधारने, संस्कारित करने के उद्देश्य से यहां लेकर आया हूं। मुझे यह भी मालूम है कि तुम यदि इस आश्रम से चले गए तो अन्य किसी शिक्षक से शिक्षा प्राप्त कर सकते हो, किंतु इस बिगड़ैल लड़के को कौन अपने यहां रखेगा? इसे सुधरने का मौका कैसे मिलेगा? वह किशोर भी यह सब सुन रहा था। उसकी आंखें भर आईं। वह उनसे क्षमा मांगते हुए बोला, गुरुजी, मुझे माफ कर दीजिए। फिर कभी आपको शिकायत का मौका नहीं मिलेगा। उसने अन्य शिष्यों से भी माफी मांगी।

चुनावी जीत-हार न बने जीवन-मरण का प्रश्न

डॉ हिदायत अहमद खान

देश के पांच राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में मतदान संपन्न होने के साथ ही सभी की नजरें मतगणना के साथ आने वाले रिजल्ट पर टिक गई हैं। इस बार के विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की कवायद भर नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता, चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की निष्पक्षता और जनता के भरोसे की परीक्षा भी साबित होने वाले हैं। सोमवार 4 मई को होने वाली मतगणना को लेकर जिस प्रकार राजनीतिक तापमान बढ़ा हुआ है, वह इस बात का संकेत है कि चुनाव अब सिर्फ जीत-हार का खेल नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। मतदान के बाद आमतौर पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी जीत के दावे करते हुए देखे जाते हैं, लेकिन इस बार खासकर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को लेकर उठे विवादों ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। मतगणना में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति को लेकर मामला पहले हाईकोर्ट और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। यह स्थिति दशार्ती है कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर संदेह बढ़ा है। हालांकि चुनाव आयोग ने अतिरिक्त पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और नियमों के पालन का भरोसा दिया है, फिर भी सवाल यह है कि क्या केवल प्रशासनिक कदम जनता के विश्वास को बहाल करने के लिए पर्याप्त हैं? खासतौर पर तब जबकि चुनाव के दौरान यह सुनने को मिला कि पश्चिम बंगाल में चुनाव टीएमसी और भाजपा के बीच नहीं बल्कि टीएमसी और चुनाव आयोग के बीच हो रहा है। इसने न सिर्फ चुनाव प्रक्रिया को बल्कि निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता पर ही सवालिया निशान लगा दिया। चुनाव की तिथि घोषित होने से लेकर चुनाव प्रचार और मतदान के बीच और अब परिणाम आने से पहले तक जिस तरह का माहौल बनता दिखा है, वह लोकतंत्र के लिए चिंताजनक है। इसने न सिर्फ चुनाव आयोग की स्वतंत्र व निष्पक्ष के साथ ईमानदार प्रक्रिया पर संदेह पैदा किया बल्कि न्यायपालिका क्या कर रही है, इस पर भी नजर डालने को मजबूर किया है। न्यायालय की तारीख पर तारीख वाली परिपाटी से लेकर सख्त टिप्पणी के बाद फैसलों को रोके रखने ने लोगों को सवाल उठाने का मौका फराहम कराया है। जब यह कहा जाने लगे कि तमाम जांच एजेंसियां और स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाएं भी केंद्र के इशारे पर उठ-बैठ और फैसले लेने से लेकर कार्रवाई करती नजर आ रही हैं तो वाकई चिंता का विषय हो जाता है। इस पूरी कवायद में विपक्ष के संविधान बचाओ मुहिम को सही ठहराया जाना उचित लगने लगता है।

बहरहाल पांच राज्यों में मतदान पूर्ण होने के साथ ही अब नतीजे आने का इंतजार है, क्योंकि इससे यह भी मालूम चलेगा कि जो एग्जिट पोल्स अभी तक जो दावा करते आ रहे हैं वो कितने सही बैठते हैं। एग्जिट पोल्स ने इस बार अलग-अलग राज्यों में भिन्न-भिन्न तस्वीरें पेश की है। कहीं स्पष्ट बहुमत, तो कहीं कांटे की टक्कर दिखाकर लोगों का ध्यान भी खूब खींचा है। टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के दावे 200 के पार से अलग पश्चिम बंगाल में मुकाबला बेहद करीबी बताया जा रहा है, जहां 'साइलेंट वोटर' निर्णायक भूमिका में होने का दावा भी किया जा रहा है। यह अनिश्चितता लोकतंत्र की खूबसूरती भी है और चुनौती भी। नतीजे प्रभावित न हों और हेर-फेर से मतदाताओं के मतों को बचाने मानों एक अलग ही संघर्ष जारी है। इसी प्रकार तमिलनाडु में संभावित राजनीतिक बदलाव का दावा किया जा रहा है। यह एक नई दिशा की ओर इशारा करता है। पारंपरिक द्रविड़ राजनीति के बीच नए चेहरे का उभार यह दशार्ता है कि मतदाता अब विकल्प तलाशने के लिए तैयार हैं, जो गलत भी साबित हो सकता है। वहीं असम में सत्तारूढ़ दल की संभावित लगातार तीसरी जीत यह संकेत देती है कि क्षेत्रीय नेतृत्व और संगठनात्मक मजबूती अभी भी निर्णायक कारक हैं। इसकी भी परीक्षा होगी और परिणाम बताएंगे कि कौन पास और कौन फेल रहा। केरल में सत्ता परिवर्तन की परंपरा लौटने की संभावना और वामपंथी राजनीति के कमजोर पड़ने के संकेत एग्जिट पॉल्स से मिलते हैं। यदि ऐसा होता है, तो यह केवल एक राज्य का परिणाम नहीं होगा, बल्कि देश की राजनीतिक दिशा पर भी असर डालेगा। दूसरी ओर, पुडुचेरी में गठबंधन की वापसी का दावा किया जा रहा है। इन तमाम परिदृश्यों के बीच सबसे अहम सवाल यह है कि क्या चुनावी प्रक्रिया जनता के विश्वास पर खरी उतर रही है? चुनाव आयोग की भूमिका, न्यायपालिका का हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों का आचरण तीनों मिलकर लोकतंत्र की नींव को मजबूत या कमजोर करते हैं। जब चुनाव परिणाम आने से पहले ही विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और कानूनी लड़ाइयां शुरू हो जाती हैं, तो यह लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए शुभ संकेत नहीं है। यहां समझना होगा कि चुनाव केवल सरकार बनाने या गिराने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि यह जनता की आवाज का सबसे सशक्त माध्यम भी हैं। यदि इस प्रक्रिया पर ही सवाल उठने लगें, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होना ही होना है। इसलिए जरूरी है कि सभी पक्ष चाहे वे राजनीतिक दल हों, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका अपनी जिम्मेदारी को समझें और पारदर्शिता तथा निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। कुल मिलाकर सेवा का भाव जो सभी स्तर पर देखने को मिलना चाहिए वह कहीं गुम हो चुका है। इसलिए ये चुनाव एक तरह से जीवन-मरण का प्रश्न बन गए हैं, जो होना नहीं चाहिए।

उबलती धरती, डगमगाती थाली, संकट में किसान

डॉ. सत्यवान सौरभ

हीटवेव की मार से हरियाणाझपंजाब की खेती और किसानों की आय दोनों संकट में जलवायु परिवर्तन के इस निर्णायक दौर में चरम गर्मी अब केवल एक मौसमी विचलन नहीं रह गई है; यह एक गहरे संरचनात्मक संकट के रूप में उभर रही है, जो वैश्विक खाद्य प्रणालियों की बुनियाद को हिला रही है। बढ़ते तापमान और तीव्र होती हीटवेव्स ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य आपूर्ति श्रृंखलाओं को एक ऐसे दबाव में ला खड़ा किया है, जहां हर कड़ी कमजोर पड़ती दिख रही है। वैज्ञानिक और नीति-निमार्ता अब इसे एक 'रिस्क मल्टीप्लायर' के रूप में पहचान रहे हैं—ऐसा कारक जो न केवल स्वयं नुकसान पहुंचाता है, बल्कि अन्य जोखिमों को भी कई गुना बढ़ा देता है। यदि अब निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो चरम गर्मी आने वाले दशकों में वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा व्यवस्थित खतरा बन जाएगी।

चरम तापमान का सबसे प्रत्यक्ष और स्पष्ट प्रभाव फसलों पर पड़ता है। यह स्थापित तथ्य है कि 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर का तापमान गेहूं, चावल और मक्का जैसी प्रमुख फसलों के लिए प्रतिकूल होता है। अधिक तापमान पौधों की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया को बाधित करता है, परागण को प्रभावित करता है और दानों के विकास को अधूरा छोड़ देता है। परिणामस्वरूप उत्पादन में गिरावट आती है, जो कई मामलों में 10 से 50 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। यह केवल मात्रा की समस्या नहीं है—गर्मी के कारण अनाज का पोषण स्तर भी घटता है, जिससे खाद्य गुणवत्ता प्रभावित होती है। इस प्रकार, यह संकट उत्पादन और पोषण दोनों को एक साथ चोट पहुंचाता है।

पशुपालन क्षेत्र भी इस तापीय दबाव से अछूता नहीं है। उच्च तापमान के कारण पशुओं में हीट स्ट्रेस बढ़ता है, जिससे उनकी उत्पादकता पर सीधा असर पड़ता है। डेयरी पशुओं में दूध उत्पादन में कमी, मुर्गियों में अंडा उत्पादन का घट जाना और सूअरों में वृद्धि दर का धीमा होना इसके प्रमुख उदाहरण हैं। चरम परिस्थितियों में पशुओं की मृत्यु तक हो सकती है, जिससे किसानों की आय पर गंभीर चोट पड़ती है। मत्स्य पालन में स्थिति और भी जटिल हो जाती है—समुद्री तापीय लहरों के कारण जल में घुलित ऑक्सीजन की मात्रा घटती है, जिससे मछलियां तनावग्रस्त हो जाती हैं और उनका जीवित रहना कठिन हो जाता है। इस तरह, अत्यधिक गर्मी खाद्य उत्पादन के सभी प्रमुख स्रोतों को एक साथ प्रभावित कर रही है। लेकिन असली चुनौती तब सामने आती है जब ये प्रभाव एक-दूसरे को बढ़ाने लगते हैं। चरम गर्मी सूखे को जन्म देती है, जिससे जल संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ता है। सिंचाई के लिए पानी की कमी फसलों की उत्पादकता को और घटा देती है, जबकि पशुओं और मनुष्यों के लिए जल संकट गंभीर रूप ले लेता है। इसके अलावा, उच्च तापमान कीटों और रोगों के प्रसार के लिए अनुकूल परिस्थितियां पैदा करता है। टिड्डी दल जैसी घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्रता से देखने को मिल रही हैं, जो कुछ ही दिनों में विशाल फसल क्षेत्र को नष्ट कर सकती हैं। इस प्रकार, तापमान वृद्धि केवल एक अलग-थलग समस्या नहीं, बल्कि एक ऐसे चक्र का हिस्सा है जो लगातार खुद को मजबूत करता जाता है।

वन क्षेत्रों में भी इसका गहरा प्रभाव दिखाई देता है। बढ़ती गर्मी और सूखे के कारण जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं, जिससे जैव विविधता को नुकसान पहुंचता है और कार्बन चक्र बाधित होता है। यह एक खतरनाक दुष्चक्र को जन्म देता है—जंगलों की आग से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो आगे तापमान वृद्धि को और तेज करता है, और यह वृद्धि फिर नई आग की घटनाओं को जन्म देती है। इस चक्र का प्रभाव अंततः कृषि और खाद्य प्रणालियों पर ही पड़ता है।

चरम गर्मी का एक महत्वपूर्ण लेकिन अक्सर अनदेखा पहलू श्रम उत्पादकता पर इसका प्रभाव है। कृषि क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिक, विशेषकर विकासशील देशों में, अत्यधिक तापमान के कारण काम करने में असमर्थ हो जाते हैं। जब 'गीला बल्ब तापमान' एक निश्चित सीमा से ऊपर पहुंच जाता है, तो मानव शरीर के लिए लंबे समय तक काम करना जानलेवा हो सकता है। यह स्थिति एक प्रकार का 'हीट-इकोनॉमी ट्रैप' पैदा करती है, जहां गर्मी सीधे श्रम, उत्पादन और आय—तीनों को सीमित कर देती है। अनुमान है कि दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्रों में साल के सैकड़ों दिन ऐसे हो सकते हैं, जब श्रमिकों के लिए काम करना संभव नहीं रहेगा। इसका सीधा असर किसानों और मजदूरों की आय पर पड़ता है, जिससे आर्थिक असुरक्षा बढ़ती है। इन सभी प्रभावों का सम्मिलित परिणाम एक 'कैस्केडिंग फेल्योर' के रूप में सामने आता है। जब फसलें असफल होती हैं, पशुधन प्रभावित होता है और श्रमिक काम नहीं कर पाते, तो खाद्य आपूर्ति शृंखला टूटने लगती है। इसका सीधा असर बाजार पर पड़ता है—खाद्य कीमतें बढ़ती हैं, जिससे गरीब और कमजोर वर्गों के लिए भोजन तक पहुंच और कठिन हो जाती है। यह स्थिति कुपोषण, गरीबी और सामाजिक अस्थिरता को जन्म देती है। कई क्षेत्रों में यह प्रवासन को भी बढ़ावा देती है, जहां लोग जीविका की तलाश में अपने घर छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। इस प्रकार, चरम गर्मी एक पर्यावरणीय समस्या से कहीं अधिक—एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक संकट बन जाती है।

भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह चुनौती और भी गंभीर है। हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में हाल के वर्षों में हीटवेव्स के कारण गेहूं और चावल की पैदावार पर प्रतिकूल प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा गया है। विशेष रूप से देर से बोई गई फसलों पर इसका असर अधिक पड़ता है, जिससे उत्पादन में 10 से 15 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई है। भारत की हरित क्रांति का केंद्र रहे ये क्षेत्र अब जलवायु अस्थिरता के सबसे बड़े प्रयोगशाला बनते जा रहे हैं। इसके साथ ही, भूजल का अत्यधिक दोहन और बढ़ती गर्मी मिलकर जल संकट को और गहरा कर रहे हैं, जो कृषि की स्थिरता के लिए गंभीर खतरा है। इस संकट का प्रभाव समान रूप से वितरित नहीं है। छोटे और सीमांत किसान, महिलाएं और युवा सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उनके पास सीमित संसाधन, कम तकनीकी जानकारी और जोखिम उठाने की कम क्षमता होती है। परिणामस्वरूप, वे जलवायु परिवर्तन के इस बढ़ते दबाव के सामने अधिक असुरक्षित हो जाते हैं। इस प्रकार, अत्यधिक गर्मी केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को भी गहरा करने वाला कारक बन रही है। ऐसे में समाधान की दिशा में ठोस और बहुआयामी रणनीतियों की आवश्यकता है। सबसे पहले, अनुकूलन (adaptation) पर ध्यान देना होगा। जलवायु-स्मार्ट कृषि पद्धतियां—जैसे गर्मी-सहनशील बीजों का उपयोग, फसल विविधीकरण, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, तथा छायादार खेती—इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। इसके अलावा, मौसम पूवार्नुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करना आवश्यक है, ताकि किसान समय रहते अपने निर्णय बदल सकें और नुकसान को कम कर सकें।

पशुपालन के क्षेत्र में भी सुधार की आवश्यकता है। बेहतर वेंटिलेशन वाले शेड, पर्याप्त जल उपलब्धता और चयनात्मक प्रजनन जैसी तकनीकों के माध्यम से पशुओं को गर्मी के प्रभाव से बचाया जा सकता है। साथ ही, बीमा योजनाओं और वित्तीय सहायता के जरिए किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना भी आवश्यक है, ताकि वे जलवायु जोखिमों का सामना कर सकें।

नीतिगत स्तर पर, सरकारों को एक समग्र और दीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जल संरक्षण, जैव विविधता संरक्षण और सतत कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और अन्य कृषि योजनाओं को जलवायु परिवर्तन के अनुरूप पुनर्गठित करने की आवश्यकता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ाना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना अनिवार्य है, क्योंकि दीर्घकालिक समाधान केवल शमन (mitigation) के माध्यम से ही संभव है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका का मानना, समुद्री नाकेबंदी से ईरान को हुआ 456 अरब रुपए का नुकसान : रिपोर्ट

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी की समुद्री नाकाबंदी के कारण ईरान को तेल राजस्व में लगभग 4.8 अरब डॉलर (456 अरब रुपए) का नुकसान हुआ है। एक्सियोस के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है। रिपोर्ट में बताया गया है कि नाकेबंदी के दौरान दो टैंकर जब्त किए गए। इसके अलावा, अधिकारियों ने दावा किया कि लगभग 53 मिलियन बैरल तेल ले जा रहे 31 टैंकर इस समय 'खाड़ी में फंसे हुए हैं,' जिससे ईरान के तेल निर्यात में आई भारी गिरावट का अंदाजा लगाया जा सकता है। कथित तौर पर इसी वजह से उसे 4.8 अरब डॉलर (करीब 45,600 करोड़ रुपए) का नुकसान झेलना पड़ रहा है। ईरान के समुद्र में अमेरिकी नाकाबंदी पूरी ताकत से लागू है, जिससे ईरान की फंडिंग क्षमता को बड़ा झटका लगा है। इन्हीं अधिकारियों के अनुसार, कुछ जहाज अब 'अमेरिकी नाकेबंदी के डर से चीन को तेल पहुंचाने के लिए एक महंगा और लंबा रास्ता चुन रहे हैं,' जिससे पता चलता है कि अमेरिकी सेना की सख्त कार्रवाई के डर से जहाजों के आने-जाने के तरीकों में बदलाव आया है। यह नाकेबंदी अमेरिका ने ईरान के बंदरगाहों पर एक अस्थायी संघर्षविराम के दौरान लगाई थी। इसका मकसद ईरान पर दबाव डालना था ताकि वह पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए उस युद्धविराम को मान ले, जिससे इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा संघर्ष हमेशा के लिए खत्म हो जाए। ईरान ने पिछले महीने कहा था कि इजरायल और लेबनान में सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच 10 दिन के संघर्ष विराम की घोषणा के बाद होर्मुज को व्यापारिक जहाजों के लिए पूरी तरह से फिर से खोल दिया है। हालांकि, बाद में इस जलमार्ग पर फिर से पाबंदी लगा दी गई, जब अमेरिका ने अपनी नाकेबंदी हटाने से इनकार कर दिया। अमेरिका का कहना था कि जब तक ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए कोई पक्का समझौता नहीं हो जाता, तब तक ये पाबंदियां जारी रहेंगी। अमेरिका की समुद्री नाकाबंदी से ईरान को करीब 4.8 अरब डॉलर यानी लगभग 456 अरब रुपये (करीब 45,600 करोड़ रुपये) के तेल राजस्व का नुकसान हुआ है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक यह आकलन अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) का है।

क्यूबा ने नए अमेरिकी प्रतिबंधों को 'एकतरफा दबाव' की कार्रवाई बताया

हवाना , एजेंसी। क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें 'एकतरफा दबाव डालने की कार्रवाई' बताया और कहा है कि ये कदम क्यूबा की जनता को सामूहिक रूप से सजा देने की कोशिश हैं। क्यूबा के विदेश मंत्री ब्रूनो रोड्रिग्ज ने सोशल मीडिया पर कहा, 'हम अमेरिकी सरकार द्वारा अपनाए गए इन एकतरफा दबावकारी तरीकों को पूरी तरह खारिज करते हैं।' उन्होंने कहा कि ये कदम क्यूबा के लोगों के खिलाफ सामूहिक दंड की मंशा को दर्शाते हैं। सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने रोड्रिग्ज के हवाले से बताया कि इन प्रतिबंधों की घोषणा इंटरनेशनल वर्कर्स डे के दिन की गई, जब क्यूबा के लाखों नागरिक सड़कों पर उतरकर अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध कर रहे थे। रोड्रिग्ज ने कहा कि ये कदम अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ हैं और संयुक्त राष्ट्र के चार्टर का उल्लंघन करते हैं। उनके अनुसार, अमेरिका को क्यूबा या किसी तीसरे देश पर ऐसे प्रतिबंध लगाने का अधिकार नहीं है। यह प्रतिक्रिया तब आई जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्यूबा पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। इस आदेश के तहत अमेरिका में मौजूद या अमेरिकी नियंत्रण में आने वाली उन व्यक्तियों और संस्थाओं की संपत्तियां फ्रीज कर दी जाएंगी। ये सब क्यूबा की अर्थव्यवस्था के ऊर्जा, रक्षा, धातु व खनन, वित्तीय सेवाओं या सुरक्षा जैसे क्षेत्रों से जुड़े हैं। इसके अलावा, आदेश का उद्देश्य क्यूबा की वैश्विक बैंकिंग प्रणाली तक पहुंच को सीमित करना भी है। इसमें उन विदेशी बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जो क्यूबा से जुड़े पहले से प्रतिबंधित व्यक्तियों या संस्थाओं के साथ लेनदेन करते हैं।

सीरिया में शिया धर्मगुरु की हत्या

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया की राजधानी दमिश्क के पास शुक्रवार को हमलावरों ने एक शिया धर्मगुरु की हत्या कर दी। हमलावरों ने उनकी कार में ग्रेनेड फेंका, जिससे उनकी मौत हो गई। मारे गए धर्मगुरु का नाम फरहान अल-मंसूर था। वह दमिश्क के बाहरी इलाके सैयदा जैनब में स्थित एक प्रसिद्ध शिया दरगाह के मुख्य उपदेशक थे। सरकारी समाचार एजेंसी 'साना' और सरकारी टीवी के अनुसार, इस हमले के पीछे किसका हाथ है, यह अभी साफ नहीं हो पाया है। घटना के बाद दमिश्क के दक्षिणी उपनगरों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सुरक्षा बलों ने संदिग्धों को पकड़ने के लिए जांच शुरू कर दी है। सैयदा जैनब इलाका साल 2011 में शुरू हुए सीरियाई संघर्ष के दौरान भीषण झड़पों का केंद्र रहा है। यहां पैगंबर मोहम्मद की पोती की दरगाह है, जिन्हें शिया मुसलमान धैर्य और साहस का प्रतीक मानते हैं। दिसंबर 2024 में बशर असद की सरकार गिरने के बाद से यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में भारी कमी आई है।

ईरान में ऑर्डनेंस क्लियरेंस के दौरान बड़ा हादसा... आईआरजीसी के 14 जवानों की मौत, 2 घायल

तेहरान, एजेंसी। ताजा ख़बरों के अनुसार ईरान में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ है जिसने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। ईरान के जंजान प्रांत में ऑर्डनेंस क्लियरेंस मिशन के दौरान एक भयानक विस्फोट होने से ढ्रत्नष्ट के 14 जवानों की मौत हो गई और 2 अन्य सैनिक घायल हो गये हैं। यह हादसा उस दौरान हुआ जब जवान न फटे हुए पुराने बम और गोला बारूद को जमीन से सुरक्षित निकलने का काम कर रहे थे। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब ईरान और अमेरिका युद्ध शांत करने के लिए शांति वार्ता पर बातचीत कर रहे हैं। समाचार एजेंसियों के अनुसार करीब 12000 हेक्टेयर खेती की जमीद पर बिखरे हुए न फटे बमों का भारी खतरा मंडरा रहा है। इस हादसे के बाद आईआरजीसी ने अमेरिका पर बाधा डालने की नीति का बहुत गंभीर आरोप लगाया है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान से नए बातचीत प्रस्ताव को सिरे से खारिज कर दिया और बातचीत को उलझा दिया है।

ईरान के जंजान प्रांत में एक भयावह हादसा हुआ है जिसमें ढ्रत्नष्ट के 14 जवान मारे गये हैं और 3 घायल हैं। खेती वाली जमीन पर पड़े और दबे हुए युद्ध के हथियारों की सफाई के दौरान एक बम फट गया जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यह टीम खेती लायक जमीन को सुरक्षित और साफ कर रही थी तभी हुए विस्फोट ने हलचल मचा दी।

अमेरिका पर बड़े आयोप : हादसे के बाद आईआरजीसीने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए अमेरिका की नीतियों पर सीधा और बड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की सरकार अब दुनिया की ऊर्जा पर काबू रखने की जगह बाधा डालने का काम कर रही है। अमेरिका की होर्मुज की नाकेबंदी चीन, रूस और यूरोप को रोकने की बड़ी योजना के तहत थी लेकिन यह योजना नाकाम हो गई है।

ईरान नेतृत्व में बिखराव का माहौल : राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इरान के अंदरूनी हालात पर बात करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में बहुत ज्यादा बिखराव मौजूद है। ट्रंप ने दावा किया कि ईरान में कई गुट हैं नेताओं के जो देश को अलग तरीके से चलाना चाहते हैं। ये अलग-अलग दिशाओं में देश को खींच रहे हैं। इस बिखराव के कारण समझौता सम्भव नही हो पा रहा है।

रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिले अराघची, होर्मुज स्ट्रेट और परमाणु मुद्दे पर हुई गहन चर्चा : रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ फोन पर बातचीत की, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) में नौवहन स्वतंत्रता और ईरान के परमाणु कार्यक्रम से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। यह जानकारी रूसी विदेश मंत्रालय ने दी। मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया में शत्रुता की पूर्ण समाप्ति, सैन्य और राजनीतिक स्थिति को स्थिर करने तथा क्षेत्र में शांति बहाली की संभावनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। रूस ने जारी मध्यस्थता प्रयासों के प्रति अपना समर्थन दोहराया और क्षेत्र में दीर्घकालिक शांति स्थापित करने के लिए कूटनीतिक प्रक्रिया में सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। वार्ता के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य से रूसी जहाजों और कार्गो के सुरक्षित आवागमन का मुद्दा भी उठाया गया, जिसे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। इससे पहले 27 अप्रैल को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में ईरानी विदेश मंत्री अराघची से मुलाकात की थी। इस बैठक में रूस-ईरान द्विपक्षीय सहयोग और पश्चिम एशिया की स्थिति पर चर्चा हुई। रूसी पक्ष से इस बैठक में विदेश मंत्री लावरोव, राष्ट्रपति के सहयोगी यूरी उशाकोव और रूसी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के मुख्य खुफिया निदेशालय के प्रमुख इगोर कोस्त्युकोव मौजूद थे। वहीं ईरानी प्रतिनिधिमंडल में उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी और रूस में ईरान के राजदूत काजेम जलाली शामिल थे। बैठक के दौरान राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि मास्को ईरान के साथ रणनीतिक संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और पश्चिम एशिया में जल्द शांति स्थापित करने के प्रयासों में सहयोग करेगा। रूसी मीडिया के अनुसार, पुतिन ने यह भी उम्मीद जताई कि ईरान मौजूदा चुनौतियों से उबरकर स्थिरता और शांति की दिशा में आगे बढ़ेगा। पुतिन ने कहा, हम हर वह प्रयास करेंगे जो आपके और क्षेत्र के सभी लोगों के हित में हो, ताकि जल्द से जल्द शांति स्थापित की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का संदेश प्राप्त हुआ है, जिसका उल्लेख उन्होंने बातचीत की शुरुआत में किया।

कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्टार प्रणाली का कमाल: बांझ पुरुषों के लिए नई उम्मीद, एआई तकनीक ने खोजे छिपे शुक्राणु

बोगोटा, एजेंसी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित एक नई तकनीक ने उन पुरुषों के लिए उम्मीद की किरण जगा दी है जिन्हें बांझ घोषित कर दिया गया था। अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी की स्पर्म ट्रैक एंड रिकवरी (स्टार)प्रणाली ऐसे मामलों में भी शुक्राणु खोज पा रही है, जहां पारंपरिक जांच में एक भी शुक्राणु नहीं मिलता। इस तकनीक की मदद से कई दंपतियों को वर्षों बाद माता-पिता बनने का सुख मिला है। बीबीसी के अनुसार अमेरिका के न्यू जर्सी की एक महिला, जिन्हें रिपोर्ट में पेनेलोप नाम से संबोधित किया गया है, नवंबर 2025 में तब भावुक हो गई जब डॉक्टर ने उन्हें गर्भवती होने की खबर दी। करीब ढाई साल की असफल कोशिशों के बाद यह संभव हो सका। रिपोर्ट के अनुसार उनके पति को क्लाइनफेल्टर सिंड्रोम नाम की आनुवंशिक बीमारी थी, जिसमें पुरुषों में अतिरिक्त एक्स क्रोमोसोम होता है और आमतौर पर शुक्राणु बनना बेहद कम या शून्य होता है। डॉक्टरों ने पहले ही साफ कर दिया था कि उनके पति के जैविक पिता बनने की संभावना लगभग नहीं के बराबर है। लेकिन स्टार तकनीक ने उनके नमूने में छिपे कुछ शुक्राणु खोज निकाले, जिनकी मदद से इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) यानी शरीर के बाहर निषेचन की प्रक्रिया सफल हुई। स्टार प्रणाली एआई और मशीन लर्निंग का उपयोग करके बेहद दुर्लभ शुक्राणुओं को पहचानती है।

माइक्रोफ्लूडिक चिप का होता है उपयोग : सामान्यतः एक मिलीलीटर वीर्य में लाखों शुक्राणु होते हैं, लेकिन एजूस्पर्मिया नामक स्थिति में एक भी शुक्राणु मिलना मुश्किल होता है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें पुरुष के वीर्य में शुक्राणु नहीं के बराबर होते हैं। इस तकनीक में माइक्रोफ्लूडिक चिप का उपयोग होता है। यह एक बेहद पतली नलिकाओं वाला उपकरण होता है, जिसमें से नमूना गुजरता है। इसके साथ हाई-स्पीड इमेजिंग सिस्टम प्रति सेकंड सैकड़ों तस्वीरें लेता है और एआई एल्गोरिदम उनमें से शुक्राणु की पहचान करता है। कोलंबिया यूनिवर्सिटी फर्टिलिटी सेंटर के निदेशक जेव विलियम्स के अनुसार, यह ऐसे है जैसे मलबे के समुद्र में एक बेहद दुर्लभ कण को ढूंढना। एआई यह काम कुछ मिलीसेकंड में कर देता है, जबकि इंसान के लिए यह लगभग असंभव होता है। रिपोर्ट के अनुसार इस तकनीक के उपयोग से पिछले साल पहला बच्चा जन्मा, जो लगभग दो दशक से बांझपन से जूझ रहे एक दंपति के लिए बड़ी सफलता थी। अब तक 175 मरीजों पर किए गए।

जेल में बिगड़ी नोबेल विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत, अस्पताल में भर्ती; इलाज में लापरवाही के आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बहुत बिगड़ गई है। इसके बाद उन्हें तुरंत उत्तर-पश्चिमी ईरान के ज़ंजन शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने दी। ईरान की जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी को तबीयत अचानक बहुत ज्यादा बिगड़ गई। इसके चलते उन्हें आनन-फानन में उत्तर-पश्चिमी ईरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह जानकारी उनके फाउंडेशन ने शुक्रवार को दी। नरगिस मोहम्मदी फाउंडेशन के अनुसार, नोबेल पुरस्कार विजेता को दो बार बेहोशी और दिल से जुड़ी एक गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। फाउंडेशन ने बताया कि मोहम्मदी शुक्रवार को जंजन शहर की जेल में दो बार बेहोश हो गईं थीं। उनके वकीलों ने मार्च के अंत में उनसे मुलाकात के बाद बताया था कि उन्हें संभवतः दिल का दौरा पड़ा था। उस समय वह कमजोर दिख रही थीं और चलने के लिए नर्स की मदद की ले रही थी।

इलाज में लापरवाही का आरोप : फाउंडेशन ने कहा कि मोहम्मदी की 12 दिसंबर को गिरफ्तारी के बाद से 140 दिनों तक उन्हें सही इलाज नहीं दिया गया। फाउंडेशन के अनुसार, जेल के डॉक्टरों ने पहले ही सलाह दी थी कि नरगिस का इलाज जेल में नहीं किया जा सकता है। डॉक्टरों ने उनका इलाज तेहरान में विशेषज्ञ टीम से करवाने को कहा था।

परिवार कई बार कर चुका था अच्छे इलाज की मांग : मोहम्मदी के परिवार ने हफ्तों से उन्हें अच्छा इलाज देने के लिए अस्पताल भेजने की वकालत की थी। फाउंडेशन ने परिवार के हवाले से कहा कि शुक्रवार को जंजन के एक अस्पताल में उनको भर्ती कराया जाना बहुत देरी से लिया गया फैसला और आखिरी समय में उठाया गया कदम लग रहा है।

पहले भी बिगड़ चुकी थी तबीयत : 24 मार्च को मोहम्मदी के साथी कैदियों ने उन्हें बेहोश पाया था। उन्होंने अपने वकीलों से कुछ दिनों बाद हुई मुलाकात में ये बताया था। जेल के क्लिनिक में बाद की जांच में एक डॉक्टर ने उन्हें बताया कि उन्हें शायद दिल का दौरा पड़ा था। तब से उन्हें सीने में दर्द और सांस लेने में कठिनाई हो रही थी।

'बाहर निकलो, कितनी झूठी हो': ट्रंप ने इल्हान पर की विवादित टिप्पणी, सांसद ने भी राष्ट्रपति को बता दिया अपराधी

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई। फ्लोरिडा के 'द विलेज' इलाके में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने उमर पर बेहद कड़े शब्दों में हमला किया।

उन्होंने इल्हान उमर को 'ढोंगी' कहा और उनके मूल देश सोमालिया को लेकर कई गंभीर बातें कहीं। इसके बाद इल्हान उमर ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राष्ट्रपति ट्रंप को करारा जवाब दिया है। दोनों नेताओं के बीच यह विवाद अब काफी चर्चा में आ गया है।

इल्हान उमर ने ट्रंप के आरोपों का क्या जवाब दिया : इल्हान उमर ने ट्रंप के इन विवादित बयानों को पूरी तरह से खारिज कर दिया और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कड़ा जवाब दिया। उमर ने ट्रंप के बयानों को बेतुका बताया और कहा कि अगर

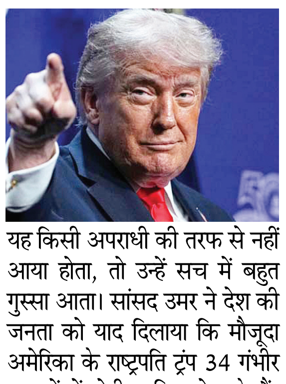

यह किसी अपराधी की तरफ से नहीं आया होता, तो उन्हें सच में बहुत गुस्सा आता। सांसद उमर ने देश की जनता को याद दिलाया कि मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप 34 गंभीर मामलों में दोषी साबित हो चुके हैं। उमर ने ट्रंप पर लगे दुष्कर्म के आरोपों और अन्य गंभीर कानूनी मामलों का भी अपने पोस्ट में जिक्र किया। उमर ने हैरान होते हुए लिखा कि उन्हें यह समझ नहीं आता कि कोई इंसान अपनी इतनी बेइज्जती खुशी-खुशी कैसे करा सकता है। उमर ने ट्रंप की पार्टी पर तंज कसते हुए उन्हें अपनी कमियां छिपाने के लिए नया बहाना ढूंढने की सलाह दी है। क्या दोनों नेताओं के बीच पहले भी ऐसा विवाद हो चुका है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब इन दोनों बड़े नेताओं के बीच इस तरह की जुबानी जंग और बहस देखने को मिली है। इससे पहले सितंबर 2025 में भी इल्हान उमर ने मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप पर बहुत ही तीखा और सीधा हमला किया था। उस वक्त उमर ने ट्रंप को 'झूठा और मूर्ख इंसान' बताया था, क्योंकि ट्रंप ने दावा किया था कि उन्होंने उमर को वापस भेजने के लिए सोमालिया के राष्ट्रपति से फोन पर बात की है। इल्हान उमर ने तब देश के लोगों से कहा था कि किसी को भी ट्रंप जैसी शर्मनाक बातें करने वाले इंसान को गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। आपको बता दें कि उमर हमेशा से ट्रंप की इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों की बहुत बड़ी आलोचक रही हैं और अक्सर उनका विरोध करती हैं। सोमालिया को लेकर ट्रंप ने अपनी पोस्ट में क्या दावे किए? ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' नाम के अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी इल्हान उमर और उनके मूल देश सोमालिया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने लिखा कि सोमालिया में सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है और वहां दशकों से गृह युद्ध चल रहा है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि सोमालिया आतंकवाद, समुद्री डकैती, गरीबी, भुखमरी और बहुत ज्यादा भ्रष्टाचार से जूझ रहा है। ट्रंप के मुताबिक, सोमालिया की 70 प्रतिशत आबादी आज भी बेहद गरीबी में जी रही है और वहां की सरकार पूरी तरह से बेकार है। ट्रंप ने कहा कि ऐसी खराब जगह से आने वाली महिला अब अमेरिका को बता रही है कि हमें क्या करना चाहिए और कैसे करना चाहिए। अंत में ट्रंप ने उमर के लिए बेहद अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया और उन पर नागरिकता पाने के लिए भाई से शादी करने का आरोप फिर से दोहराया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ताश के पत्ते लिए तस्वीर की पोस्ट, लिखा- खेल मेरे हाथ में

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को एक ऐसी तस्वीर पोस्ट की जो उनके बेबाक अंदाज को जाहिर करती है। उनके हाथ में ताश के पत्ते हैं जिसका मैसेज उनके इरादों का संकेत देता है। ट्रंप ने शनिवार को एक के बाद एक कई पोस्ट्स की। इनमें कुछ तस्वीरें हैं, जिनमें अमेरिका के पुराने और अब नए दिनों की झलक है। ट्रंप बताना चाहते हैं कि अमेरिका का वर्तमान गुजरे वक्त से ज्यादा बेहतरीन है। उन्होंने दो तस्वीरों के कोलाज के साथ लिखा, 'ट्रंप के आने से पहले और बाद का अमेरिका।' इसमें लिंकन मेमोरियल के पूल की तस्वीर है। जिसमें ओबामा दौर में गंदगी तो ट्रंप दौर में सफाई का दावा किया गया है। इसके अलावा, माउंट रशमोर की तस्वीर पोस्ट की है। पहले भी वो ऐसा कर चुके हैं। माउंट रशमोर के प्रति डोनाल्ड ट्रंप का

लगाव जगजाहिर है। कई मौकों पर वो साउथ डकोटा के ब्लैक हिल्स में स्थित इस ऐतिहासिक मूर्ति का हिस्सा बनने की अपनी मंशा और इच्छा जाहिर कर चुके हैं; इस मूर्ति में उनके चार पूर्ववर्तियों—जॉर्ज वॉशिंगटन, थॉमस जेफरसन, थियोडोर रूजवेल्ट और अब्राहम लिंकन—के चेहरे उकेरे गए हैं।

इन सबमें से सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली तस्वीर वो है जिसमें ट्रंप हाथ में ताश के पत्ते लिए खड़े हैं। 6 पत्ते हैं, जिनमें से हरेक पर 'वाइल्ड' लिखा हुआ है। इसके साथ ही कैप्शन के जरिए ये बताने की कोशिश की जा रही है कि राष्ट्रपति ट्रंप की स्थिति मजबूत बनी हुई है। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'आई हैव ऑल द कार्ड्स,' यानी कि वे मजबूत हालत में हैं और खेल उनके हाथ में है।

पूरी दुनिया ईरान संघर्ष के स्थाई समाधान को लेकर चिंतित है। ट्रंप की ओर सबकी निगाहें हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति भी लगातार कह रहे हैं कि शांति के इच्छुक हैं लेकिन सैन्य कार्रवाई का विकल्प भी अभी खुला है। वहीं नाटो से नाराजगी का इजहार भी वो करते रहे हैं। आरोप लगाते रहे हैं कि ईरान संघर्ष में इन देशों ने उनकी मदद नहीं की।

इस बीच जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज की अमेरिका के हमले को लेकर की गई टिप्पणी भी ट्रंप को खल गई है। इसके बाद ही अमेरिकी मीडिया के हवाले से कहा जा रहा है कि जर्मनी से अमेरिका की सैन्य टुकड़ियों को हटाया जाने की योजना बनाई जा रही है।

ईरान युद्ध विवाद पर ट्रंप का नाटो को बड़ा झटका ! जर्मनी से बुलाएंगे 5000 सैनिक वापस

लंदन, एजेंसी। ताजा जानकारी के अनुसार अमेरिका ने यूरोप में नाटो को एक बहुत बड़ा झटका दिया है। अमेरिका ने शुक्रवार को अधिकारिक तौर पर यह घोषणा की है कि वह अपने सहयोगी देश जर्मनी से 5000 सैनिक वापस बुला रहा है। यह चौकाने वाला कदम उस समय उठाया गया है जब राष्ट्रपति ट्रम्प और जर्मन चांसलर की टिप्पड़ी से यूरोप से विरोध गहरा गया। पेंटागन ने यह कदम ट्रंप और जर्मन चांसलर के बीच हुई बहस के बाद उठाया है। इस पूरे विवाह की प्रमुख वजह राष्ट्रपति ट्रंप की इरान युद्ध को लेकर जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज से हुई एक तीखी बहस है। इस बहस के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अपनाते हुए सैनिकों की संख्या में कटौती करने की धमकी दी थी। अमेरिका का यह फैसला यूरोप और नाटो देशों के लिए बहुत ही सख्त कूटनीतिक और कड़ा संदेश है। पेंटागन के इस कदम से यूरोप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

ट्रंप और फ्रेडरिक मर्ज की बहस का कारण : जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने सोमवार को ईरान युद्ध पर विवादित टिप्पड़ी की थी। उन्होंने कहा था कि दो महीनों से चल रहे युद्ध को ख़त्म करने की बातचीत में ईरान अमेरिका को अपमानित कर रहा है। इसके जवाब में ट्रंप ने तीखे लहजे में कहा कि मर्ज को रूस और युक्रेन युद्ध को समाप्त करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्हें अपने देश को ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए। ईरान युद्ध पर उन्हें अपना टाइम वेस्ट नहीं करना चाहिए।

पेंटागन का आधिकारिक बयान : पेंटागन के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जर्मनी की हालिया बयानबाजी बहुत ही अनुचित थी। उन्होंने यह भी कहा कि नाटो देशों से सेना हटाकर राष्ट्रपति इन टिप्पड़ियों का बिलकुल सही जवाब दे रहे हैं। सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया 6 से 12 महीनों में पूरी हो जाएगी। पेंटागन की इस कटौती से यूरोप में अमेरिकी सैनिकों का स्तर 2022 से पहले के स्तर पर आ जाएगा। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद उस समय के राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूरोप में सैनिकों की संख्या बढाई थी। लेकिन अब अमेरिका उन फैसलों को पलट रहा है।

बता दें कि यूरोप में अमेरिका का सबसे बड़ा सैन्य अड्डा है और जर्मनी नाटो का एक अहम सदस्य है। यहां अभी लगभग 35000 सैनिक तैनात हैं। यहां एक अहम ट्रेनिंग हब भी है। पिछले कुछ महीनों से जर्मनी और नाटो ट्रम्प के निशाने पर जोरो से हैं। ट्रंप ने ईरान युद्ध में हार्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए अपनी नौसेना न भेजने पर यूरोपीय सहयोगियों और नाटो की कड़ी आलोचना की थी।

पाकिस्तान के बन्नू में पुलिस वैन पर रॉकेट हमला, 1 कांस्टेबल की मौत, 2 घायल; सीमावर्ती इलाकों में बढ़ा खौफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत प्रांतों में सुरक्षा बलों पर हमलों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू शहर में एक बड़ी आतंकी घटना हुई है जहां सशस्त्र हमलावरों ने पुलिस के एक वाहन को रॉकेट से निशाना बनाया। इस भीषण हमले में एक पुलिस कांस्टेबल की जान चली गई है जबकि दो अन्य जवान गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं।

रॉकेट हमले के बाद मची अफरा-तफरी : यह घटना बन्नू के कंगर जान बहादुर इलाके में उस समय हुई जब पुलिसकर्मी फतेह खेल चेकपॉइंट से अपनी ड्यूटी पूरी कर वापस लौट रहे थे। बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) यासिर अफरीदी के अनुसार, हमलावरों ने पुलिस की गाड़ी पर सीधे रॉकेट दागे जिसके बाद चारों ओर धमाकों और गोलीबारी की आवाजें गूंजने लगीं। इस हमले में कांस्टेबल (ड्राइवर) रजा अली शाह की मौके पर ही मौत हो गई। हमले में घायल हुए दो अन्य पुलिसकर्मियों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है जहां उनका इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय प्रशासन ने एहतियात के तौर पर मिरयान रोड पर यातायात पूरी तरह से बंद कर दिया है।

सघन तलाशी अभियान : हमले की सूचना मिलते ही अतिरिक्त सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। हमलावर रॉकेट दागने के बाद मौके से फरार होने में सफल रहे। जिनकी तलाश में सुरक्षा बलों द्वारा सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। डीपीओ यासिर

अफरीदी ने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ती हिंसा की लहर : यह हमला पाकिस्तान के सीमावर्ती प्रांतों, विशेष रूप से बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में कानून प्रवर्तन एजेंसियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों की एक कड़ी है। इसी सप्ताह की शुरुआत में बलूचिस्तान के पिशिन जिले के हुरमजई इलाके में भी एक चेकपोस्ट को निशाना बनाया गया जिसमें एक पुलिस हेड कांस्टेबल की मौत हो गई थी।

हालिया हमलों का खौफनाक रिकॉर्ड : पाकिस्तान में सुरक्षाकर्मियों पर हमलों के आंकड़े की अगर हम बात करें तो ये बहुत ही डराने वाले हैं। अभी हाल ही में 19 अप्रैल को खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम गढ़ी में बाजार में खरीदारी कर रहे दो फ्रंटियर कॉन्स्टेबुलरी जवानों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उसके पहले 18 मार्च को ऊपरी दीर के मनो बंडा इलाके में एलीट फोर्स के एक ASI को उनके घर के बाहर अज्ञात हमलावरों ने मौत के घाट उतार दिया था। लगातार हो रहे इन हमलों ने पाकिस्तान की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया और आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की इन घटनाओं में हाल के दिनों में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई है।

ये हैं अमरूद के अनगिनत फायदे

पाचन क्रिया दुरुस्तः अमरुद को काले नमक के साथ खाएं। इससे पाचन क्रिया ठीक रहेगी और पेट संबंधी कई समस्याएं दूर होगी।

पेट के कीड़ों से मिलेगा आरामः अगर बच्चे के पेट में कीड़े हैं जिस वजह से वह काफी परेशान है तो बच्चे को अमरुद का सेवन करवाएं। काफी फायदा मिलेगा।

आंखों की सूजन में फायदाः कई बार आंखों के नीचे काले घरे और सूजन आने लगती है, जिससे आंखे काफी अजीब लगती है। ऐसे में अमरुद की पत्तियों को पीसकर पेस्ट बनाएं और आंखों के नीचे लगाएं।

कब्ज : कब्ज की समस्या बहुत से लोगों को रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए सुबह खाली पेट पका हुआ अमरुद खाएं। कब्ज दूर होगी।

मुंह की दुर्गंध करता है दूर : अमरुद की पत्तियों को चबाने से मुंह की दुर्गंध दूर होगी और दांतों का दर्द दूर होगा।

कमजोरी दूर करें : अमरुद हाई एनर्जी फ्रूट है, जिसमें विटामिन और मिनरल्स मौजूद होते हैं। रोजाना अमरुद का सेवन करने से शरीर की कमजोरी दूर होती है।

दिल के लिए फायदेमंद : अमरुद में मौजूद पोटैशियम और मैग्नीशियम दिल और मांसपेशियों को मजबूत और दुरुस्त रखते हैं। दिल की बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

सर्दी-जुकाम में फायदाः नियमित अमरुद का सेवन करने से सर्दी-जुकाम जैसी समस्याएं दूर होती है।

कैंसर से बचावः अमरुद में लाइकोपीन नामक फाइटो न्यूट्रिएंट्स मौजूद होता है, जो शरीर को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे से बचाए रखता है।

लाइफस्टाइल में शामिल करें ये हेल्थी आदतें

अस्थमा अटैक से हमेशा रहेंगे दूर

बिगड़ती लाइफस्टाइल के कारण लोग गंभीर बीमारियों की चपेट में आते जा रहे हैं। इन्हीं में से एक है अस्थमा अटैक। ऐसे में अपनी आदतों में थोड़ा सा बदलाव करके आप इन बीमारियों से बच सकते हैं। अच्छी डाइट के साथ रोजाना नियमित एक्सरसाइज से आप अस्थमा के साथ-साथ कई बीमारियों को दूर कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि किस तरह लाइफस्टाइल में थोड़ा सा बदलाव करके आप बीमारियों से बच सकते हैं।

अपनाएं ये हेबिट्स

- अस्थमा की समस्या तो बहुत से लोगों को होती है, लेकिन अस्थमा अटैक जानलेवा हो सकता है। ऐसे में इससे बचने के लिए आप रोजाना योग निद्रा आसन कर सकते हैं।
- रोजाना अपनी डाइट में प्रोटीन पदार्थ, फल और सब्जियों को शामिल करके भी इससे बचा जा सकता है।
- हाल ही में हुए एक शोध में बताया गया है कि ज्यादा रुटिन चेकअप न करवाने लोगों को ही अस्थमा अटैक आता है। इसलिए टाइम टू टाइम अपनी रुटीन चेकअप करवाते रहें।
- अक्सर मोटापे के कारण लोगों को अस्थमा की समस्या हो जाती है। इसलिए रोजाना वर्कआउट से अपने वजन को कंट्रोल में रखें।
- बाहर निकलते समय अपने मूंह पर कोई कपड़ा बांध लें, ताकि धूल-मिट्टी से आपको सांस लेने में तकलीफ न हो।
- रोजाना दिन में 2 बार एक्सरसाइज करने से अस्थना अटैक का खतरा 80 प्रतिशत तक कम हो जाता है।
- शोध के मुताबिक अस्थमा से पीड़ित लोगों को शारीरिक गतिविधि में भाग लेते रहना चाहिए। इससे अस्थमा से लड़ने के लिए शरीर को एनर्जी मिलती रहती है।

- एक्सरसाइज करते समय इस बात का ध्यान रहें कि आसन ज्यादा कठोर न हो। इससे अस्थमा अटैक का खतरा बढ़ सकता है।
- अस्थमा में अपनी दवाइयों और पंप की एक्सपायरी डेट का भी ध्यान रखें। एक्सपायरी दवाइयां खाने से आपकी अस्थमा की समस्या बढ़ सकती है।
- अस्थमा में धूम्रपान, तंबाकू और शराब का सेवन करने से बचे। इससे अटैक का खतरे के साथ-साथ दूसरी बीमारियां होने का डर भी रहता है।

रेसिपी

मुर्ग अफगानी

- तेल: 30 मिली
- लौंग: 2
- दालचीनी: 1 इंच
- इलायची: 4
- अदरक-लहसुन का पेस्ट: 1½ टेबलस्पून
- प्याज: 150 ग्राम (भुनाकर पेस्ट बना लें)
- हल्दी पाउडर: 1 टीस्पून
- धनिया पाउडर: 2 टीस्पून
- लाल मिर्च पाउडर: 2 टीस्पून
- काली मिर्च पाउडर: 1 टीस्पून
- जीरा पाउडर: 1½ टीस्पून
- चिकन: 500 ग्राम (कटा हुआ)
- काजू पेस्ट: 60 ग्राम (भूनकर पेस्ट बना लें)
- नमक: स्वाद के अनुसार
- गरम मसाला: 1 टीस्पून
- हरा धनिया: गार्निश के लिए

विधि

सबसे पहले पैन में तेल गर्म करके उसमें लौंग, दालचीनी और इलायची को भून लें। अब इसमें 150 ग्राम प्याज डालकर गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई करें, फिर इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर तब तक भूनें जब तक उसका रंग सुनहरा न हो जाए। अब इसमें हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, काली मिर्च पाउडर और जीरा पाउडर डालकर कुछ मिनट तक पकाएं। इसके बाद चिकन को इसमें मिक्स करके तब तक पकाएं जब तक यह सॉफ्ट न हो जाए। फिर काजू पेस्ट, स्वाद के अनुसार नमक और 1 टीस्पून गरम मसाला पाउडर डालकर तब तक पकाएं, जब तक चिकन पूरी तरह से पक न जाए। अब इसे हरे धनिया के साथ गार्निश करें। लीजिए आपका मुर्ग अफगानी बनकर तैयार है। अब आप इसे नान के साथ गर्मा-गर्म सर्व करें।

नारियल पाग

- सूखा नारियल (कद्दूकस किया हुआ): 3 कप
- चीनी: 2 कप
- मेवा (काजू, किशमिश और बादाम): आधा कप
- पानी: 2 कप
- घी: आवश्यकता के अनुसार

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाही में चीनी और पानी डालकर चाशनी तैयार कर लें। इस बात का ध्यान रखें कि चाशनी गाढ़ी होनी चाहिए। अब एक थाली में घी लगाकर उसको अच्छे से चिकनाकर दें। इसके बाद तैयार की गई चाशनी में कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर अच्छे से मिला लें। चाशनी और नारियल से तैयार किया हुआ मिश्रण थाली में फैला दें। अब ऊपर से बारीक कटा हुआ मेवा डालकर चम्मच की मदद से दबा दें। ठंडा होने पर इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपकी नारियल पाग मिठाई तैयार है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने होटल के मालिक को कहा-'जनाब ! इस समय आपका बिल चुकाने के लिये मेरे पास पैसे नहीं हैं.'

'फिक्र न करें !' होटल का मालिक बोला-'हम आपका नाम दीवार पर लिख देंगे. आप जब अगली बार आएं तो दे दीजिएगा.'

'मगर ऐसे तो सबको मालूम हो जायेगा !'

'कैसे मालूम होगा श्रीमान जी !' होटल के मालिक शान्त स्वर में बोला -'नाम के ऊपर आपका कोट जो टंगा होगा.'

□ □ □

एक अंग्रेज ने, हिन्दुस्तानी आदमी से कहा कि 'तुम्हारी मूंछ तो बहुत अच्छी है, तुम मुझे यह दे दो मैं तुम्हें मुँह मांगा दाम दूँगा.' यह सुनते ही वह आदमी घर के अंदर गया और अपने सिर के बाल काट के लाकर के अंग्रेज के हाथ में दे दिए. बालों को देखकर अंग्रेज बोला कि 'यह क्या मैंने तो तुम्हारी मूंछ मांगी थी, तुम बाल क्यों ले आए?' अंग्रेज की बात सुनते ही उस व्यक्ति ने कहा कि'माल हमेशा गोदाम से दिया जाता है न कि शोरूम से !'

□ □ □

जज-'तुमने एक ही दुकान में चार बार चोरी क्यों की ?'

चोर-'साहब पहली तीन बार मेरी बीवी को कोई साड़ी पसंद नहीं आई थी, इसलिए !'

काकुरो पहेली - 4043

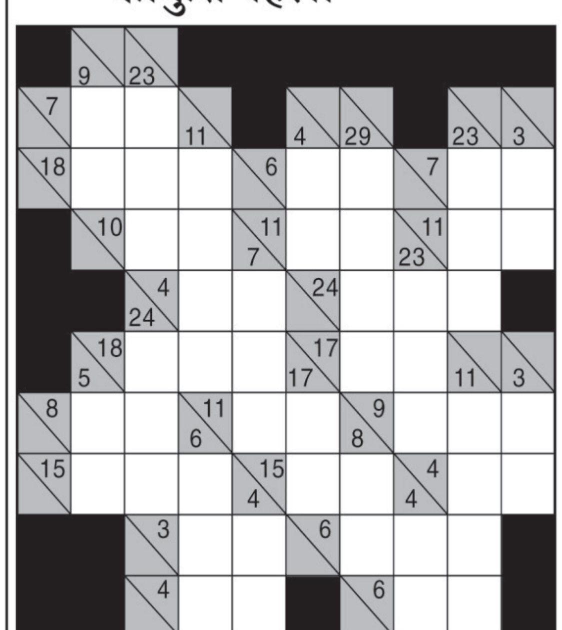

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

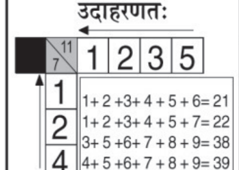

काकुरो - 4042 का हल

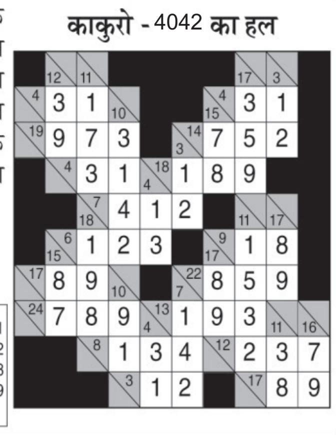

फिल्म वर्ग पहेली - 4043

बायें से दायें:-

१. अमोल पालेकर, जरीना की 'दो दीवाने शहर में' गीत वाली फिल्म-३
३. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली अक्षयकुमार, मधु की फिल्म-३
६. सुनीलदत्त, नूतन की 'सावन का महीना' गीत वाली फिल्म-३
७. 'ये हवाएं सर्द हैं' गीत वाली राजेश, मिथुन, शबाना की फिल्म-४
१०. फिल्म 'नरसिम्हा' में नायक कौन था-२
११. 'तुम को कितना है प्यार' गीत वाली फिल्म-२
१२. 'आवाज दे कहाँ है दुनिया मेरी जवां है' की गायिका कौन थी-४
१४. 'अनपढ़' में धर्मेन्द्र की नायिका-२
१५. फिल्म 'देवदास' में 'चंद्रमुखी' कौन बनी है?-३
१६. 'दिन प्यार के आये रे' गीत वाली शेखर, कामिनी कौशल की फिल्म-२
१७. अमिताभ, शशिकपूर, शत्रुध्न, राखी, परवीन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
१८. शशिकपूर, जीनत की 'लैला ने भी प्यार किया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सुना था देखा न था' गीत वाली आफताब, उर्मीला की फिल्म-२
२१. आमिर, माधुरी की 'खभे जैसी खड़ी हैं' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'ब्लैकमेल' में नायिका कौन थी?-२
२३. अक्षय, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'ऊपरवाला दुखियों की' गीत वाली दिलीप, सायरा बानो की फिल्म-३
२८. प्रसिद्ध बालगीत 'आओ बच्चों तुम्हें दिखायें' किस फिल्म का हैं?-३
२९. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
३०. प्रदीपकुमार, वैजयंती की 'जादूगर सैंया' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'आजकल पाँव जमीं पर' गीत वाली फिल्म-२
२. 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
३. अक्षय कुमार, करिश्मा की 'सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'काली नागिन के जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. राज कपूर, नर्गीस की 'ये शाम की तनहाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
८. 'बात बात में रूठो ना' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
९. 'शोला और शबनम' में नायिका कौन थी-३
१०. फिल्म 'सनम बेवफा' में चांदनी के साथ नायक कौन था?-४
१२. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम की फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'काले लिबास में बदन' गीत वाली इंद्रकुमार, आयशा की फिल्म-३
१७. जॉय मुखर्जी, सायरा की 'उड़ के पवन के संग' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'ऐ दीवाने दिल' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-३
२१. 'हाँ हाँ ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-३
२४. फिल्म 'अंखियों से गोली मारे' की नायिका कौन है?-३
२५.'काश तुम मुझ' गीत वाली संजय, रवीना, करिश्मा की फिल्म-३
२६. 'सपने में मिलती है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'भूत' में पुलिस इंस्पेक्टर की भूमिका किसने की है?-२
२८. 'नैनों में महबूब के' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4042

सूडोकु -4043

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4042 हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 4043

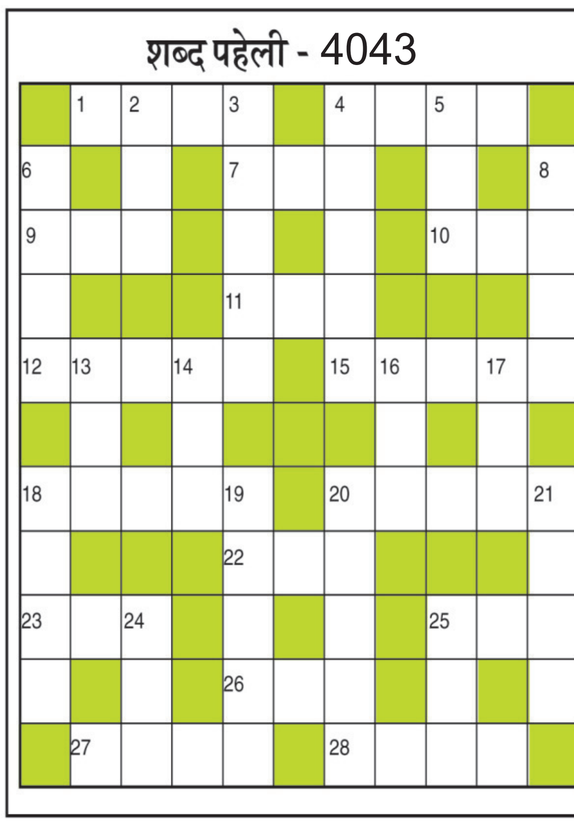

बाएँ से दाएँ

1.बेजोड़-4
4.परिचय,निशान-4
7.कला-3
9.सज्जनता,चरित्र, आदर्श-3
10.प्रथा,रिवाज-3
11.उपस्थिति-3
12.सेन्धमार-5
15.शयनागार,बेडरूम, आरामगाह-3,2
18.तड़के,सुबह सवेरे-5
20.चुगली करना-2,3
22.मैला,गंदा-3
23.रसद,आहर पदार्थ-3
25.प्रणाम,नमस्कार-3
26.तोलने का यंत्र, तकड़ी-3
27.स्थायी,प्राचीन-4
28.हुकूमत,राजगद्दी-4

ऊपर से नीचे

2.मुलाकात,मिलाप-3
3.खून से लथपथ-5
4.लालन-पालन-5
5.सेवक,नौकर,दास-3
6.धोखेबाज-4
8.समान,एक जैसा-4
13.पंकज,जलज-3
14.आघात,चोट-3
16.भरोसा,विश्वास-3
17.कुली,पालकी वाहक-3
18.जुर्म,गुनाह-4
19.स्वदेश वासी-5
20.शतपदी, कनखजूरा-5
21.अहमक, मूर्ख-4
24.स्नान करना-3
25.सम्मान, पगड़ी-3

शब्द पहेली 4042 का हल

पुडुचेरी में 4 मई को मतगणना, तीन-स्तरीय सुरक्षा के साथ 3,000 से अधिक सुरक्षाकर्मी तैनात

एजेंसी

पुडुचेरी। केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में आगामी 4 मई को होने वाली विधानसभा चुनाव की मतगणना को लेकर प्रशासन ने व्यापक और कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है। कुल मिलाकर 3,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी में लगाए गए हैं। पुडुचेरी में 9 अप्रैल को विधानसभा चुनाव संपन्न हुए थे, जिसमें 30 सीटों के लिए 1,099 मतदान केंद्रों पर मतदान कराया गया था। इस चुनाव में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रिकॉर्ड 91.69 प्रतिशत मतदान दर्ज कराया था। ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच अलग-अलग स्थानों पर सुरक्षित स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। पुडुचेरी क्षेत्र की ईवीएम मशीनें लासपेट स्थित सरकारी महिला इंजीनियरिंग कॉलेज, नेहरू पॉलिटेक्निक कॉलेज और टैगोर सरकारी कला कॉलेज में सुरक्षित रखी गई हैं। वहीं कराईकल की पांच सीटों की ईवीएम करुणानिधि पोस्ट ग्रेजुएट सेंटर में, माहे की ईवीएम सरकारी उच्च माध्यमिक विद्यालय में तथा यनम की ईवीएम सरकारी कला कॉलेज में रखी गई हैं। इन सभी मतगणना केंद्रों पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है, जिसमें स्थानीय पुलिस के साथ अर्धसैनिक बलों की तैनाती शामिल है। हर केंद्र पर चौकसी बढ़ा दी गई है और लगातार निगरानी की जा रही है।

उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर में चार बच्चों की हत्या

अम्बेडकर नगर। उत्तर प्रदेश के अम्बेडकर नगर जिले के अकबरपुर थाना क्षेत्र स्थित एक मोहल्ले में चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले। घटना के बाद से बच्चों की मां लापता है। पुलिस को शुरुआती तौर पर शक है कि महिला ने ही अपने चारों बच्चों की हत्या की होगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि अकबरपुर क्षेत्र के मीरानपुर मोहल्ले का नियाज (42) सऊदी अरब में रहकर काम करता है। उसकी पत्नी गासिया खातून (37) चार बच्चों शफीक (14), सउद (10), उमर (8) और बेटी बयान बानो (7) के साथ यहां रहती थी। शनिवार दोपहर तक महिला के घर का दरवाजा नहीं खुला तो आस-पड़ोस के लोगों को शक हुआ। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस दरवाजा तोड़कर कमरे में पहुंची तो खून से लथपथ चारों बच्चों के शव पड़े मिले। इसके बाद फारेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। घटना के बाद से महिला लापता है। आशंका जताई जा रही है कि अपने ही बच्चों की हत्या कर महिला फरार हो गयी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि प्रथमदृष्टया लगता है कि महिला ने ही अपने चारों बच्चों की हत्या की है और फरार हो गयी है। फिलहाल पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ साक्ष्य जुटाते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की तलाश की जा रही है।

पुलवामा में आतंकी सहयोगी गिरफ्तार, हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

पुलवामा। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के राजपोरा में सुरक्षाबलों ने संयुक्त सर्च अभियान के दौरान एक आतंकी सहयोगी को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों ने उसके पास से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद की है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह अभियान पुलवामा पुलिस ने सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 183 बटालियन के समन्वय से विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर चलाया। संयुक्त टीम ने राजपोरा में सीबी नाथ रोड के किनारे कस्बायार इलाके में तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान काचीपोरा निवासी मोहम्मद उमर मलिक नामक एक आतंकी सहयोगी को गिरफ्तार किया गया। सुरक्षा बलों ने उसके पास से हथियार, विस्फोटक और अन्य सामग्री बरामद की, जिनमें एक पिस्तौल, मैगजीन, जिंदा कारतूस और दो हथगोले शामिल हैं। राजपोरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर संख्या 75/2026 दर्ज करते हुए आरोपित के खिलाफ शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार आगे की जांच जारी है।

आरेडिका रायबरेली में बना पहले वंदे भारत ट्रेनसेट डायनेमिक टेस्टिंग के लिए रवाना

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) ने अपने पहले 16 कोच वाले वंदे भारत चेयर कार ट्रेनसेट को डायनेमिक टेस्टिंग और फील्ड ट्रायल के लिए रवाना कर एक नया इतिहास रच दिया। इसके साथ ही आरेडिका ने वंदे भारत ट्रेनसेट निर्माण में अपनी औपचारिक एंट्री दर्ज कर ली है। रेल मंत्रालय के अनुसार यह ट्रेन अत्याधुनिक सीमेंस प्रोपल्शन सिस्टम से लैस है और नियमित सेवा में शामिल होने से पहले इसका ऑसिलेशन परीक्षण किया जाएगा। इसके जरिए ट्रेन की राइड क्वालिटी, सुरक्षा मानकों और गतिशील प्रदर्शन का विस्तृत मूल्यांकन किया जाएगा। आरेडिका द्वारा निर्मित इस ट्रेनसेट में विश्वसनीयता और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कई उन्नत इंजीनियरिंग सुधार किए गए हैं। इसमें आरामदायक सीटें, झटके रहित यात्रा, पूरी तरह सील्ड गैंगवे और शोर कम करने के लिए ऑटोमैटिक प्लग डोर जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से ट्रेन में स्वदेशी 'कवच' ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम, उन्नत अग्नि पहचान प्रणाली (एरोसोल आधारित अग्निशमन के साथ) और अंडर स्लंग उपकरणों के लिए सुरक्षा व्यवस्था शामिल की गई है।

महाराष्ट्र सीएम ने 'हाउसिंग स्टॉक' के अधिकतम उपयोग के लिए नीति बनाने का आह्वान किया

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने प्रशासन को विभिन्न ढांचागत परियोजनाओं के कारण विस्थापित हुए नागरिकों के लिए आरक्षित आवासों ('आवास भंडार') के कुशल उपयोग के लिए एक व्यापक नीति तैयार करने का निर्देश दिया। यह निर्देश केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले मुंबई उत्तर लोकसभा क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मुद्दों की समीक्षा के लिए आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान जारी किया गया। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कई ढांचागत परियोजनाएं वर्तमान में चल रही हैं, जिनसे शहर की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे केंद्रीय एजेंसियों के स्वामित्व वाली उन जमीनों का संयुक्त सर्वेक्षण करें जहां विकास परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि अनुमोदन प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, केंद्र सरकार से संबंधित सभी भूमि मामलों को शामिल करते हुए एक समेकित प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अधिकार क्षेत्र में विचाराधीन भूमि मामलों की निगरानी के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा ताकि न्यायालय के निर्देशों के अनुसार समय पर उनका समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक विस्तार और जन स्वास्थ्य सुधारों पर भी चर्चा की। उन्होंने छत्रपति संभाजी नगर के शेंद्रा-बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में भूमि उपलब्धता के संबंध में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) से संपर्क करने का निर्देश दिया। दिघी औद्योगिक क्षेत्र में अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने को भी कहा। उन्होंने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को शताब्दी और भगवती अस्पतालों को आधुनिक उपकरणों, बेहतर स्वच्छता और पर्याप्त कर्मचारियों से सुसज्जित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई के सभी निवासियों तक नागरिक सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए गांव (पैतृक गांवों) के मानचित्रण को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। दिल्ली के भारत मंडपम की तर्ज पर, गोराई क्षेत्र में एक विश्व स्तरीय सम्मेलन केंद्र प्रस्तावित किया गया है। इसकी व्यावसायिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए एक मास्टर प्लान तैयार किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तरी मुंबई के लिए कौशल विकास और सामाजिक कल्याण पहलों पर जोर दिया।

कैबिनेट विस्तार पर कांग्रेस हाईकमान का फैसला सभी को मानना होगा - कर्नाटक मंत्री

एजेंसी

शिवमोगा। कर्नाटक के शहरी विकास मंत्री और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी बायराठी सुरेश ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार का फैसला कांग्रेस हाईकमान के हाथ में है और पार्टी के सभी नेताओं को उसका पालन करना होगा। उन्होंने कहा, 'हाईकमान ने हमें सरकार चलाने की जिम्मेदारी दी है और जब तक हम सत्ता में हैं, जनता के लिए काम करते रहेंगे।' उन्होंने यह भी कहा कि कैबिनेट में फेरबदल एक सकारात्मक कदम होगा, क्योंकि इससे अधिक नेताओं को मौका मिलेगा।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के मुद्दे पर सुरेश ने केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें बढ़ने से स्वाभाविक रूप से बिजली शुल्क भी बढ़ता है।विकास कार्यों का जिक्र करते हुए मंत्री ने बताया कि महात्मा गांधी शहरी विकास योजना के तहत करीब 200 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य की नगर निगमों को कुल 2,600 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिनमें शिवमोग्गा समेत 13 सिटी कॉरपोरेशन शामिल हैं। सुरेश ने कहा कि टेंडर प्रक्रिया शुरू हो

चुकी है और कार्य आरंभ करने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, 'मैं आज यहां भूमिपूजन करने आया हूं।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व में सरकार 'सर्वे जना सुखिनो भवन्तु' यानी सबके कल्याण के सिद्धांत पर काम कर रही है। विधायकों की पार्टी संबद्धता देखे बिना धनराशि जारी की गई है, ताकि अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंच सके। यह राशि बुनियादी ढांचे के विकास के लिए दी जा रही है। स्मार्ट सिटी परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कई कार्य पूरे हो चुके हैं, लेकिन अनेक परियोजनाएं अभी लंबित हैं। विकास कार्य नियमित और बिना रुकावट जारी रहने चाहिए। कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर सुरेश ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने चुनाव के बाद गैस के दाम बढ़ाए और समाज में विभाजन पैदा करने का काम किया।

उन्होंने कहा, 'पहले भाजपा नेता 5 या 10 रुपये की बढ़ोतरी पर भी विरोध करते थे। अब इतनी बड़ी बढ़ोतरी के बाद गरीब लोग कहां जाएं?' सुरेश ने कहा कि सिद्धारमैया सरकार ने पांच गारंटी योजनाएं लागू की हैं, जिनसे लोगों को कुछ राहत मिली है। साथ ही उन्होंने भाजपा शासित राज्यों की आलोचना करते हुए कहा कि वहां जनता परेशानियों का सामना कर रही है।

मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती: टीएमसी ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का किया स्वागत

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय सरकारी कर्मियों की तैनाती संबंधी भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के परिपत्र पर सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का स्वागत किया। एक बयान में पार्टी ने दावा किया कि यह निर्देश मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के लिए एक झटका है। तृणमूल कांग्रेस ने अपने बयान में दावा किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों ने उसके रुख को सही ठहराया है। उसने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के समक्ष उठाया गया मुद्दा उक्त आदेश के कार्यान्वयन से संबंधित था, जिसके तहत केवल केंद्र सरकार/केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के कर्मचारियों को ही मतगणना पर्यवेक्षक और मतगणना सहायक के रूप में नियुक्त किया जा रहा था। पार्टी ने कहा कि यह बात स्पष्ट की गई थी कि आदेश की ऐसी व्याख्या और कार्यान्वयन निष्पक्ष और संतुलित मतगणना प्रक्रिया के ढांचे के विपरीत होगा।

इसमें आगे कहा गया कि पक्षों

की सुनवाई के बाद, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि मतगणना पर्यवेक्षकों और मतगणना सहायकों की नियुक्ति से संबंधित 13 अप्रैल, 2026 के पत्र के खंड 1 को उसी पत्र के दूसरे पृष्ठ में दिए गए मुख्य बिंदु के साथ पढ़ा जाना चाहिए, जिसमें राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों के कर्मचारियों के यादृच्छिक चयन का प्रावधान है।

तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दामा शेषाद्री नायडू के इस आश्वासन को भी दर्ज किया है कि पत्र का अक्षरशः पालन किया जाएगा। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को देखते हुए यह उम्मीद की जाती है कि मतगणना निष्पक्ष, पारदर्शी और संतुलित तरीके से की जाएगी।

तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि उपरोक्त के मद्देनजर यह उम्मीद की जाती है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार मतगणना की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और संतुलित तरीके से संपन्न की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की उस याचिका पर आगे कोई आदेश आवश्यक नहीं है, जिसमें कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा 13 अप्रैल के परिपत्र को खारिज किए जाने को चुनौती दी गई है।

न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और जॉयमाल्य बागची की विशेष पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग मतगणना कर्मियों का चयन कर सकता है, और उसका 13 अप्रैल का परिपत्र, जिसमें राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है, गलत नहीं कहा जा सकता। चुनाव आयोग ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस द्वारा लगाए गए किसी भी तरह के उल्लंघन के आरोप निराधार हैं, क्योंकि परिपत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मतदान में केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारी दोनों शामिल होंगे। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को आश्वासन दिया कि परिपत्र का अक्षरशः पालन किया जाएगा और 4 मई को मतगणना के दौरान राज्य सरकार के कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे। पश्चिम बंगाल विधानसभा की 294 सीटों के लिए मतदान दो चरणों में हुआ था–23 अप्रैल और 29 अप्रैल को। मतगणना 4 मई को होगी।

महाराष्ट्र 12वीं का परिणाम घोषित : 89.79 प्रतिशत विद्यार्थी उत्तीर्ण

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षा मंडल ने फरवरी-मार्च 2026 में आयोजित उच्च माध्यमिक प्रमाणपत्र (कक्षा 12वीं) परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया।

इस वर्ष राज्य का कुल परिणाम 89.79 प्रतिशत रहा, जो पिछले वर्ष के 91.88 प्रतिशत की तुलना में 2.09 प्रतिशत कम है। हर साल की तरह इस बार भी लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 93.15 रहा, जबकि लड़कों का परिणाम 86.80 प्रतिशत है। राज्य के 9 विभागीय मंडलों से कुल 14,44,713 नियमित विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया था। इनमें से 14,33,058 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए और 12,86,843 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। निजी विद्यार्थियों में 36,941 में से 29,634 विद्यार्थी (80.21%) पास हुए, जबकि 50,346 पुनर्परीक्षार्थियों में से 18,349 विद्यार्थी (36.44%) सफल रहे। विभागवार परिणाम में कोकण विभाग ने 94.14 प्रतिशत के साथ राज्य में पहला स्थान प्राप्त किया। पुणे (91.25फीसदी) और अमरावती (90.92फीसदी) क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। इसके बाद नाशिक (90.72फीसदी), मुंबई (90.08फीसदी), कोल्हापुर (89.97फीसदी), छत्रपति संभाजीनगर (88.68फीसदी) और नागपुर (88.67फीसदी) का स्थान रहा। लातूर विभाग का परिणाम 84.14 प्रतिशत रहा, जो राज्य में सबसे कम है।

मध्यप्रदेश में प्रशासनिक व्यवस्था चरमराई, केंद्र दखल दे - जीतू पटवारी

एजेंसी

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था के पूरी तरह गड़बड़ाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार से दखल देने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने प्रदेश में लगातार हो रहे बड़े हादसों, सामूहिक मौतों, किसानों की बदहाली, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अब केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें सामूहिक रूप से लोगों की जान जा रही है। यह केवल हादसे नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही से हो रही मौतें हैं। राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह शून्य हो चुकी है। जीतू पटवारी ने

कहा कि वे इस गंभीर स्थिति को लेकर राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को पत्र लिख रहे हैं, ताकि मध्य प्रदेश की विफल शासन व्यवस्था पर केंद्र सरकार संज्ञान ले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी तक सुरक्षित नहीं है, जहरीले पानी से लोगों की जान जा रही है। दवाइयों की लापरवाही से 26 बच्चों की मौत होना अत्यंत दुखद और शर्मनाक है। एनजीटी की आपत्तियों के बावजूद क्रूज संचालन किया गया, जिसकी लापरवाही से नौ लोगों की जान गई। बरगी डैम से जब शव निकाले जा रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री राजभवन में लोक नृत्य देखने में व्यस्त थे। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। पटवारी ने कहा कि आदिवासी अंचलों में परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हादसों में लगातार आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही है। प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार और अत्याचार चरम पर है। अगर आज मध्य प्रदेश में सर्वे करा लिया जाए तो 10 प्रतिशत लोग भाजपा को चुनेंगे और 90 प्रतिशत लोग कांग्रेस को। अब भाजपा सरकार की प्रदेश से उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

जम्मू से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू, यात्रियों ने बताया ऐतिहासिक क्षण

एजेंसी

जम्मू। जम्मू से श्रीनगर तक विस्तारित वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शनिवार से शुरू हो गया है। यात्रियों ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया और कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को आर्थिक रूप से भी लाभ होगा। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल में जम्मू तवी रेलवे स्टेशन से विस्तारित श्रीनगर-कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस को रवाना किया था, जिसका आज विधिवत संचालन शुरू हो गया है। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह संचालन शुरू हुआ है। यात्रियों ने इस कदम का स्वागत करते हुए इसे बेहतर कनेक्टिविटी, यात्रा के समय में कमी और क्षेत्र के आर्थिक विकास की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। यात्रियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के उद्घाटन के बाद यह ट्रेन आज से नियमित रूप से चलने लगी है और हम उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं। इस ट्रेन से कई चीजें बदलेंगी और जम्मू-कश्मीर के लोगों को भी इससे आर्थिक रूप से लाभ होगा। जम्मू तवी और श्रीनगर के बीच चलने वाली नई वंदे भारत एक्सप्रेस न केवल यात्रियों का समय बचा रही है, बल्कि पहाड़ों के बीच एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव दे रही है। जम्मू तवी से श्रीनगर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ने लगभग 270 किलोमीटर की दूरी तय की। जम्मू तवी से श्रीनगर पहुंचने में वंदे भारत एक्सप्रेस को 04 घंटे 50 मिनट का समय लगा। पहले इस सफर में सड़क मार्ग से 7 से 8 घंटे लग जाते थे लेकिन अब वंदे भारत के जरिए यह दूरी काफी कम समय में और बिना किसी थकान के पूरी की जा सकेगी। इस ट्रेन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्टेशन पर भी रुकेगी। इससे उन श्रद्धालुओं के लिए बड़ी राहत मिलेगी जो माता के दर्शन के बाद कश्मीर की सैर पर जाना चाहते हैं। अब कटरा और श्रीनगर के बीच कनेक्टिविटी और भी बेहतर हो गई है।

राजस्थान के आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषाहार वितरण 86 प्रतिशत हुआ

एजेंसी

जयपुर। प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के तहत गुणवत्तापूर्ण कौशल की ट्रेनिंग दिए जाने के निर्देश। उन्होंने भविष्य में एआई की चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए बालिकाओं और महिलाओं को कौशल विकास के प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ए आई के इस दौर में तकनीकी प्रशिक्षण से ही महिलाओं की आजीविका सुनिश्चित हो सकती है। उन्होंने इस हेतु महिला अधिकारिता निदेशालय द्वारा गुणवत्ता पूर्ण तकनीक आधारित प्रशिक्षण दिए जाने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने शनिवार शासन सचिवालय में उनकी अध्यक्षता में तथा महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार की उपस्थिति में विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की आयोजित समीक्षा बैठक में उक्त निर्देश दिए। दिया कुमारी ने लाडो प्रोत्साहन योजना पर चर्चा कर, पात्र लाभार्थियों को समय पर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ने काली बाई भील उड़ान योजना की समीक्षा करते हुए योजना का प्रभावी क्रियान्वयन करने के लिए आवश्यक उपाय किये जाने के निर्देश

दिए। इसी के साथ उन्होंने शिक्षा सेतु योजना और मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना और मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम योजना की भी समीक्षा की। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने बैठक में राज्य सरकार की बजट घोषणाओं का समयबद्ध से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। उपमुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर मूलभूत सुविधाएं जैसे विद्युत, पेय जल और क्रियाशील शौचालय के कार्यों में तीव्र प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने राज्य में आंगनबाड़ी केंद्रों पर आधारभूत सुविधाएं विकसित करने हेतु निर्माण एवं मरम्मत के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि जो निर्माण कार्य पूरे हो गए हैं उनका उच्चाधिकारी निरीक्षण कर भौतिक सत्यापन करें। इसी प्रकार उन्होंने प्रगतिरत कार्यों का भी निरीक्षण कर उनमें तेजी लाने के निर्देश दिए इसके साथ ही उन्होंने अप्रारम्भ कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि ये कार्य अप्रारम्भ क्यों हैं इसका समाधान कर कार्य शीघ्र प्रारम्भ करवाये जाने के निर्देश भी दिए।

अरुणाचल प्रदेश के कामले जिला में 2.4 तीव्रता का भूकंप

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के कामले जिला में दोपहर को मध्य तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप से कहीं से किसी भी तरह के

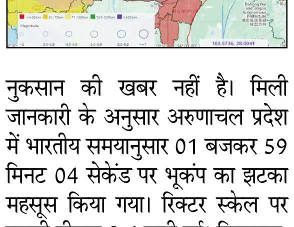

नुकसान की खबर नहीं है। मिली जानकारी के अनुसार अरुणाचल प्रदेश में भारतीय समयानुसार 01 बजकर 59 मिनट 04 सेकेंड पर भूकंप का झटका महसूस किया गया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.4 मापी गई। फिलहाल, भूकंप से किसी भी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।भारतीय सिस्मोलॉजी केंद्र के अनुसार भूकंप का केंद्र अरुणाचल प्रदेश के कामले जिले में जमीन में 05 किलोमीटर नीचे स्थित था। भूकंप का एपी सेंटर 27.865 उत्तरी अक्षांश तथा 94.239 पूर्वी देशांत्तर पर स्थित था।

हैदराबाद में 6,000 लोगों ने एक साथ किया भुजंगासन, एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज उपलब्धि

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के कान्हा शांति वनम में 6,000 से ज्यादा योग प्रेमियों ने एक साथ 'भुजंगासन' किया। एक अधिकारी ने बताया कि एक ही समय पर यह आसन करने वाले लोगों की सबसे बड़ी भीड़ के तौर पर उनका नाम 'एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो गया है। आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव और केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने इस एशियाई रिकॉर्ड को बनाने में प्रतिभागियों का नेतृत्व किया।

'योग महोत्सव' के लिए हजारों उत्साही लोग इकट्ठा हुए, जो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की 50-दिन की उलटी गिनती की शुरुआत का प्रतीक था। इस कार्यक्रम का आयोजन आयुष मंत्रालय के तहत मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान द्वारा किया गया था।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने कहा कि योग केवल भारत की प्राचीन विरासत ही नहीं, बल्कि मानवता के

लिए एक अनमोल उपहार है। आज दुनिया भर के नेता, पेशेवर और आम लोग योग का अभ्यास करते हैं और इससे लाभ उठाते हैं।

उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के लिए हमें एक स्वस्थ, शांतिपूर्ण और अनुशासित समाज का निर्माण करना होगा। योग आज की आधुनिक चुनौतियों, जैसे तनाव, अस्वस्थ जीवनशैली और प्रदूषण का एक व्यावहारिक और किफायती समाधान प्रदान करता है। रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद, जिसे पहले से ही नवाचार और प्रौद्योगिकी के लिए विश्व स्तर पर पहचान मिली हुई है, उसे अब योग और समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में भी उभरना चाहिए।जाधव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग समग्र कल्याण के लिए एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, जो शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन को बढ़ावा देता है। उन्होंने कल्याण और स्वास्थ्य पर्यटन के क्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि योग ने कल्याण और समग्र स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक केंद्र के रूप में देश की पहचान को और मजबूत किया है। हाल ही में शुरू की गई 'योग 365' पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि योग 365 अभियान के माध्यम से, आयुष मंत्रालय, हैबिल्ड और एमडीएनआईवाई के सहयोग से, नागरिकों को योग को अपने दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है।

21 जून तक 100-दिवसीय निःशुल्क योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसका लक्ष्य 1 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना और 'योग मित्र' प्रमाणन प्रदान करना है। मंत्री ने घोषणा की कि अगला 'योग महोत्सव' मध्य प्रदेश के खजुराहो में आयोजित किया जाएगा, जो आईडीवाई 2026 की 25-दिवसीय उलटी गिनती का प्रतीक होगा।

पंजाब पुलिस ने शंभू रेलवे ट्रैक विस्फोट केस को सुलझाया, मुख्य साजिशकर्ता का सहयोगी गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़/पटियाला। पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित आईएसआई आतंकी नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए तीन प्रमुख आतंकी घटनाओं–सीआईए मोगा ग्रेनेड हमला, सरहिंद रेलवे ट्रैक विस्फोट और हाल ही में शंभू रेलवे ट्रैक विस्फोट–के मुख्य साजिशकर्ता जगरूप सिंह के एक प्रमुख सहयोगी की गिरफ्तारी के बाद सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। यह जानकारी पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने यहां दी। यह अभियान अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी), पठानकोट स्थित काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) और पटियाला जिला पुलिस का संयुक्त प्रयास था। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गुरदासपुर के बिधिपुर निवासी गुरजिंदर सिंह उर्फ ??बाबा बेअंत के रूप में हुई है। यह घटनाक्रम सोमवार रात पटियाला जिले के शंभू के पास रेलवे ट्रैक पर हुए विस्फोट की जांच के सिलसिले में सामने आया है। इस विस्फोट में जगरूप सिंह उर्फ ??जुपा की मौत हो गई, जो एक आईईडी लगाने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने प्रदीप सिंह खालसा, कुलविंदर सिंह उर्फ बग्गा, सतनाम सिंह उर्फ सत्ता और गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी सहित चार कट्टरपंथी व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके पास से एक हैंड ग्रेनेड, दो .30 बोर पिस्तौल, अत्याधुनिक संचार उपकरण और लैपटॉप बरामद किए हैं। इसके बाद मृतक जगरूप के भाई सतनाम उर्फ सत्ता के खुलासे पर पुलिस ने एक रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी), हैंड ग्रेनेड, विस्फोटक और उच्च श्रेणी की पिस्तौल सहित भारी मात्रा में आतंकवादी उपकरण बरामद किए हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गुरजिंदर और जगरूप लंबे समय से एक-दूसरे के सहयोगी थे और शंभू विस्फोट वाले दिन दोनों ने पकड़े जाने से बचने के लिए राजपुरा की यात्रा अलग-अलग की थी। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गुरजिंदर विस्फोट के समय घटनास्थल पर मौजूद था, लेकिन दूरी पर खड़े होने के कारण वह बाल-बाल बच गया। उन्होंने आगे बताया कि जगरूप की समय से पहले हुए विस्फोट में मौत हो जाने के बाद ही गुरजिंदर घटनास्थल से भागा। डीजीपी ने कहा कि गुरजिंदर सिंह से पूछताछ में तीनों आतंकी कृत्यों - 7 नवंबर, 2025 को सीआईए मोगा पर ग्रेनेड हमला, 23 जनवरी, 2026 को सरहिंद रेलवे ट्रैक विस्फोट और 27 अप्रैल, 2026 को शंभू विस्फोट - के बीच स्पष्ट संबंध सामने आया है।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई ।
आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है। इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिका में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई ।
मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछ्ले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है। आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं। दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार

यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर। इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

आईपीएल सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई ।
चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है। इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है।

अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है। वहीं मुंबई इंडियंस को इस हार से करारा झटका लगा है। वह अब नौवें स्थान पर बनी हुई है। आईपीएल 2024 में खेले गए नौ मैचों में से उसे केवल सिर्फ दो में जीत मिली है। इससे अब उसके

शीर्ष-4 में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अगर मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांच मैच भी जीत जाती है, तो लीग स्टेज के अंत में उनके पास केवल 14 अंक होंगे। हालांकि, पिछले चार आईपीएल सीजन के आंकड़ों पर गौर करें तो सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी टीम ने लीग स्टेज में 14 अंक लेकर प्लेऑफ में जगह बनाई हो।

भारतीय टीम शायद ही बांग्लादेश दौरे पर जाये - सैकिया

मुम्बई ।
भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) का बांग्लादेश दौरा संकट में पड़ता नजर आ रहा है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के बांग्लादेश दौरे को लेकर ताजा बयान से ये ही संकेत मिले हैं। सैकिय ने कहा, आईपीएल के बाद हमारा घरेलू शेड्यूल काफी व्यस्त है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज है, उसके बाद इंग्लैंड का दौरा है। इस दौरे के बाद हम सत्र के बाकी हिस्से पर विचार करेंगे।

बीसीसीआई सचिव के इस बयान को भारतीय टीम के आगामी व्यस्त कार्यक्रम से और बल मिलता है। आईपीएल 2026 के 31 मई को समाप्त होने के बाद, भारत का शेड्यूल इस प्रकार है- 6 से 10 जून तक मोहाली में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट। इसके बाद 14 से 20 जून के बीच धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी। फिर टीम इंडिया जून के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच और 1 से 19 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलने के लिए इंग्लैंउ एगी। इंग्लैंड में व्हाइट-बॉल सीरीज के बाद, भारत 23 से 26 जुलाई तक जिम्बाब्वे में तीन टी20 मैच खेलेगा। भारत का घरेलू सीजन 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और पांच टी20 मैचों की सीरीज से शुरू होगा, और इससे पहले श्रीलंका दौरे पर भी जाने की संभावना है।

यह स्पष्ट है कि भारतीय टीम का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है, और ऐसे में बांग्लादेश के साथ सीरीज के लिए समय निकाल पाना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे साफ है कि जिस प्रकार बांग्लादेश बोर्ड ने बीसीसीआई से संबंध खराब किये थे। उसे अब उनकी कीमत अदा करनी पड़ेगी।

राजस्थान रॉयल्स को त्तलसमूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई ।
आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है।

इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये।

इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है।

इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे।

नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे। मनोज बडाले, जिन्होंने 2008 में मात्र 67 मिलियन डॉलर में टीम खरीदी थी, अब एक सलाहकार की भूमिका में टीम से जुड़े रहेंगे।

इस अधिग्रहण पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा कि उन्हें क्रिकेट से बेहद प्यार है और उनका परिवार राजस्थान से जुड़ा है, ऐसे में राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनकर वे बहुत खुश हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से क्रिकेट खेलते और इस खेल को देखते आ रहे हैं।

वहीं आदित्य मित्तल ने भी आईपीएल टीम का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी व्यक्त की है जबकि अदार पूनावाला, जिन्होंने

पहले आरसीबी (रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु) के लिए बोली लगाई थी, उन्होंने आदित्य मित्तल के साथ साझेदारी करने पर प्रसन्नता जताई। पूनावाला ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स एक शानदार आईपीएल टीम है और वे इसकी भविष्य की तरक्की में अपना योगदान देने के लिए उत्सुक हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत अमनजोत की कमी खलेगी

मुम्बई ।
भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं।

हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है।

इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है।

राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं। वह पिछले 4-5 महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। उनकी जैसी खिलाड़ी ढूंढना मुश्किल था पर हम कोशिश कर रहे हैं। हमने राधा को टीम में वापस बुलाया है, वह भी एक ऑलराउंडर हैं।

वहीं इसके अलावा हरलीन देओल के स्थान पर भारती फुलमाली को शामिल किया गया है। टीम ने मध्यक्रम में अधिक आक्रामक बल्लेबाजी के लिए भारती को अवसर दिया है। हरमनप्रीत ने कहा कि टी20 मे मध्यक्रम की जरुरतों को देखते हुए ही भारती को शामिल करना अधिक सही रहेगा। हरलीन हालांकि अभी भी टेस्ट टीम का हिस्सा बनी हुइ हैं।

हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज हारने के बावजूद, कप्तान का ध्यान खेल के महत्वपूर्ण चरणों में अपनी रणनीति को सही ढंग से लागू करने पर है। उन्होंने टी20 में पावरप्ले की भूमिका को अहम बताया, जहाँ बल्लेबाजी करते हुए अधिकतम रन बनाना और गेंदबाजी करते हुए विकेट लेना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, हम पावरप्ले और मिडिल-ओवर्स, दोनों के लिए कड़ी मेहनत करना चाहते हैं, क्योंकि ये भी खेल में बड़ी भूमिका निभाते हैं। हमारे पास एक योजना है और हमने दक्षिण अफ्रीका के दौरे से जो कुछ भी सीखा है, उसे हम यहां लागू करेंगे। हरमनप्रीत ने टीम चयन में निरंतरता बनाए रखने पर भी जोर दिया और जेमिमा रोड्रिग्स जैसी खिलाड़ियों का समर्थन करते हुए कहा कि वे आगे भी अच्छा प्रदर्शन करती रहेंगी।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई ।
आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है।

इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है।

इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है। यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले। मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं।

उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है।

यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं।

इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया। कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

चयन ट्रायल में भाग नहीं ले सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआइ) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछ्ले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी। महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है। इस गंभीर स्थिति के कारण 5 मई को शुरू होने वाली मूल्यांकन प्रक्रिया को एक दिन के लिए स्थगित कर दिया गया है, और अब यह 6 मई से शुरू होगी। यह देरी सीधे तौर पर इन मुक्केबाजों के भविष्य पर असर डाल रही है, क्योंकि चयन प्रक्रिया की समय-सीमा नजदीक आ रही है। वहीं जिन मुक्केबाजों में से एक ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमें बताया गया था कि सीओएएस कप जीतने पर हमें शिविर में जगह मिल जाएगी। पिछ्ले साल भी यही नीति थी, इसलिए मुझे समझ नहीं आ रहा कि समस्या क्या है। चोट के कारण राष्ट्रीय चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाने के बाद, शिविर में शामिल होना और राष्ट्रमंडल व एशियाई खेलों के लिए प्रतिस्पर्धा करना मेरे लिए एकमात्र तरीका है। यह स्थिति उन एथलीटों के लिए सबसे बड़ी मुश्किले है जिन्होंने इन बड़े अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश का प्रतिनिधित्व करने की उम्मीदें पाल रखी हैं।यह घटना ऐसे समय में हुई है जब राष्ट्रमंडल खेल 23 जुलाई से 2 अगस्त तक बर्मिंघम, इंग्लैंड में होने वाले हैं, जबकि एशियाई खेल 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची और नागोया में निर्धारित हैं।

विनेश ने राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में बृजभूषण से सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी बोली किसी भी अप्रिय घटना के लिए सरकार होगी जिम्मेदार

नई दिल्ली ।
खेल में वापसी कर रहीं शीर्ष महिला पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि गोंडा में होने वाले आगामी राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट के दौरान वह अपनी और अपनी टीम की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। विनेश के अनुसार वह उन छह महिला पहलवानों में से एक हैं जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कराया था। गोंडा क्षेत्र में बृजभूषण का प्रभाव है और ऐसे में वह उनके या उनकी टीम के खिलाफ कोई किसी प्रकार की साजिश रच सकता है। विनेश ने सरकार को चेताया है कि अगर प्रतियोगिता के दौरान कोई भी अप्रिय घटना घटती है, तो इसके लिए केन्द्र सरकार जिम्मेदार होगी। डेढ़ साल के बाद संन्यास से वापसी कर रही विनेश ने एक वीडियो संदेश में आरोप लगाया कि गोंडा में बृजभूषण का दबदबा है। उन्होंने आशंका जतायी की बृजभूषण के करीबी व्यक्ति प्रतियोगिता में गड़बड़ी कर परिणामों को बदल सकते हैं, जिसमें रेफरी की नियुक्ति, अंकों का निर्धारण और मैट चेयरमैन का चुनाव जैसी महत्वपूर्ण बातें शामिल हैं। विनेश ने कहा, यह टूर्नामेंट ऐसी जगह आयोजित किया जा रहा है जहां उनका (बृजभूषण का) काफी प्रभाव है। किसी मुकाबले में कौन रेफरी होगा, कितने अंक दिए जाएंगे, मैट चेयरमैन कौन होगा, सब कुछ उनके और उनके लोगों के नियंत्रण में है। विनेश ने कहा, मैं उन छह महिला पहलवानों में से एक हूं जिन्होंने ब्रजभूषण के शिकायत दर्ज कराई है। मामला अभी अदालत में है और गवाहों से पूछताछ चल रही है। उससे जुड़े किसी स्थान पर प्रतिस्पर्धा करना, जहां अधिकतर लोग उससे संबंधित हो सकते हैं, मुझ पर अत्याधिक मानसिक दबाव बनाता है। उन्होंने संदेह व्यक्त किया कि ऐसे माहौल में वह अपना सौ फीसदी प्रदर्शन कर पाएंगी।

विनेश ने कहा कि वह देश के लिए फिर से पदक जीतना चाहती हैं पर वापसी की इस स्पर्धा में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी विशेष विशेषाधिकार की अपेक्षा नहीं है, केवल यह चाहती हैं कि परिणाम उनके प्रदर्शन के अनुकूल हों। विनेश ने पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मीडिया और खेल समुदाय से आयोजन स्थल पर उपस्थित रहने का आग्रह किया। विनेश गोंडा में महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि इससे पहले वह 50 किलोग्राम और 53 किलोग्राम वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर चुकी हैं।

पांड्या ने माना मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन हर क्षेत्र में खराब रहा

चेन्नई ।मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में मिली हार पर निराशा जतायी है। पांड्या ने ये भी माना है कि इस हार से उनकी टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को भी करारा झटका लगा है। सीएसके से मिली 8 विकेट की हार से मुम्बई के अब प्लेऑफ में पहुंचने बचे हुए सभी मैच जीतने के अलावा रन रेट को भी काफी बेहतर बनाना होगा। इसके अलावा अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजरें रखनी होंगी। इस हार के साथ ही मुम्बई अब तक खेले गए नौ मैचों में केवल दो जीत ही पाई है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, टीम के कप्तान पांड्या ने माना है कि उनकी टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। पांड्या ने कहा कि उनकी टीम हर क्षेत्र में सीएसके से पीछे रही। उन्होंने कहा, सीएसके ने हमसे बेहतर गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग की। पांड्या ने हालांकि ये भी दिया कि टीम ने पूरे सत्र में खराब नहीं खेला। उन्होंने कहा कि इस पिच पर 180-190 का स्कोर एक अच्छा प्रतिस्पर्धी लक्ष्य माना जाता पर हमारी टीम शुरुआती ओवरों से ही पिछड़ गयी और पूरे मैच के दौरान दबाव में रही। अभी तक के मैचों में टी के खराब प्रदर्शन को भी ये एक कारण रहा है।वहीं अपनी टीम की रणनीति को सही बताते हुए हार्दिक ने कहा कि उन्होंने उपलब्ध गेंदबाजी विकल्पों के साथ ही योजना बनाई थी पर उस योजना को मैदान पर सही तरीके से अमल में नहीं लाया जा सका। यह एक गंभीर समस्या है, जो न केवल योजना बनाने पर बल्कि उसे निष्पादित करने की टीम की क्षमता पर भी सवाल उठाती है। उन्होंने निराशा के साथ कहा, गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में वे हमसे बेहतर थे। हमने जो विकल्प थे, उसी के साथ गए, लेकिन अमल सही नहीं हो पाया। इस हार ने मुंबई इंडियंस के लिए प्लेऑफ में पहुंचने के गणितीय समीकरण को लगभग असंभव बना दिया है।

हिंदी के लिए साई पल्लवी ने मांगी माफी, बॉलीवुड डेब्यू से पहले नर्वस हैं एक्ट्रेस

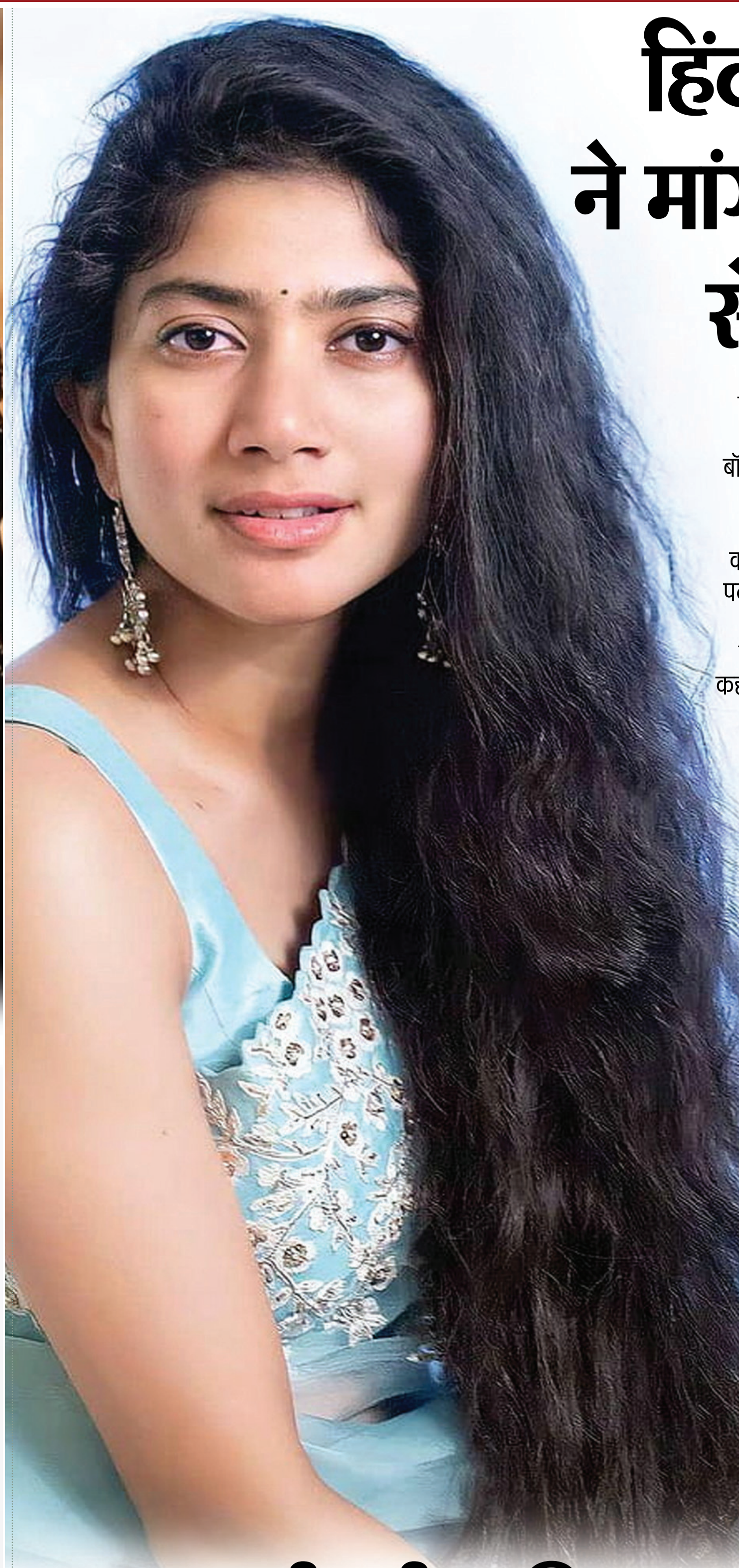

साई पल्लवी आमिर खान के बेटे जुनैद खान के साथ 'एक दिन' फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू को तैयार हैं। रिलीज से पहले फिल्म को लेकर एक इवेंट हुआ, जिसमें आमिर खान समेत फिल्म की कास्ट भी मौजूद रही। इस इवेंट में साई पल्लवी भी पहुंचीं, जहां उन्होंने इमोशनल स्पीच दिया। इस दौरान साई ने अपनी कमजोर हिंदी के लिए माफी मांगते हुए कहा कि वह उत्साहित होने के साथ-साथ थोड़ी घबराई हुई भी हैं।

कमजोर हिंदी के लिए मांगी माफी

कार्यक्रम के दौरान जब साई पल्लवी को मंच पर बोलने के लिए बुलाया गया, तो एक्ट्रेस ने हिंदी पर अपनी सीमित पकड़ के लिए माफी मांगी। साथ ही उन्होंने वहां मौजूद लोगों को आगाह किया कि बोलते समय उनसे ग्रामेटिकल मिस्टेक हो सकती है। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए साई ने स्वीकार किया कि उन्होंने हिंदी में बोलने की तैयारी नहीं की थी। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता था कि हमें इस कार्यक्रम में बोलना होगा। कम से कम मैं हिंदी में कुछ सीख तो लेती, लेकिन कृपया मुझे माफ कर दीजिएगा। व्यक्तिगत रूप से मैं आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं। फिल्म की कास्ट और क्रू की तारीफ करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आप सब अविश्वसनीय थे, हर एक व्यक्ति, आप सभी बहुत ही सुंदर कहानीकार हैं। मैं आपकी भावनाओं को महसूस कर सकती थी, मैं अपने सामने के सीन को देख सकती थी। यह सचमुच बहुत खूबसूरत था।

आमिर का जताया आभार

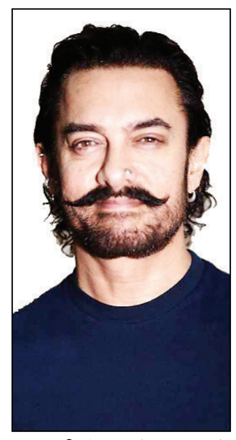

साई ने इंडस्ट्री में अपने सफर को लेकर कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं वास्तव में थिएटर जाने वाली, ऐसी जगह जाने वाली थी जहां इतनी प्रतिभाओं का संगम हो। लेकिन मैंने जो कुछ भी किया है, वह मुझे यहां तक ले आया है और मैं इस पूरी यात्रा के लिए बहुत आभारी हूं। आमिर खान को धन्यवाद देते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि आमिर सर, मुझे इस तरह का मौका देने और इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए चुनने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। जब भी आप सब प्यार की बात करते थे, मैं आपके चेहरे पर चमक देख सकती थी। यह मेरी पहली हिंदी फिल्म होने जा रही है। मैं सचमुच बहुत घबराई हुई हूं। लेकिन यह एक बेहद खूबसूरत सफर है। पूरी टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद।

पेड पीआर बंद होना चाहिए

निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने हाल ही में अपने लोकप्रिय टीवी शो 'कॉफी विद करण' के नए सीजन की घोषणा की। इससे शो के फैंस काफी उत्साहित हैं। अब निर्माता ने इंडस्ट्री में होने वाले पेड पीआर को लेकर बात की। उन्होंने पेड पीआर कल्चर को बंद करने की बात कहते हुए कहा कि बॉलीवुड को अपने काम को ही बोलने देना चाहिए और प्रचार-प्रसार कम करना चाहिए। हाल ही में एक चर्चा में करण जौहर शामिल हुए। यहां एक कंटेस्टेंट ने जाह्नवी कपूर और शनाया कपूर जैसी अभिनेत्रियों द्वारा अपनी हालिया फिल्मों 'परम सुंदरी' और 'तू या मैं' के लिए 'मेथड मार्केटिंग' करने का जिक्र किया। उन्होंने पूछा कि क्या पीआर का यह चलन बॉलीवुड में भी फैल सकता है? इस पर करण ने जवाब दिया कि मुझे लगता है कि बॉलीवुड को पीआर करना बंद कर देना चाहिए। यह कहीं बेहतर होगा। उन्हें अपनी उपलब्धियों को खुद बोलने देना चाहिए क्योंकि दुर्भाग्य से आजकल सारा पीआर पेड पीआर ही है। इसलिए अगर आप यह कहना चाहते हैं कि आप खूबसूरत दिख रहे हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। अगर आपको यह कहना है कि आप धरती पर सबसे अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको पैसे देने होंगे। मुझे लगता है कि पीआर के मामले में हम हद से ज्यादा सक्रिय हैं। इसलिए, वे मेथड मार्केटिंग कर रहे हैं या नहीं, यह मायने नहीं रखता। उन्हें खुद की मार्केटिंग करना बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए।

यहां हर चीज पैसे देकर मिलती है

इस दौरान करण ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका निशाना कोई खास कलाकार नहीं था, बल्कि वे आम चलन की बात कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मेरा मतलब उन लोगों से नहीं है, जिनके बारे में आप बात कर रहे हैं। मेरा मतलब आम तौर पर सभी से है। पीआर और मार्केटिंग काम की महत्वपूर्ण कैटेगरी हैं और इन्हें उसी के हिसाब किया जाना चाहिए। किन अब हर चीज पैसे देकर मिलती है और यह बात बेहद परेशान करने वाली हो सकती है। क्योंकि तब आप यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि क्या लोगों को पसंद आ रहा है और क्या नहीं। अब आप हर चीज को इस नजरिए से देखते हैं, 'क्या लोग सच में इसे पसंद कर रहे हैं या उन्हें पसंद करने के लिए पैसे दिए गए हैं?'

मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। फिल्म सिनेमाघरों में बनी हुई है। हाल ही में अक्षय कुमार का कहना है कि सफलता के लिए मेहनत जरूरी होती है। लेकिन मेरे करियर में मेहनत से ज्यादा भाग्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वहीं अभिनेता अपने फिल्मी सफर को लेकर भी बात की।

क्विज रियलिटी शो 'व्हील्स ऑफ फॉर्च्यून' को होस्ट कर रहे अक्षय कुमार ने मेहनत और भाग्य को लेकर अपनी राय रखी। शो में अक्षय ने कहा कि मैं अपने अनुभवों के आधार पर ऐसा मानता हूं कि मेहनत की जरूरत तो है और मैं पूरी लगन से मेहनत करता हूं। लेकिन मेरे करियर में या अक्षय कुमार ने फिल्म सेट पर अपने रोजमर्रा के अनुभवों के आधार पर आगे बताया कि उन्हें नियमित रूप से हजारों ऐसे युवा, महत्वाकांक्षी अभिनेता मिलते हैं जो उनसे अधिक प्रतिभाशाली या दिखने में बेहतर होते हैं। लेकिन फिर भी गुमनाम रह जाते हैं, क्योंकि इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए तमाम कोशिशों के बावजूद किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया है।

तीन दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं अक्षय

अक्षय कुमार तीन दशकों से अधिक समय से हिंदी सिनेमा में सक्रिय हैं और अब उनकी गिनती इंडस्ट्री के टॉप लीडिंग स्टार्स में होती है। उन्होंने लगभग 150 से भी अधिक फिल्में की हैं। इनमें कई ब्लॉकबस्टर और सुपरहिट फिल्में रही हैं। इनमें 'हेरा फेरी', 'केसरी', 'जॉली एलएलबी', 'हाउसफुल' और 'खिलाड़ी' सीरीज जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अक्षय की पाइपलाइन में हैं ये बड़ी फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय की 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म से अक्षय और प्रियदर्शन की हिट जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है।

जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है

आज की तेजी से बदलती दुनिया और तकनीक के विस्तार ने युवाओं की जीवनशैली को पूरी तरह से बदल दिया है। अक्सर सोशल मीडिया पर अपने अनोखे रिलेशनशिप ट्रेंड्स और नए 'स्लैंग' के कारण चर्चा में रहने वाली जेनजी को लेकर बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल ने अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री ने एक पॉडकास्ट का क्लिप इंस्टाग्राम पर शेयर किया। इसमें काजोल ने अपनी और जेनजी के बीच की बुनियादी अंतर को स्पष्ट करते हुए बताया कि कैसे जानकारी की अधिकता आज की युवा पीढ़ी के लिए चुनौती बन गई है। उनका मानना है कि आज की युवा पीढ़ी को इंटरनेट से मिलने वाले 'शोर' से बाहर निकलकर खुद के लिए फैसला लेने की क्षमता विकसित करनी होगी। केवल सोशल मीडिया के ट्रेंड्स को फॉलो करना काफी नहीं है, बल्कि अपने मूल्यों और सीमाओं को खुद परिभाषित करना ही असल परिपक्वता है।

काजोल कहती हैं, 'मुझे लगता है कि जेनजी इस समय 'जानकारी के ओवरलोड' से गुजर रही है। हम ऐसे समय में बड़े हुए जब जानकारी बहुत सीमित हुआ करती थी। इसलिए हमें अपनी नैतिकता, सीमाएं और सही-गलत का फैसला खुद अपनी सोच से करना पड़ता था।' अभिनेत्री ने बताया कि आज के युवाओं के पास हर चीज के बारे में जवाब उपलब्ध हैं। हर कोई जानता है कि क्या सही है और क्या गलता, लेकिन वे इसमें इस कदर खोए हुए हैं कि वे यह तय नहीं कर पा रहे कि उनके लिए व्यक्तिगत रूप से क्या सही है।

बॉबी देओल की फिल्म 'बंदर' का टॉक्सिक से होगा मुकाबला

बॉबी देओल अपनी आगामी फिल्म 'बंदर'/ 'मंकी इन अ केज' को लेकर चर्चा में हैं। बीते साल सितंबर में इसका प्रीमियर टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। इस साल फरवरी में फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। मगर, अब दर्शकों को इसके लिए इंतजार करना होगा।

फिल्म 'बंदर' अब मई में नहीं, बल्कि जून में रिलीज होगी। दिलचस्प बात यह है कि सुपरस्टार यश की फिल्म 'टॉक्सिक' से इसकी टक्कर होगी। समाचार एजेंसी के मुताबिक फिल्म 'बंदर' 05 जून को दुनियाभर के थिएटर्स में दस्तक देने जा रही है। बता दें कि यश की मेगा बजट फिल्म 'टॉक्सिक' 04 जून, 2026 को रिलीज हो रही है। अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी, बॉबी देओल, सान्या मल्होत्रा, सबा आजाद और सपना पब्बी अभिनीत फिल्म 'बंदर' को निखिल द्विवेदी ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर बीते साल जुलाई में रिलीज किया किया गया था। तब इस फिल्म का सलेक्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। अब यह फिल्म भारतीय दर्शकों तक पहुंच रही है।

दोस्ती शादी को सरल बनाती है

टीवी, फिल्में और ओटीटी पर अपनी यादगार भूमिकाओं से पहचान बनाने वाली कृतिका कामरा हाल ही में शादी के बाद काम कर लौट आई हैं। पिछले दिनों जाने -माने वीजे और क्रिकेट होस्ट गौरव कपूर के साथ अपने सादगी भरी शादी को लेकर चर्चा में रहने वाली कृतिका इन दिनों ओटीटी की वेब सीरीज 'मटका किंग' से खबरों में हैं। इस मुलाकात में वे अपने काम के अलावा अपनी शादी और शादी के बाद होम मैनेजमेंट जैसे मुद्दों पर दिल खोलकर बात करती हैं

कृतिका बताती हैं कि उनके प्यार को शादी की मंजिल तक पहुंचाने में उनके बीच की दोस्ती का बड़ा हाथ रहा। वे कहती हैं, 'मुझे लगता है कि दो पार्टनर के बीच दोस्ती एक ऐसी चीज है, जो दोनों के रिश्ते को सरल बनाती है। वो हमारे बीच शुरू से ही थी। उसके अलावा हम दोनों ही एक-दूसरे की निजता की इज्जत करते हैं। हमारे काम की, हमारे सफर की। मेरी तरह गौरव भी मुंबई से नहीं हैं। हम दोनों ही बाहर से आए और हमने अपनी जगह बनाई, तो हम एक-दूसरे से रिलेट कर पाते हैं। गौरव और मैंने दोनों ने यंग एज से काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने जिस इज्जत और मेहनत से अपना मुकाम बनाया है, मैं उसकी बहुत कद्र करती हूं। मुझे पता है कि आपको किस तरह से अपने वैल्यूज को बरकरार रखते हुए समझौते भी करने होते हैं। हम अपने वर्क एथिक्स पर बहुत ध्यान देते हैं। हम दोनों ही बहुत सारी चीजें साथ में करना पसंद करते हैं, पर अपने-अपने काम को लेकर हम इंडिविजुअल हैं।'

घर का काम मिल-जुलकर करते हैं

अपने होम मैनेजमेंट के बारे में कृतिका कहती हैं, 'हम लोग सालों से मुंबई में अकेले रहते आए हैं, तो घर चलाना गौरव को भी आता है और मुझे भी। अब जैसे मेरी सीरीज के प्रमोशन्स के दौरान गौरव का आईपीएल चल रहा था, तो उनकी शाम की शिफ्ट थी। उस दौरान लंच में क्या होगा, वो देख लेंगे। जो जिस वक्त वे घर पर होते हैं, वे देख लेते हैं और हम मिल-जुलकर काम करते हैं। हम दोनों ही खाना पकाना जानते हैं, ये अलग बात है अभी बनाते नहीं हम। मगर ये सच है कि हमारे रोल ट्रेडिशनली डिफाइन नहीं हैं। अब जैसे मेरी मम्मी भी वर्किंग वुमन थीं और उन्हें घर और ऑफिस के दोनों काम करने पड़ते थे। मगर मैं घर का खयाल उन दिनों रखती हूं, जिन दिनों मैं घर पर होती हूं। घर चलाना मेरी अकेले की जिम्मेदारी नहीं है। गौरव भी सामान रूप से पार्टिसिपेट करते हैं।'

जब दिल और दिमाग ने कहा, तब शादी की

कृतिका और गौरव लंबे समय से एक-दूसरे को जानते थे। फिर बात शादी तक कैसे पहुंची? इस सवाल पर वे कहती हैं, 'मुझे मैरिज इंस्टिट्यूशन पर हमेशा से बहुत गहरा विश्वास रहा है और मैंने इसे कभी हलके में नहीं लिया। चूंकि मैं शादी की अहमियत को समझती हूं, तो मुझे हमेशा से लगा था कि मेरा दिल और दिमाग जब दोनों हां बोलेंगे, तो मैं शादी के लिए तैयार समझूंगी खुद को। हर लड़की को इसी तरह से सोचना चाहिए। हम लोग शादी करने के लिए नहीं मिले थे, मगर फिर धीरे-धीरे हम एक-दूसरे को जानने लगे। मैंने गौरव की कई छोटी-छोटी बातें नोट कीं।'

तेज गर्मी में बूफोन लुक चुनौतीपूर्ण

टीवी से ओटीटी की दुनिया में आईं कृतिका कहती हैं, 'टीवी छोड़े हुए मुझे काफी समय हो गया है, मगर मैंने टीवी पर जितना भी काम किया है, यादगार रोल किए। ओटीटी की मेरी जर्नी तांडव से शुरू हुई थी। उसके बाद मुझे कई बड़े और अच्छे डायरेक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिला। कई बार ऐसा भी हुआ कि वो उनकी पहली वेब सीरीज थी। जैसे ये नागराज मंजुले जी की पहली सीरीज है। अपनी ओटीटी की जर्नी को लेकर मैं बहुत खुश हूं।' अपनी नई सीरीज मटका किंग में कृतिका 60-70 के दशक के लुक में हैं। उनका कहना है कि मेकअप को सेट करने में बहुत वक्त लगता था। बकौल कृतिका, 'इससे पहले कई सीरीज में मैं नो मेकअप लुक में भी रही हूं, पर इस रोल में सिक्टीज के लुक में सजने - संवारने के पूरे मौके थे, तो मजा भी खूब आया, मगर इस लुक के लिए मुझे सेट पर दो घंटे पहले आना पड़ता था। मुझे याद है कि हम रेसकोर्स का सीन शूट कर रहे थे, जिसमें मेरा हेयरस्टाइल बूफोन लुक था। उस लुक में सिर पर एक पफ बनाना पड़ता है। उस पर मैंने हैट भी पहनी थी और हाथों में ग्लव्ज भी। पीक गर्मी में इस लुक के साथ शूट करना बहुत ही चुनौतीपूर्ण था।

अब अपनी हॉबी को ही बना सकते हैं करियर ऑप्शन

आज के समय में जॉब करना आसान नहीं रह गया है । यह काम तब और मुश्किल हो जाता है, जब किसी का प्रोफेशन और हॉबी अलग-अलग हो । जिसके कारण आजकल कई लोग जॉब तो कर रहे हैं , लेकिन वे उन जॉब्स से खुश नहीं हैं । पैसा कमाने के लिए जॉब करना और अपने पैशन को फॉलो करके उसमें आगे जाना दोनों बहुत अलग बात हैं । फिर चाहे उसमे पैसे थोड़े कम क्यों न हो ।

फोटोग्राफी, राइटिंग, म्यूजिक, डांस, सिंगिंग, कुकिंग, पेंटिंग समेत कई ऐसी हॉबी होती हैं, जिन्हे आप फुल टाइम करियर में बदल सकते हैं । सोचिये जो काम आपको सबसे ज्यादा पसंद है और आपकी हॉबी है, उसे आप अलग से समय निकाल कर करते हैं, अगर इसी हॉबी को अपना प्रोफेशन बना लें तो कितना अच्छा रहेगा । अगर आप भी अपनी हॉबी को करियर का रूप देना चाहते हैं, तो यहां पर दिए गए 7 टिप्स को फॉलो कर सकते हैं ।

सबसे पहले रिसर्च करें

अपनी हॉबी को प्रोफेशन में बदलने के लिए सबसे पहले जो काम आपको करना है वो है रिसर्च । किसी भी हॉबी के बारे में आपको पूरी जानकारी होनी चाहिए । आपको पता लगाना है कि क्या आपकी हॉबी फुल टाइम करियर बना सकती है या नहीं । उसमें जॉब और करियर के क्या अवसर हैं और उस क्षेत्र में कितने लोग काम कर रहे हैं और कितने अनुभव की जरूरत पड़ती है ।

सही फीडबैक लें

कोई भी व्यक्ति अपने काम को जज नहीं कर सकता और न ही आपका परिवार या दोस्त आपकी इसमें मदद कर सकते हैं । किसी भी काम को शुरू करने से पहले गाइडेंस के लिए जरूरत होती है एक अनुभवी प्रोफेशनल की जो आपका मेंटर बने । हमेशा याद रखें कि काम शुरू करने से पहले अपनी हॉबी के बारे में अपने मेंटर से ईमानदार फीडबैक लेना बिल्कुल ना भूलें ।

शुरू से शुरुआत करें

यह बात पहले ही अपने मन में बैठा लें कि जब आप कोई करियर स्विच करेंगे तो हो सकता है कि आपको नीचे से ही शुरू करना पड़े । आप अपनी जॉब में फिलहाल ऊंची पोस्ट पर हों, लेकिन आपको नये करियर में नीचे से ही शुरू करना होगा । इसलिए अपनी तैयारी पहले से ही पूरी कर लें ।

पुरानी स्किल्स का इस्तेमाल

आपके पुराने और नये करियर में भले ही कोई समानताएं न हों । लेकिन फिर भी हर जगह से हम कुछ न कुछ स्किल्स तो सीखने को मिलती ही हैं । ऐसी कई स्किल होती हैं, जो हर फील्ड में काम आती हैं । जैसे अगर आप किसी कंपनी के सेल्स डिपार्टमेंट में काम कर रहे हैं और पेंटिंग में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आपकी मार्केटिंग स्किल यहां भी काम आएगी । इसलिए ध्यान रखें कि सभी स्किल का इस्तेमाल अपने नये करियर में करें ।

अपनी फील्ड के एक्सपर्ट बनें

अपनी हॉबी में करियर बनाने से पहले आप उस फील्ड से जुड़े लोगों से संपर्क बनाएं । अपनी नॉलेज और स्किल्स को बढ़ाएं, एक अच्छा नेटवर्क बनाएं । यह आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी । आपको उस फील्ड में सबसे बेहतर बनाने की कोशिश करें ।

अपने काम को मोनेटाइज करें

प्रूफ ऑफ कंसेप्ट एक बिजनेस टर्म है जिसका इस्तेमाल उन उद्यमियों के द्वारा किया जाता है जो फंडिंग की तलाश में होते हैं । आपको भी अपने लिए फंडिंग का इंतजाम करना चाहिए । क्योंकि किसी भी काम के लिए आर्थिक सुविधा बहुत जरूरी है । अगर वह नहीं रहेगा तो आप आगे भी नहीं बढ़ पाएंगे । इसलिए अपने काम से पैसे कमाने की कोशिश करें । आप चाहे तो आपकी स्किल को ऑनलाइन सिखा सकते हैं, एक्सपर्ट लेक्चर ले सकते हैं । या फिर खुद की वर्कशॉप भी लगा सकते हैं ।

इस तरह बदले अपने पैशन को प्रोफेशन में

जब आपके मन में अपने पैशन को प्रोफेशन बनाने का विचार आए तो सबसे पहले अपने सभी हॉबी की लिस्ट बनाएं । मान लीजिये आपकी तीन हॉबी हैं । आपको लिखने का शौक हैं, फोटोग्राफी और पेंटिंग का भी शौक है । अब एक- एक हॉबी पर विचार कीजिए और उसके साथ कुछ दिन जी कर देखें । इससे आपको अपने आप ही मालूम हो जायेगा कि किस काम को लेकर आप ज्यादा बेहतर हैं और वह कार्य करते हुए आपको ज्यादा खुशी मिलती है ।

सफलता के लिए हमेशा याद रखें...

किसी भी कार्य की सफलता के लिए भावना अच्छी होनी चाहिए । कार्य को प्रारम्भ करने के पीछे हमारा भाव क्या है । हम क्या करना चाहते हैं इसका महत्व है । सफलता के लिए भगवान का सुमिरन कर कार्य करें । भगवान का ध्यान कर किए जाने वाले कार्य में सफलता अवश्य मिलती है । केवल परिश्रम से कुछ नहीं होता । कुछ लोग भगवान की असीम कृपा से कम परिश्रम में भी सफलता की ऊंचाइयों को छू लेते हैं । संतों ने सफलता के 3 मंत्र बताए । पहला भगवान का स्मरण, दूसरा धैर्य तथा तीसरा परमार्थ की भावना जुड़ी होनी चाहिए ।

प्रत्येक मंदिर बाहर से स्वच्छ होना चाहिए और भीतर से पवित्र होना चाहिए । प्रत्येक व्यक्ति भी बाहर से स्वच्छ और भीतर से पवित्र होना चाहिए । फिर कोई लम्बी साधना करने की जरूरत नहीं । मां त्रिस्तरीय काम करती है । सृष्टि को उत्पन्न करती है, उसका परिपालन और उसका संघार करती है । अम्बा के 3 स्तर हैं, स्त्री शरीर अम्बा का ही अंश है । ऐसा मानकर उसका 3 स्तर पर सम्मान करना चाहिए । कन्या का सम्मान, धर्मपत्नी का सम्मान और मां का सम्मान । आनंद की अंतिम सीमा आंसू हैं । हम सबका जीवन फल होना चाहिए प्रेम । सत्य शायद हम चूक जाएं । करुणा छूट जाए लेकिन प्रेम बना रहे । यह जीवन का फल है ।

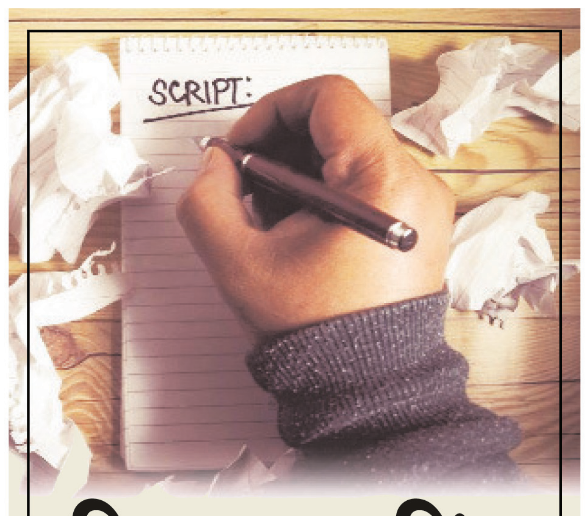

स्क्रिप्ट राइटिंग में करियर

यदि आप लेखन में दक्षता रखते हैं और आपको किताबें पढ़ने में भी गहरी रुचि है तो स्क्रिप्ट राइटर के तौर पर आप अपने शौक को करियर का रूप भी दे सकते हैं। जो युवा लिखने-पढ़ने के साथ मानवीय संवेदनाओं को पकड़ कर अभिव्यक्त करने की क्षमता रखते हैं उनके लिए भी इस क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं।

कार्यक्षेत्र

विज्ञापनों के लिए स्क्रिप्ट राइटर्स की सेवाएं विशेष तौर पर ली जाती हैं । अक्सर विज्ञापनों में ऐसे शब्दों या पंक्तियों का इस्तेमाल किया जाता है जो लोगों की जुबान पर चढ़ जाती हैं । ये सब स्क्रिप्ट राइटर के दिमाग की ही उपज होते हैं । ऐसी रोचक बातों को जिंगल्स कहा जाता है ।

बेशक स्क्रिप्ट राइटर का काम सिर्फ जिंगल लिखना ही नहीं होता बल्कि और कई चीजें हैं जो स्क्रिप्ट राइटर करते हैं लेकिन अधिकतर की शुरूआत जिंगल्स से ही होती है । जाहिर है कि स्क्रिप्ट राइटिंग कहानियां और कविताएं लिखने से कुछ अलग होता है क्योंकि स्क्रिप्ट में लिखी गई हर बात का फिल्मांकन किया जाता है इसीलिए लेखक को यह सोचकर लिखना पड़ता है कि उसके द्वारा लिखी गई स्क्रिप्ट पढ़ी नहीं देखी जाएगी ।

कौशल

इसमें क्षेत्र में करियर बनाने के लिए छात्रों में रचनात्मकता का होना आवश्यक है । कम शब्दों में आपको उत्पादों की विशेषताओं को उपभोक्ताओं तक पहुंचाना होता है । विज्ञापनों के लिए ऐसी जिंगल्स की रचना करनी पड़ती है कि सुनते या पढ़ते ही वह ग्राहक के जेहन में आ जाए । वैसे कोई डिग्री कोर्स तो नहीं होता पर ये जर्नलिज्म के अंतर्गत आता है ।

कल तक विज्ञापन ग्राहकों की संतुष्टि के लिए बनाए जाते थे लेकिन आज जो विज्ञापन आ रहे हैं वे ग्राहकों के संतोष के साथ उसकी खुशी और मनोरंजन को भी महत्व दे रहे हैं । मानवीय भावनात्मक पक्षों को छूते विज्ञापन न सिर्फ देर तक याद रहते हैं बल्कि मन पर भी गहरा असर छोड़ते हैं ।

जिस भी भाषा में आप स्क्रिप्ट राइटिंग करना चाहते हैं उसका गहन ज्ञान आपको होना चाहिए । आपको अधिक से अधिक पुस्तकों को भी पढ़ना चाहिए ताकि आपको विभिन्न लेखकों की शैली की जानकारी भी प्राप्त हो सके । साथ ही फिल्मों तथा धारावाहिकों की स्क्रिप्ट पर गौर करने की आदत भी डाल लें । इसके बाद आप स्क्रिप्ट लेखन में हाथ आजमाएं ।

योग्यता

स्क्रिप्ट राइटिंग में सबसे अहम जरूरत रचनात्मकता की होती है जो पूर्णतः व्यक्ति की विश्लेषण और कल्पना क्षमता पर आधारित होती है लेकिन फिर भी इसके लिए पत्रकारिता का कोर्स कर लिया जाए तो बेहतर होता है । किसी भी विषय में 12वीं कक्षा पास करने के बाद पत्रकारिता में ग्रेजुएशन कर सकते हैं । जो छात्र ग्रेजुएशन कर चुके हैं वे किसी प्रतिष्ठित संस्थान से पत्रकारिता में एम.ए. भी कर सकते हैं ।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
एमिटी स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, नई दिल्ली
इंडियन इंस्टी. आफ मास कम्युनिकेशन नई दिल्ली
जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश
माखन लाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश ।

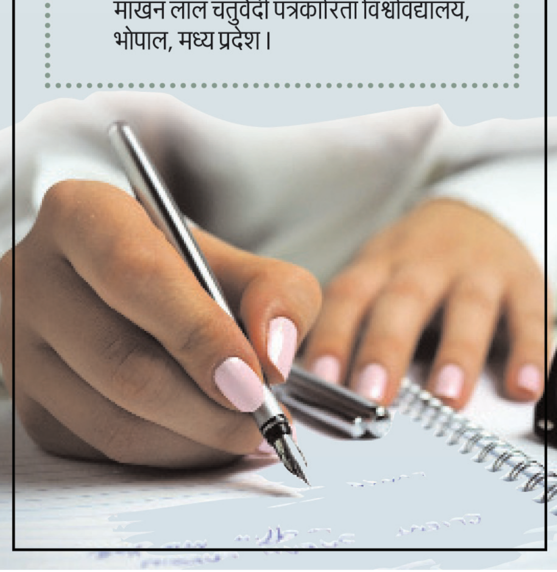

लाभदायक करियर इमेज कंसल्टिंग

भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है। अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है।

इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को अपने भीतर छुपी क्षमताओं को निखारने और साथ ही साथ उन क्षमताओं को सभी के समक्ष प्रदर्शित करने के लिए अपनी अपीयरैंस (दिखावट) के प्रबंधन हेतु मार्गदर्शन किया जाता है । इमेज कंसल्टिंग के तहत लोगों को परिधान पहनने व तैयार होने के ढंग, बॉडी लैंग्वेज, शिष्टाचार एवं सॉफ्ट स्किल्स के बारे में शिक्षित किया जाता है । इमेज कंसल्टैंट व्यक्तिगत रूप से तथा समूह में कोचिंग प्रदान करते हैं । वे किसी एक व्यक्ति अथवा कम्पनियों को अपनी सेवाएं देते हैं । वे लोगों के लिए मुक्त कार्यशाला भी आयोजित करते हैं । इस क्षेत्र से जुड़े कार्यों में पर्सनल शॉपिंग, यूनिफॉर्म डिजाइन, इमेज मैनेजमैंट, पॉलिसी डिजाइन, स्टाइलिंग आदि भी शामिल हैं । भारत में लगातार बढ़ती जा रही प्रतिस्पर्धा की वजह से अपनी इमेज मैनेज करना भी एक अहम जरूरत बन चुकी है । अधिक से अधिक लोग अब इस जरूरत को महसूस कर रहे हैं जिस वजह से देश में इमेज कंसल्टैंट की सेवाओं की मांग में काफी इजाफा देखने को मिल रहा है ।

यह ऐसा करियर है, जिसमें व्यक्ति अन्य लोगों के विकास का मुख्य सहयोगी बनता है तथा अन्य लोगों को और अधिक सफल बनाने से उसे सफलता मिलती है । यह क्षेत्र उन महिलाओं को करियर बनाने का दूसरा मौका देता है जिन्होंने कुछ समय के लिए अपने पहले करियर को छोड़ रखा हो । इमेज कंसल्टिंग बिजनैस इंस्टी. भारत में इमेज कंसल्टैंसी की शिक्षा तथा प्रशिक्षण देने वाला अग्रणी संस्थान होने के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर भी एक प्रतिष्ठित संस्थान है । यह संस्थान इमेज कंसल्टिंग एवं बिजनैस प्रोग्राम संबंधी अनोखे पेशेवर कोर्स करवाता है । इस संस्थान की डायरैक्टर सुमन अग्रवाल भारतीय उपमहाद्वीप की वरिष्ठतम इमेज कंसल्टैंट मानी जाती हैं । उनकी कहानी भी एक उत्तम प्रेरणा स्रोत है । उन्हें कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ देनी पड़ी थी परंतु आज वह एक सफल उद्यमी तथा इस संस्थान की डायरैक्टर हैं, जिसकी स्थापना उन्होंने 2009 में की । यूनाइटेड किंगडम स्थित फैडरेशन ऑफ इमेज प्रोफैशनल इंटरनैशनल द्वारा उन्हें इमेज मास्टर अवार्ड से नवाजा गया जिससे वह भारतीय उपमहाद्वीप में सर्वाधिक वरिष्ठ इमेज कंसल्टैंट बन गईं । इमेज कंसल्टिंग में पहनावे के महत्व पर वह कहती हैं, ''80 प्रतिशत से अधिक संवाद दृश्य होता है और पहनावा इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है । जब भी आप किसी से मिलते हैं तो व्यक्ति का सबसे अधिक ध्यान सामने वाले के पहनावे पर ही जाता है । हालांकि यह बताना जरूरी है कि पहनावे के संबंध में कौशल एक इमेज कंसल्टैंट के पास होता है, वह सर्वश्रेष्ठ फैशन डिजाइनर समेत किसी अन्य पेशेवर के पास नहीं हो सकता है । महत्व बढ़िया परिधानों का नहीं होता, बल्कि उस संदेश का होता है जो आप अपने पहनावे से सामने वाले को देना चाहते हैं । सही पहनावे को सुनिश्चित बनाने के लिए व्यक्ति को अपने काम, लक्ष्यों एवं मौके का ध्यान रखने के अलावा आकर्षक दिखने के लिए अपने शारीरिक ढांचे, रंग-रूप, चेहरे के आकार आदि पर भी गौर करना पड़ता है ।'' उनके अनुसार इस क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए यह एक उत्तम एवं बेहद लाभदायक करियर साबित हो सकता है ।

पत्राचार शिक्षा से बदलती युवाओं की तकदीर

आज सभी विषयों में ग्रैजुएशन तथा मास्टर डिग्री कोर्स के अलावा अनेक सर्टीफिकेट कोर्स एवं डिप्लोमा भी पत्राचार माध्यम से दूरस्थ शिक्षा के रूप में उपलब्ध हैं। इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को सभी संबंधित विषयों का बुनियादी ज्ञान प्रदान करना होता है। अधिकतर पत्राचार पाठ्यक्रम विश्वविद्यालयों द्वारा चलाए जाते हैं और इनमें सभी विषय-विधाओं के 10+2 छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

कुछ प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में प्रवेश एक चयन परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है । पत्राचार शिक्षा ने हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक आश्चर्यजनक परिवर्तन ला दिया है । पत्राचार माध्यम से अध्ययन करने वाले छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न आधुनिक तकनीकों का सहारा भी दिया जा रहा है । उपग्रह संचार, लो पावर ट्रांसमीटर्स की सहायता एवं सूचना सुपर-हाइवेज के माध्यम से देश भर में शिक्षा का प्रसार हो रहा है ।

देश में अनेक मुक्त विश्वविद्यालय तथा उससे भी अधिक नियमित विश्वविद्यालय तथा कई अन्य संस्थाएं दूरस्थ अध्ययन कार्यक्रम चलाते हैं । दूरस्थ शिक्षा पद्धति कई श्रेणियों के शिक्षार्थियों, विशेष रूप से देरी से पढ़ाई शुरू करने वालों, जिन व्यक्तियों के घर के पास उच्चतम शिक्षा साधन नहीं है, सेवारत व्यक्तियों और अपनी शैक्षिक योग्यताएं बढ़ाने के इच्छुक व्यक्तियों को लाभ प्रदान कर रही है । मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे लचीले पाठ्यक्रम विकल्प देते हैं जिन्हें वे छात्र ले सकते हैं जिनके पास कोई औपचारिक योग्यता नहीं है किन्तु अपेक्षित आयु (प्रथम डिग्री पाठ्यक्रमों के लिए 18 वर्ष) के हो चुके हैं और लिखित प्रवेश परीक्षा भी उत्तीर्ण कर चुके हैं । ये पाठ्यक्रम छात्र अपनी सुविधानुसार भी ले सकते हैं । विश्वविद्यालयों के दूरस्थ शिक्षा केंद्र न्यूनतम पात्रता रखने वाले उम्मीदवारों को प्रवेश देते हैं । यह पात्रता नियमित पाठ्यक्रमों के समान ही होती है । पत्राचार शैक्षिक संस्थाएं छात्रों को पाठ्यक्रम सामग्री के साथ-साथ संपर्क कक्षाएं भी उपलब्ध कराती हैं और परीक्षाएं संचालित करती हैं ।

अधिकांश विश्वविद्यालय मुद्रित अध्ययन सामग्री के अलावा अपने स्थानीय केंद्रों पर मल्टीमीडिया साधनों से भी छात्रों को शिक्षित करते हैं । ये विश्वविद्यालय ग्रैजुएशन पाठ्यक्रम, मास्टर डिग्री पाठ्यक्रम, एम.फिल पीएच.डी. तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम भी चलाते हैं जिनमें से अधिकांश पाठ्यक्रम करियर उन्मुखी होते हैं ।